हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

25 मार्च, 1982

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 25 मार्च, 1982

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(9) 1
नियम 45 के अधीन सदन–की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(9) 50

अतारांकित प्रश्न राव उत्तर (9) 58

एस ० वाई ० एल ० नहर का रेखांकन (9) 103

ध्यानाकर्षण सूचना –

जे ० एल ०एन हे नहर के कुछ पहुंच क्षे वों में अधिक पानी रिसने तंथा लीक होने से हुई फसलों की हानि सम्बन्धी (9) 109

वक्तव्य–

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्षण सूचना सम्बन्धी (9) 110

वाक–आउट (9) 113

वक्तव्य (पुनरारम्भ) (9) 114

गैर सरकारी संकल्प–

राज्य में शिक्षा संस्थाओं में नैतिक शिक्षा सम्बन्धी (पुनरारम्भ) (9) 115

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 25 मार्च, 1982

विधान सभा का बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल,

विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई ।

अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे ।

Recruitment of Stock Assistants

***2584. Shri Inderjit Singh :**Will the Minister for Jails and Dairy Development be pleased to state—

(a) the district-wise number of Stock-Assistants recruited either through Employment Exchage, Advertisement or S.S.S Board during the years, 1978-79, 1979-80, 1980-81 and

1981-82 (Upto 30th September, 1981); and ,

(b) the number of persons, out of those referred to in part(a) above, belonging to Scheduled Castes, Backward Classes and Ex-servicemen ?

Jails and Dairy Development Minister (Chaudhri Shiv Ram Verma) :

(a) A statement is laid on the Table of the House. (Annexure-I).

(b) A statement is laid on the Table of the House. (Annexure-II).

Annexure—I

	Name of the District	No. of Stock Assistants recruited through Employment Exchange/Advertisement/ S.S.S. Board during the years 1978-79 to 1981-82 (30-9-1981)
1.	Hissar	124
2.	Mohindergarh	18
3.	Sonepat	24
4.	Rohtak	40
5.	Faridabad	6
6.	Jind	53
7.	Karnal	57
8.	Sirsa	5
9.	Kurukshetra	15
10.	Bhiwani	37
11.	Gurgaon	10

12.	Ambala	7
	Others	12
	Total	408

Annexure-II

Sr. No.	Name of the District	No. of Stock Assistants beloning to Scheduled Castes/Backward Classes/Ex-servicemen recruited through Employment Exchange/Advertisement/ S.S.S. Board during the years 1978-79 to 1981-82 (30-9-1981)		
		Scheduled Castes	Backward Classes	Ex-servicemen
1.	Hissar	11	20	
2.	Mohindergarh	3	1	1
3.	Sonepat	4		
4.	Rohtak	3	2	
5.	Faridabad	1	1	
6.	Jind	11	6	1
7.	Karnal	6	9	3
8.	Sirsa	3		
9.	Kurukshetra	2	1	1
10.	Bhiwani	10		2 2
11.	Gurgaon	2	1	1

12.	Ambala	4		1
	Others		1	
	Total	60	44	10

श्री इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर साहब, अभी मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में वताया है कि सन 1978 से ले कर सन 1 982 तक स्टाक असिस्टेन्ट 408 लगाये है । क्या मन्त्री महोदय ईयरवाइज ब्रेक–अप कताने की कूपा करेंगे?

चौधरी शिव राम वर्मा : अगर आप अलग अलग ईयरवाइज पूछते तो अलग अलग दे देते । आपने इकट्ठा पूछा था वह दे दिया है । ईयंवाइज ब्रेक–अप के लिये आप अलग से नोटिस दे दें, जवाब दे दिय जायेगा ।

श्री अध्यक्षः आपने चार–पांच साल का डिस्ट्रिक्टवाइज ब्रेक –अप पूछा है, वह दे दिया है । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी हुकम सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताने का कष्ट करेगें कि एम्पलायमेंट एक्सचेज बोर्ड तथा डायरैक्ट कितनी–कितनी नियुक्तिया हुई है ?

चौधरी शिव राम वर्माः अध्यश्र महोदय, एस० एस० एस० बोर्ड से कोई व्यक्ति नहीं लिया, एस्पलायमेंट एक्सचेज से 227 लिए है और एम्पलायमेंट एक्सचेज से नाम अवेलेबिलिरी सर्टिफिकेट ले कर डायरेक्ट 181 आदमी लिए है ।

(इस समय चौधरी गंगा राम जी एम ० एल ० ए० लौबी की छत पर अजीब ढग का पोज बना कर खड़े हुए दिखाई दिये)

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, गोहाना हल्के के एम० एल ० ए ० लौबी की छत्त पर खड़े हैं । (शोर एवं व्यवधान) आप उन्हें हाउस में आने की परमिशन दें ।

श्री अध्यक्ष : आप भी परमिशन ले कर बोले । यह ठीक ही लगता कि क्वैश्चन–आवर में किश इजाजत के बोलते रहे । (व्यवधान)

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, हमारा ध्यान सामने खड़े हुए चौधरी नगार। म की तरफ जाता है इसलिये आप उन्हें अन्दर आने की परमिशन दे दे । आखिर वे भी एम ० एल ० ए ० है ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, ये ठीक कहते है कि ध्यान उधर जाता है । मैं आपसे निवेदन करुंगा की इस तरह का ड्रामा करने वाले मेम्बर को हाउस के एरिया में आने की परमिशन नहीं दे नी चाहिये । उन्हें हाउस इस एरिया से बाहर करवाइये ।

श्री अध्यक्ष : लीडर आफ दि अपोजीशन, चार पाच एम ० एल० ए० साहेबान और चौधरी गंगाराम जी मेरे पास आये थे उन्होंने कहा कि इनसे गलती हो गई है इसलिये अब इन्हे हाउस

में बुला लें । मैम्बर साहेबान आपको पता है कि उन्हे निकालने के लिए हाउस में मोशन पास हुआ था इसलिये मैने लीडर आफ दि हाउस और पार्लियामेंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर चौधरी खुरशीद अहमद से रिक्वैस्ट की थी कि इस मोशन को खत्म करके उन्हें वापिस बुला लें । गंगाराम जी ने आश्वासन भी दिया था कि आइन्दा ऐसी बात नही करुंगा और हाउस के नार्मज को फालो करुंगा लेकिन इस किस्म का सैसेशनल ड्रामा एक एम ० कल ० ए ० का करना ठीक नही है और न ही मैं इसे पसन्द करता हूं । जब मैंने विश्वास दिला दिया था उसके बाद फिर इस किस्म का ड्रामा करना कोई अच्छी बात नही?

श्री मूल चन्द मंगलाः स्पीकर साहब, फरीदाबाद जिले से केवल 6 स्टाक असिस्टेन्ट लिए हैं और हिसार से 124 लिए हैं क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि यह इतना मतभेद क्यों किया गया है?

चौधरी शिव राम वर्मा : वही लोग लिए जाते हैं जिन्होंने स्टाक असिस्टेन्ट और वैटर्नरी कंपाउन्डर का कोर्स पास किया हो । जिन लोगों ने कोर्स ही पास नही किया, उन्हें कैसे लिया जायेगा? फरीदाबाद के लोगों ने कोर्स ही पास नही किय होगा, इसलिये नहीं लिए ।

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, अनैक्श्चर 2 में दिया हुआ है कि एक्स– सर्विसमैन 10 और हरिजन 60 लिए हैं । में मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि एक्स–सर्विस मैन का कोटा

पूरा क्यों नहीं किया? दूसरे हिसार जिले के ही वैटर्नरी कम्पाउन्डर क्यों लिए? क्या ये इसलिये तो नहीं लिए हैं कि वहा के मुख्यमन्त्री हैं? तीसरी बात यह है कि हरियाणा सरकार ने बार–बार आश्वासन दिया है कि हरिजनों और एक्स सर्विस मैन का कोटा पूरा कर रहे हैं लेकिन एक्स सर्विसमैन का भी कोटा प्रा नहीं –किया । हिसार जिले में भी आदमपुर कांस्टीच्युंसी के ज्यादा लिये गये हैं ।

चौधरी शिव राम वर्मा : अध्यक्ष महोदय यह बिल्कुल गलत बात हए कि आदमपुर के, मुख्य मन्त्री जी की वजह से ज्यादा लिये हैं । जहां से भी हमें ट्रेन्ड मिले, वहीं के ले लिये हैं । जिन लोगों ने स्टाक असिस्टेन्ट का कोर्स हिसार युनिवर्सिटी से या कहीं और से किया है उन्हीं को लिया है । किसी भी जिले के साथ कोई भेद भाव नहीं किया गया है । अगर किसी भी माननीय सदस्य के पास दो चार या आठ ट्रेन्ड स्टाक असिस्टेन्ट हों तो हम भर्ती करने के लिए तैयार हैं ।

श्री अध्यक्ष : पहले आप हरिजनों, एक्स सर्विसमैन और बैकवर्ड क्लासिज का कोटा तो पूरा करें ।

चौधरी शिव राम वर्मा : जो भी हमें ट्रेन्ड मिले वही हमने लगा दिये । जब हमें रिजर्व कोटे केटेरन्ड नहीं मिले तो हम डाक्टरों और कम्पाउन्डर्ज के बिना डिस्पैन्सरिज को खाली नहीं रखना चाहते इसी–लये हमने दूसरे लोग लगा दिये । अगर हरिजन और दूसरे मिल जाते तो हम उन्हें लगा देते ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, बैकवर्ड क्लासिज का तो कोटा पूरे से भी ज्यादा है ।

चौधरी शिव राम वर्मा : स्पीकर साहब चीफ मिनिस्टर साहब ने ठीक कहा है कि बैकवर्ड क्लासिक के लोग कोटे से भी ज्यादा लिए हैं ।

चौधरी ईश्वर सिंह : मन्त्री जी ने जबाब में बताया है कि कुल 408 स्टाक असिस्टेन्ट लिए है जिनमें से केवल 60 हरिजन लिए हैं जबकि टोटल 81 लेने चाहिए थे, केवल 2 1 की कभी है । इन्होंने साथ में यह भी कहा है कि ट्रेन्ड व्यक्ति नहीं मिले । मैं मस्ती महोदय से जानना चाहता हूं कि जब ट्रेनिंग पर भेजे जांने लगे तो क्य हरिजन 21 लडके मैट्रिक पास नहीं मिले? आपने तो केबल मैट्रिक पास को ही ट्रेनिंग पर भेजना था ।

श्री अध्यक्ष : मैट्रिक पास नही लेने वें बल्कि ये बोलने थे जिन्होंने एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार से स्टाक असिस्टेन्ट का कोर्स पा किया हुआ हो ।

चौधरी ईश्वर सिंह : स्पीकर साहब, इन्होंने मैट्रिक पास की रिक्रूटमैंट करके ट्रेनिग क्लास के लिए भेजे थे ।

चौधरी शिव राम वर्मा: हमने रिक्रूटमैटं ट्रेनिग क्लास के लिये नहीं की बल्कि उन्हें अप्वायंटमेंट दी है ।

श्री गुलजार सिंह : जैसा कि मन्त्री जी ने बताया. कि इन्हें ट्रेनिंग याफता स्टाक असिस्टेन्ट नहीं मिले इसीलिये रिजर्वेशन का कोटा प्रा नहीं हो सका । क्या मन्त्री जी यह बताने का कष्ट करेंगे कि ट्रेनिंग में भेजते वक्त कोई हिदायत जारी की गई थी कि जितना रिजर्वेशन का कोटा बनता है, उसे पूरा किया जाये?

चौधरी शिव राम वर्मा : स्पीकर साहव, पहले ट्रेनिग यूनिवर्सिटी देती रही है लेकिन जब यूनिवर्सिटी से आदमी पूरे नहीं हो सके तो महकमे की तरफ से भी ट्रेनिंग क्लासिज शुरु की गयीं । स्पीकर साहब, यह सवाल तो रैगुलर नौकरी देने की बाबत है, ट्रेनिंग की बाबत नही हैं । ट्रेनिंग की बाबत अगर ये भाई अलग से सवाल देंगे तो हम जवाब दे देंगे । इसमें मैं तुक बात और जोड़ दू कि हमने इस बात की पूरी–पूरी कोशिश की है कि रिजर्वेशन के अनुसार पुरे आदमी लिये जायें ।

श्री इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने यह कहां है कि ईयरवाइज ब्रेक–अप के लिऐ मुझे सपरेट नोटिस चाहिये । इन्होंने यह कहा है कि हमने 181 आदमी एम्पलायमैट एक्सचेंज से नान–अवेलेबिलिटी सर्टीफिकेट लेने के बाद सीधे लिये हैं । मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हुं कि इन 181 आदमियों की डिस्ट्रिक्टवाईज ब्रेक–अप क्या है?

चौधरी शिव राम वर्मा : स्पीकर साहब, यह तो वही बात है । पहले वाली ब्रेक– अप की तरह ही यह पूछ रहे छैं ।

श्री इन्द्रजीत सिंहः मैं ईयरली नही पुछ रहा हूँ । मैं तो इक्ट्ठे ही 5 साल की इन्फर्मेशन पूछ रहा हूं ।

चौधरी शिव राम वर्मा : स्पीकर साहब, इन्होंने अपने सवाल में यह इन्फर्मेशन नहीं पूछी है, अगर यह पूछते तो हम कता देते । इस बात के बारे में अगर यह पूछना ही चाहते हैं तो अलग से नोटिस दें, हम इनको बता देंगे ।

श्री मूल चन्द जैन : स्पीकर साहब, अभी मन्त्री जी ने एक बात कही कि कुछ लड़के तो हमें एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से ट्रेनिंग याफता मिल गये लेकिन जब वहां से नहीं मिले तो इसके बाद अपनी टेरनिंग क्लासिज महकमे की तरफ से शुरु की हैं । मैं मन्त्री जी से जानने चाहता हूं कि हिसार एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी से कितने लड़के लिये हैं और गवर्नमेंट के महकमे की तरफ से कितने लिये गये हैं?

श्री अध्यक्ष : यह तो एक टोटली डिफरैन्ट इशू आ जाता है । अप्वायंटमैंट्स का सवाल है, ट्रेनिंग का सवाल नही है ।

श्री मूल चन्द जैनः मैं तो यह पूछना चाहता हूं कि जब हिसार एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी पूरा नही कर सकती तो गवर्नमेंट ने अपनी ट्रेनिंग के लिये कैडीडेट्सं को भेजा, जो गवर्नमैंट ने ट्रेनिंग के लिये थे जे, उनका नम्बर कितना है? (व्यवधान)

Mr. Speaker : That is a different issue altogether. This is the matter regarding admission for training in Hissar Agricultural University.

श्री मूल चन्द जैनः यही पर तो घपला है ।

चौधरी शिव राम वर्मा : घपला किसी बात में नही है । इनको तो ऐसे ही वहम हो रहा है । (व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, जिस प्रकार से शिक्षा विभाग में एक्स–सर्विसमैन की पोस्टों के लिये प्रोवीजन है कि अगर वह अवेलेबल नही है, तो उनके लड़के–लड़कियों को सर्विस दी जा ती है.. (शोर एवं व्य–वध–रग)

श्री अध्यक्ष : यह अकेले शिक्षा विभाग की बात नही है, यह तो सारे विभागों में है ।

श्री हीरा नन्द आर्य : क्या मन्त्री जी यह बतायेगे कि एक्क–सर्विसमैन नही मिले तो उनके बच्चों को लेंगे?

चौधरी शिव राम वर्मा : स्पीकर साहब, आपको पता है कि एक्स–सर्विसमैन तो ऐसे ट्रेन्ड अवेलेबल होते ही नही है । हमने फौजियो के लेडको को ही लियन है ।

Deaths of Patients in the Medical College Hospital, Rohtak

***2604. Chaudhri Sant Kanwar :** Will the Minister for Health be pleased to refer to reply to Question No. 417 given on 10-3-1981 and state—

(a) whether any committee has been constituted or is proposed to be constituted in the Medical College, Rohtak, to investigate the causes of deaths of patients in the Medical College Hospital, Rohtak;

and

(b) whether any doctor has been held responsible, by the Committee referred to in part (a) above, if the same has-already been constituted, of causing death to any patient due to negligence ?

Health and Tourism Minister (Chaudhri Gajraj Bahadur Nagar) :

(a) No.

(b) Question does not arise.

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साह क, मन्त्री जी ने उत्तर दिया है कि 'जी नहीं' और 'प्रश्न उत्पन्न नही होता ' । क्य यह बात सरकार की नौलेज में नहीं है कि मैडीकल कालेज रोहतक में इस साल कई मौतें आप्रेशन के टाईम पर ब्लड बैक से खून मिलने के कारण और डाक्टरों की नैग्लीजैस के कारण हुई है? क्या यह बात ठीक है कि आपरेशन के वक्त रेट में रुई रह जाने की वजह से डाक्टरों की नैग्लीजैसं से भी कई मौतें हुई है? अगर ऐसी बात है तो क्या सरकार इस बात की जांच करेगी कि जिन डाक्टरों की गलती की वजह से मौतें हुई है, उनमें कौन दोषी है ।

श्री अध्यक्ष : अगर आपके पास कोई स्पैसिफिक कम्पलेंट हो कि फलां आदमी की डैथ डाक्टरों की नैग्लीजैस की वजह से हुई है तो आप बताये । ऐसे ही कहना कि वहां पर कई मौते हो चुकी है, यह कोई ठीक बात नहीं है ।

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, पिछले दिनों आपने अखबारों में पढ़ा होगा कि .....

श्री अध्यक्ष : आप अखबारों की बात यहां पर कहते हो । औपको खुद पता नहीं है । आप खुद इतने भोले नही हो कि उसको सच्च ही मान लो । (व्यवधान व शोर)

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, मैडीकल कालेज रोहतक के अन्दर एक गरीब आदमी नौकरी करता है । एक गरीब आदमी जो वहां पर स्वीपर है । उसके लड़के की डैथ डाक्टरों की गलती की वजह से हो गयी और वहां पर हड़ताल भी हुई ।

श्री अध्यक्षः फिर आपने इस बारे में क्या कार्यवाही की?

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, हम वहा के डी ० सी ० और एस ० पी ० से मिले । (व्यवधान व शोर) स्पीकर साहब, जब वहां पर हड़ताल हुई है तो यह बात गवर्नमैंट के नोटिस में मी जरुर आ गई होगी । मैं जानना चाहता हुं कि गवर्नमैंट ने उस पर क्या कार्यवाही की?

चौधरी गजराज बहादुर नाग : स्पीकर साहब, आज तक मेरे पं किसी ने इस वारे में कम्पलेंट नही की? न लिखित रुप में दी है और न जुबानी दी है कि डाक्टर की नैग्लीजैस की वजह से

मैडिकल कालेज में ऐसा कोई केस हुआ है ।Therefore. question does not arise to take any action.

डा ० बृज मोहन गुप्ता : स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि क्या मैडीकल कालेज में पैथौलोजीकल पोस्ट मार्टम का प्रबन्ध है या नहीं?

Mr. Speaker : This requires a separate notice.

डा० बज मोहन गुप्ता : सर, मैं इसको एक्सपलेन करना चाहता हूं ।

श्री अध्यक्षः इसमें एक्सप्लेनेशन की कोई बात नही है । यह तो क्वैश्चन की बात है ।

डा ० बृज मोहन गुप्ता : सर, एक मैडीको–लीगल पोस्ट मार्टम होता है और दूसरा पैथोलोजीकल पोस्ट मार्टम होता है मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या इसका वहां पर प्रबन्ध है?

Mr. Speaker : This is not relevant. This requires a separate notice. आप कल को एम ० बी ० बी ० एस ० का सिलेबस पूछेंगे तो क्या यह वह भी बतायेंगे ।

चौधरी गजराज बहादुर नागर : सर, वैसे तो इस सवाल का मेने सवाल से कोई सम्बन्ध नही है, लेकिन मेरे फाजिल दोस्त बहुत जोर दे रहे है, इसलिये मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि वहां पर बाकायदा इस बात का भी इन्तजाम है ।

Four-Lane G.T. Road

***2609. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for P.W.D. (B & R) be pleased to state--

(a) whether any portion of the Delhi-Ambala G.T. Road has been made as a four-lane road ; if so, the total length thereof;

(b) the estimated length of G.T. Road, referred to in part (a) above likely to be made as a four lane road during the years, 1981-82 and 1982-83, separately:

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to make the total length of G.T. Road from Delhi to Ambala as four lane road; and

(d) if so, the time by which the afore-said proposal is likely to materialize ?

Public Works Minister (Kanwar Ram Pal Singh)

(a) No. The work on a length of 11 Kms. is, however, at an advanced stage of completion.

(b) 1981-82

(i) Nil

1982-83

(ii) 20.705 Kms.

(c) Yes.

(d) G.T. Road is a National Highway. The completion of the four laning work will depend on the funds made available by Government of India.

श्री फतेह चन्द विज : क्या मन्त्री सहोदय बतायेंगे कि कल इस हाई वे पर फोर लेनिंग के मुल–लिक करनाल में कोई सैन्टर की टीम आयी हुई थी, यदि हां तो उसके साथ मीटिंग में क्या फैसला निकला?

कंवर रामपाल : स्पीकर साहब, यह बात दरुस्त है कि कल सैन्टर से शिपिंग एण्ड ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब आये हुए थे । उन्होंने हाई वे को फोर लेन बनाने के बारे में और पानीपत बाई पास के बारे में भी मेरे से बात की है । श्री फतेह चन्द विज जी ने एक सवाल पूछा था कि पानीपत शहर के अन्दर ट्रेफिक काफी भारी है और वहां पर एक्सीडैटस भी बहुत होते हैं । मैंने उन–से इस बारे में भी प्रार्थना की थी कि शहर। के अन्दर इस सड़क को चौड़ा करने की आशा प्रदान करें और उसके लिए कुछ पैसा भी दें। वे इस बात के लिये मान गये हैं कि 10 लाख रुपया इसी साल के अन्दर सड़क को चौड़ा करने के लिये देंगे । इसके साथ ही मैंने उनसे यह भी प्रार्थना की कि स्टेट गवर्नमेंट ने आपको इस वाई पास का एस्टीमेट भी बनाकर भेजा था लेकिन आपने उस बाई पास को ही –जान से निकाल दिया, है इसको भी जान में इन्कल्यूड करने की कृपा करें । उन्होंने हमारी इस बात को भी मान लिया है ।

डा० मंगल सैनः स्पीकर साहब, सवाल में बहे पूछा गया था

"Whether any portion of the Delhi-Ambala G.T. Road has

been made as a four-lane road;

और इसका जवाब इन्होंने 'नो' दिया है आगे पूछा गया है

"if so, the total length thereof "

In reply to this, it has been stated—

"The work on a length of 11 Kms. is, however, at an advanced stage of completion."

स्पीकर साहब, आप भी जरा गौर फरमाएं । 'नो' भी कह रहे हैं और साथ में जवाब भी दे रहे हैं । मैं मन्डी महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने केन्द्रीय मन्त्री से कहा है कि हमें तमाम पैसा दिया जाए ताकि हम फोर लेन बना सकें? जो जवाब दिया गया है वह कन्ट्राडिक्टरी है ।

कंवर रामपाल सिंहः कन्ट्राडिक्टरी नहीं है । सवाल यह है कि कितनी सड़क कम्पलीट कर दी गई है । अभी तक कोर लेन रोड कोई कम्पलीट नहीं हुई है किन्तु इस पर काम चल रहा है । कम्पलीट तब होती है जब काम पूरा कर दिया जाता है 'मेड' मीज 'कम्पलीट' ।

Dr. Mangal Sein : Made means under completion

Mr. Speaker : The reply given by the Hon'ble Minister is quite self-explanatory,

डा ० मंगल सैन : स्पीकर साहब, आप—नें ठीक सर्टिफिकेट दिया है।

Mr. Speaker : If there is any such thing, I will be the last person to say. (Interruptions)

Dr. Mangal Sein : Have you given such a commendation certificate to the members of the opposition ? (Interruptions). This is a grouse.

Mr. Speaker : Doctor Sahib, you are one of the most senior legislators and I have highest respect and regards for you. (Interuption) I am propared to you a commendation certificate लेकिन आप मुझ से बहत ज्यादा सीनियर लैजिस्लेटर हैं मेरे कोमैंन्डेशन सर्टिफिकेट की आपको क्या आवश्यकता है? आपको मुझे कोमैन्डेशन सर्टिफिकेट देना चाहिए ।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जनता सरकार के वकत में इसी जी ० टी ० रोड पर उस वक्त के केन्द्रीय ट्रांसपोर्ट एण्ड शिपिंग मिनिस्टर ने इस– सड़क को फोर लेन करने के लिए पत्थर रखा था लेकिन आज वहां पर ढाबे वगैरह बने हुए हैं । उस वक्त– वायदा किया गया था कि इस काम को बहुत तेजी से चलाया जाएगा । मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इस काम को करने के लिए जब उस वक्त फण्डज अवेलेबल थे तो वे अब भी होने चाहिएं । इस काम को करने में क्या रुकावट है?

कंवर राम पाल सिंह : स्पीकर साहब, दिल्ली से अम्बाला तक फोर लेन रोड बननी है । उसका टोटल ऐस्टीमेट गवर्नमेंट आफ इंडिया को भेजा था लेकिन वहां से हमें इंस्ट्रक्शंज आई. कि फोरलेनिंग का सारा ऐस्टीमेट एक साथ पास नहीं किया जाएगा ।

उन्होंने स्वयं टुकड़ों में इस सारी सड़क को बांटकर सुजैशन दी कि इन टुकड़ों के हिसाब से ऐस्टीमेट भेजा जाए । उसी हिसाब से हमने ऐस्टीमेट भेजा है । जैसा कि अभी माननीय सदस्य ने कहा कि केन्द्रीय मन्त्री ने पत्थर रखा था, इस बारे में मैं कहना चाहता हू कि जहां मन्त्री महोदय ने पत्थर रखा था वहां पर दिल्ली बौर्डर पर काम बहुत तेजी से चल रहा है और 1982– 83 में मूरथल तक फोरलेनिंग कम्पलीट कर दी जाएगी और आगे के ऐस्टीमेट के लिये कल ही केन्द्रीय मन्त्री महोदय ने आश्वासन दिया है कि पानीपत तक कोशिश करेंगे । अगर पानीपत तक नहीं तो जो करनाल और सोनीपत का बौर्डर पडता है वहां तक का ऐस्टीमेट उनके पास गया है उसको वे पास कर देंगे ताकि फोरलेनिग का काम चालू रहे ।

चौधरी उदय सिंह दलाल : स्पीकर साहब, जी ० टी ० रोड पर शहर के लोगों ने रुकावट डाल रखी है । उन रुकावटों को तो दूर नही किया जाता है बल्कि काश्त–कार की जमीन बाइ–पास बनाने के लिये' ली जा रही है । क्या मस्ती महोदय कताने की कृपा करेंगे कि जी० टी ० रोड पर जिन लोगों ने भा–जायज कब्जा कर रखा है उनके कब्जे को हटाया जाएगा?

श्री मूल चन्द जैन : स्पीकर साहब, ठीक यही मेरा सवाल था ।

श्री अध्यक्षः बाबू जी कल तक तो आप कह रहे थे कि बाई–पास क्यों नहीं बनाया जा रहा है और आज आप दूसरी ही बात कह रहे हैं ।

श्री मूल चन्द जैन : स्पीकर साहब, मेरा कहना तो यह है कि शहर के अन्दर लोगों ने सड़क पर एनक्रोचमैंट कर रखी है । सरकार को चाहिए कि उस एनक्रोचमैंट को दूर करे! जिन लोगों का जमीन पर नाजायज कब्जा है उसको बहाल किया जाए । यह नहीं होना चाहिए कि फारमर्ज की दैत्यूएबल लैड एक्वायर कर ली जाए और एनक्रोचमैंट को दूर न किया जाए ।

चौधरी उदय सिंह : दलाल स्पीकर साहब, सड्कों पर लोगों ने दुकान बनाई हुई हैं, वहां उनका व्यापार चल– रहा है । वहां पर चाय की दुकानें हैं और ढाबे हैं । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या वे किसानों की जमीन ऐक्वायर करने की बजाय उन रुकावटों को दूर करेंगे?

कंवर राम पाल सिंह : स्पीकर साहब, मेरे साथी ने यह ठीक प्वायंट रेज किया है । गवर्नमैंट आफ इण्डिया भी इस प्वायंटको अच्छीतरह से सामने रखकर चल रही है और उन्होंने यह फैसला किया है कि पानीपत की जनबादी और बिजनैस बढ़ने की वजह से ऐक्सी– डेट्स के चांसिज ज्यादा बढ़ गए हैं । वहां पर उन्होंने बाई–पास देना मन्जूर कर लिया है लेकिन बाकी कस्बे जो जी ० टी ० रोड पर पड़ते हैं ऊनके बारे में स्पैसिफिकली लिखकर

भेजा है कि शहरों के अन्दर की सड़कों को चौड़ा करने के लिएउ ऐस्टीमेट भेजें ताकि एनक्रोचमैंट को रोका जा सके ।

चौधरी रिजक राम : एनक्रोचमैंट दूर करने के लिए... (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलाल : .....(Interruptions)

Mr. Speaker : Nothing will be recorded, unless I call upon the member to speak.

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, जो मौजूदा सड़क है और उसके साथ अब जो नई सड़क बनाई जा रही है उसका लैवल बहुत ऊंचा रखा गया है । ऐसा करने से बहुत से खदशात पैदा हो रहे हैं । जो यमुना से फल्ड का पानी आता है वह इस वक्त सड़क से गुजर जाता है लेकिन अब जो सड़क बनाई जा रही है वह ऊंची होने की वजह से फल्ड का पानी–गही गुजरेगा । दूसरी बात यह है कि एक सड़क ऊंची है और दूसरी नीची है इससे गाड़ी या बुग्गी एक सड़क से दूसरी सटक पर चढाने और उतारने में बड़ी मुश्किल हो जाएगी । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इस समस्या को कैसे हल किया जाएगा?

10.00 बजे

कंवर रामपाल सिंहः स्पीकर साहब, जो प्वायंट चौधरी रिजक राम जी ने रेज । किया है कि यमुना की तरफ से जो फल्ड का पानी आता है वह पानी स्पैल ओवर निकल जाता है लेकिन

अब नहीं निकलेगा । उस पानी को पुल आऊट करने के लिये सड़क के दोनों तरफ प्रोवीजन है । जहां जहां पानी नुकसान कर–छा रहा है वहां पर ब्रिज बनाये जी रहे हैं ।

दूसरा सवाल यह था कि जहां जहां गांव की आबादी ज्यादा है और लोगों को एक सड़क से दूसरी सड़क क्रौस करने में काफी मुश्किल पड़ती है, उस बारे में भारत सरकार से हमारी मीटिंग हुई है कि इस पर भी क्रासिंग देंगे । ऐसी जगह । पर दोनों सड्कों का लैवल बराबर करके क्रासिंग देंगे । मेरी शिपिंग और ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर महोदय से बात हुई थी कि गांव के लोगों को बैल–गाड़ियों को लोड के साथ क्रौस करने में मुश्किल आयेगी । इसके लिए अगर हम अन्डर ब्रिज प्रोवाइड कर दें तो एक्सीडेन्ट नहीं होंगे । भारसे सरकार ने हमारी इस प्रोपोजल को मान लिया है कि गांव के लोगों के गुजरने के लिये अन्डर ब्रिजिज प्रोवाईड किये जाए ।

श्री लहरी सिंह मेहराः मैं मान–नीय मन्त्री महोदय से जागे–था चाहता हूं कि जब जी ० टी ० रोड की फोर लेनिंग शुरु हुई थी उस समय यह भी फैसला हुआ था कि टूक के ड्राइवरों के लिये –रैस्ट हाउसिज का काम भी शुरु किया जीये । रैस्ट हाउसिज का नींव पत्थर वगैरह भी रखा जा चु का है । अब उसकी क्या प्रोग्रैसं है?

श्री अध्यक्ष : यह क्वैश्चन का पार्ट नही है । अलग से नोटिस दें ।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, चौधरी रिजक राम और चौधरी उदय सिंह ' दलाल जी ने जो सवाल पूछे है, वे काफी मिलते जुलते हैं । पानीपत बड़ा ही कन्जसटिड । शहर है । जहां पर ये बाई–पास और अन्डर ब्रिजिज परपोज करते है वहां अन्दर ग्रांउड रास्ता प्रोवाइड क्यों नहीं करते ताकि लोकल ट्रैफिक अन्दर ग्राउन्ड रास्ते से जा संके और लोगों को किसी प्रकार की असुविधा भी न होने पाए । कंवर रामपाल सिंह ? स्पीकर साहब, इसका जवाब मैंने पहले भी दिया है । हमारी कोशिश यह हे कि बाई–पास कम से कम बनाये जाएं ताकि लोगों की वैल्यूएबल जमीन एक्वायर न की जाए और किसानों को भी नुकसान न हो । भारत सरकार फैसला किया है कि जो भी जी ० टी ० रोड पर कस्बा होगा, उसके पास अन्डर ब्रिज बनाए जाएँगे । जहां तक एन्कोचमेंट का ताल्लुक है वह बन्द कर दी जाएगी ।

श्री अध्यक्ष : ऊनका सवाल यह था कि बाई–पास कनाने की बजाए अन्दर ग्रांऊड रास्ता बनाया जाए ताकि लोकल ट्रैफिक को सड़क क्रौस न करनी पड़े ।

कवर रामपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैंने बताया है कि जिन गांव के खेत जी ० टी ० रोड के नजदीक पड़ते हैं और गांव वालों को पशुओं को ले जाने और जाने में बहुत दिक्कत होती है,

वहां पर फास्ट विहकल्ज भी चलते है और ऐक्सीडैन्ट ज्यादा होते हें उन के लिए यह परपोज किया था कि अन्डर ब्रिज दे दिये जाएं । इस तरह की प्रोपोजल स्टेट सरकार ने भेजनी है कि कहा कहां पर टैरफिक ज्यादा है और कहा कहां पर ब्रिजिज बनाए जाने हैं । इस बात को भारत सरकार ने मान लिया है । स्टेट सरकार जहां जहां की परपोजल भेजेगी, भारत सरकार उसे मानेगी ।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पानीपत 10 लाख की आबादी का शहर है । इस लिये सड्कों को चौड़ा करने की बजाये यह राशि अन्दर ग्रांऊड और ओवर ब्रिज बनाने में यूज करनी चाहिये ताकि लोगों को आने जाने में सुविधा हो जाए ।

कंवर रामपाल सिंह : स्पीकर साहब, ओवर ब्रिज के लिए भारत सरकार एग्री नही कर रही है । हमने पानीपत के लिये परपोज किय था ।

चौधरी रिजक राम : स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय यह मानते हैं कि गांव की आबादी एक तरफ है और खे छ दूसरी तरफ हैं । लोगों को जगह जगह से सड़क क्रौस करनी पड़ती है । कई जगह पर उन लोगों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिये दूसरी सड़क भी क्रौस करनी पड़ती है । जिनको दो सड़क क्रौस करनी पड़ती हैं, उन दोनों के लैवल में काफी अन्तर है, वे ऊंची नीची है । क्या सरकार इस बात पर गौर करेगी कि लैवल– ऊंचा रखने की आवश्यकता है या नहीं?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी रिजक राम ने कहा सड़क ऊंची है और एक नीची हद । जहां से सड़क नीची होती है, वहां से फल्ड आने पर सडक टूट जाती है । इंजीनियर्ज ने और टैक्नीकल आदमियों ने यह सोचा है कि जो सड़क बन रही हैं उसको ऊंचा किया जाए और उसके नीचे से पानी निकालने का रास्ता रखा जाये । अब जो दूसरी सड़क बगेनी वह भी इसी लैवल के मुताबिक बनेगी । जहां तक चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी के सवाल का सम्बन्ध है कि पानीपत में ट्रैफिक का सही इन्तजाम नीचे से हो सकता है, स्पीकर साहब आप जानते है और आप बाहर के मुल्कों में दे खकर के आये हैं कि नीचे से टैरफिक ले जाने मे काफी पैसा खर्च करना पड़ता है । हरियाणा में ऐसा कोई सिटी नही है जहां पर इस तरह की आवश्यकता अनुभव की जा रही हो । जहां तक भी विज कब्जों का सम्बन्ध है, कमको खत्म किया जाएगा ।

श्री कंवल सिंह : स्पीकर साहब, वैसे तो मेरे सवाल का चीफ मिनिस्टर साहब की तरफ से पारशियली जवाब आ चुका है

श्री अध्यक्ष : अगर जवाब आ गया तो फिर आप सवाल क्यों पूछ रहे हैं? आप बैठिए । I am sorry to say that so many supplementaries, relevant and irrelevant are being asked thereby we hardly get through three or four questions. मैम्बर साहेबान, मैं देख रहा हूं कि यहां पर रै लेवैन्ट और इररैलेवैन्ट दोनों तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं । इसीलये मैं एम ० एल ० एज ० साहेबान से यह

दरखास्त करुंगा कि उन्हें थोड़ा सा होम वर्क करके आना चाहिए । यूंही नहीं कि बैठे बैठे जो मन में आया, पूछ लिया । इस तरह से हाउस का समय बरबाद करने वाली बात होती है । अत मेरी दरखास्त है कि आप रैलेवैन्ट सवाल ही पूछे ताकि ज्यादा से ज्यादा सप्लीमेंटरी पूछी जा सकें ।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, आपने शायद सुना नहीं होगा । मैंने यह कहा था कि चीफ मिनिस्टर साहब ने मेरे सवाल का पारशियली जवाब दे दिया है लेकिन मन्त्री महोदय ने यह बात मानी है कि भारत सरकार ने ये हिदायत दी हैं कि जहां सिटी की रोडज को चौड़ा करने की गुंजाइश है, वहां उन्हें चौड़ा किया जाए । पानीपर में भी ऐसी ही स्थिति है । पानीपत बड़ी घनी आबादी वाला शहर है, ट्रैफिक भी बहुत ज्यादा है और ट्रैफिक गुजरने में काफी मुश्किल आती है । सड़कों के दोनों तरफ ऐन्क्रोचमेंट है । क्या इस ऐन्क्रोचमेंट को जल्दी से जल्दी दूर करवीने की कृपा की जाएगी?

Mr. Speaker : The question has already been answered

श्री फतेह चन्द विज : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि यह जो दस लाख रुपए ख' करना है, यह 1982– 83 में खर्च होगा या अभी काम शुरु होना है?

कंवर राम पाल सिंह : स्पीकर साहब, कल तो मैं फैसला करवा कर अभया हूं । उसका ऐस्टीमेट बनाएंगे । आखिर

कागजी कार्यवाही तो करनी ही पड़ेगी । सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने कहा है कि कागजी कार्यवाही पूरी होने के बाद हम यह पैसो जल्दी ही देंगे ।

Outstanding Taccavi Loans

***2625. Chaudhri Ajit Singh :** Will the Minister for Revenue b pleased to state—

(a) the districtwise and objectwise total amount of tacca loans outstanding at present in the State seperately;

(b) the districtwise names and addresses of the persons wh have been found defaulters in making re-payment of th above said taccavi loans;

(c) the manner in which recovery is proposed to be effect from the defaulters; and

(d) the districtwise names and addresses of defaulters, if any, sent to jail during the year, 1981-82 on account of default in making repayment of the above said taccavi loans ?

Revenue Minister (Chaudhri Sher Singh) :

(a) Statement—I is placed on the Table of the House.

(b) The defaulters of the above said taccavi loans are in lakhs. Thus the time and labour involved in supplying the names and addresses of the defaulters will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

(c) Various processes for recovery of arrears are adopted as provided in the Land Revenue Act, 1887.

(d) The information is laid on the Table of the House in Statement--II.

STATEMENT—I

The Districtwise and objectwise total amount of Taccavi Loans outstanding at present in the State

		Ambala	Kuru-kshetra	Kaual	Sonepat	Gurgaon	Farida-bad	Rohtak	Jind	Hissar	Bhiwani	Sirsa	Narnaul	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1.	Loans Under Act XII of 1884—Other Loans	37653	613890	675694	943711	3330511	1381548	4280340	765225	1645648	10734730	236740	4900130	29545820
2.	Fertilizer Loans	152274			695321	1290779	925219	2275155	552487	872551	1276227	895714	2823814	12594341
3.	Loans Under Act XIX Ordinary—Other Loans	1267	157076	209178	178256	465238	220734	747595		31613	135301		479191	2625449
4.	Horticulture Loans		9171	2787	6742	11717	5547			605	10279		3337	50185

5.	Percolation wells		8991	18740	22178	151538	115819	259300	2925	2161	556505		624246	1762403
6.	Tubewells	8761	8486	24847	9222	26229	26530	44713	716	3510	1459	1351	51084	206908
7.	Pumping Sets	1809	1203	6001	793	873	7314	17550		167650	16266		9703	229162
8.	N.E.S. Loans	5465	2283159		59440	444813	322818	270886	32969		292859	54508	803273	4569190
9.	Soil Conservation	13017	27565	751	1987	36006	8138	20445			78053		444412	630374
10.	Village Housing Scheme	468	—	—	7833	206	26507							35014
11.	Repair of Houses	17077	66045	44778	3624	32206	32804	151085	296957	6457	36693		37537	725263
12.	Loans to ejected tenants	—	1301	55	—	9724	13249	—		—	—124			24453
13.	Purchase of evacuee land	27269	59397	34752	124448	198252	123688	3896	4816	87875	312020	1500	3766	981679

14.	Loans to Zila Prishads/ Panchayat Samitis	—	95068	67114	7333				—	3846	2323	—		175684
15.	Aerial Spray	—	—	—	109280	—				381554		444486		935320
16.	Dry Farming Scheme	—	—	—	—	—			—	49454		—		49454
17.	Grapse	2193	—	3519	—	—			2742	514		457		9425
18.	Tractor Cultivation charges	—	686	2060	3484	—			74756	—		—		80986
19.	Land Reclamation	—	567	—	—	—					24371	—		24938
20.	Sugarcane	791	2012	8614	—	—					—			11417
	Total	268044	3334617	1933690	2173652	599809	2320991	58070965	173393	3253438	13476210	1634756	10180493	55267465

STATEMENT—II

Districtwise names and addresses of defaulters who were sent to Jail during the year 1981-82 on account of default is making repayment of taccavi loans.

Sr. Name and addresses

Sirsa

Sarvshri

1. Dharm Pal S/o Sh. Jai Singh village Suchan.
2. Gurdev S/o Mohan Singh, Village Sahpur Begu.
3. Nirmola Singh S/o Sh. Mohinder Singh. Village. Bahudin.
4. Bhagwan Das S/o Sh. Mahala Ram, Vill. Bahudin.
5. Harbhajan Singh S/o Sh. Dayal Singh, Village Bahudin.
6. Kartar Singh S/o Sh. Mehar Singh, village Bhangu.
7. Nirbhay Singh S/o Mohan Singh, Vill. Baragudha.
8. Lahora Singh S/o Sh. Bhisham Singh, village Baragudha.
9. Mukhtiar Singh S/o Sh. Gulzar Singh, Village Baidwal.

Karnal

1. Ram Sarup S/o Sh. Rulia , Vill. Takhana.
2. Manga S/o Sh. Sant Ram, Vill. Padhana.

3. Ranjit Singh S/o Sh. Abhey Ram, Vill.. Dadupur Roran.

4. Badlu S/o Sh. Mangal, Vill. Jundla.

5. Chembel S/o Sh. Lioja Ram, Vill. Dadupur.

6. Surjit S/o Sh. Chandu, Vill. Faridput.

7. Telu S/o Sh. Badlu, Vill. Faridput.

Narnaul

1. Ramjilal S/o Sh. Kundan , Village Pali.

2. Bhoor Singh S/o Sh. Chander Singh, Vill. Pali.

3. Hem Singh S/o Sh. Nanji Singh. VIM Pali.

4. Jai Singh S/o Sh. Jhabar Vill. Pali.

5. Sheo Karan S/o Sh. Sita Singh, Vill. N; n

6. Mehir Chand S/o Sh. Mala Ram, Vid Mandola.

7. Duli Chand S/o Sh. Sheo Dan, Vill. Paiga. S. Bagh Singh S/o Sh. Mohar Singh. Vill. Pali.

Faridahad

1. Kalu S/o Sh. Niadar of Village Shajahanpur.

2. Zamir S/o Sh. Mauja of Village Tikni Khera.

3. Jamaluddin Sh. Shamzudin Village Tikni Khera.

4. Chander Bhan S/o Sh. Chater Singh, Vill. Sahaupur Khadar.

5. Mahmood S/o Sh. Chahat, Vill. Fatehpur Tagga.

6. Shitab S/o Sh. Nanwa, Vill. Fatehpur Tagga.

7. Munshi S/o Sh. Khushal, Village Bahadurpur.

8. Yasuf S/o Sh. Malhu, Village Madalpur.

9. Mahipal S/o Sh. Nanak Ram, Vill. Fejpur Khadar.

10. Ram Chand S/o Sh. Ram Saran, Vill. Kishorepur, Tahsil Palwal.

11. Giasi S/o Sh. Paltu, Vill. Kishorepur.

12. Phathe S/o Sh. Chunni, Vill. Thanthri.

13. Parkash S/o Sh. Mohan Lal, Vill. Patwat.

14. Shiv Ram S/o Sh. Shera, Vill. Alawalpur.

15. Mange Ram S/o Sh. Ramphal, Vill. Palwal.

16. Ram Charan S/o Sh. Chotu of Vill. Palwal.

17. Girdhari S/o Sh. Ramphal of Vill. Palwal.

18. Safed Khan S/o Sh. Medkhan, Vill. Jalalpur Khadar.

Hissar

1. Krishan S/o Fateh Singh, Vill. Sulchani.

2. Tek Ram S/o Amar Singh, Vill. Kumbha.

3. Nihal Singh S/o Thambur, Vill. Kumbha.

4. Jai Lal S/o Basant Lal, Vill. Rajthal.

5. Rameshwar S/o Binja, Village Rajthal.

6. Shispal S/o Kankia, Vill. Shekhpur Kumbha.

7. Samal Singh S/o Munshi, Vill. Hedarwala.

8. Jila Singh S/o Chanan Singh, Vill. Hedarwala.

9. Jaman Singh S/o Jang Singh. Vill. indalwala.

10. Surta Ram S/o Lala Ram. Laluwal.

11. Gurdeep Singh S/o Bahal Singh, Chander Kalan.

12. Teja Ram S/o Matu, Vill. Narel.

13. Teja Ram S/o Santu, Village imatpura.

14. Neki Ram S/o Dile Ram, Vill. Dangra.

15. Krishan Lal S/o Molu, Village Dangra.

16. Nirmaljit Singh S/o Gurhachan Singh, Vill. Salempuri.

17. Ender Singh S/o Mangal Singh, Vill. Puru Majra.

18. Natha Singh S/o Thakar Singh. Vill. Kudni.

19. Sarvjit Singh S/o Harba ns Singh, Vill. Kundni.

20. Diwan Chand S/o Jetha Ram, Vill. Hadarwala.

21. Banta Singh S/o Chanda Singh, Vill. Hindalwala.

22. Ram Parkash S/o Fakir Chand, Vill. Hindalwala.

Kurukshetra

1 Raj Singh S/o Atam Singh, Vill. Machhorauli.

2. Sohan Singh S/o Lal Singh of Vill. Machhorauli.

3. Iqbal Singh S/o Sh. Bhagat Singh, Vill. Machhorauli.

4. Lakhbir Singh S/o Gulzar Singh of Vill. Machhorauli.

5. Shangara Singh S/o Narain Singh, Vill. Machhorauli.

6. Sardar Singh S/o Narain Singh of Vill. Machhorauli.

7. Didar Singh S/o Gurdial Singh of Vill. Bakana (Sharif Garh).

8. Krshora S/o Rana of Vill. Isher Garh.

9. Jasmer Singh S/o Kartar Singh, Vill. Amargarh.

10. Darshan Singh S/o Foreja Singh of Vill. Thaska Ali.

11. Bakhatwara S/o Bagga of Vill. Rattan Dera.

12. Jagir Singh of Vill. Machhorauli.

13. Sarjit Singh S/o Kewal of Vill. Nakhrojpur.

14. Inspector S/o Sewai of Vill. Machhorauli.

15. Nanha Ram S/o Hans Raj of Vill. Tangour. Sham Lal S/o Sunder of Vill. Tangour.

17. Khurshid Masik S/o Sawan Masik of Vill. Bohli.

18. Dalip Singh S/o Jagat Singh of Vill. Baholi.

19. Anayat Masik S/o Nathu Masik of Vill. Beholi.

20. Bihana Ram S/o Salig Ram of Vill. Beholi.

21. Bir Singh S/o Dera Singh of Vill. Bir Mathana.

22. Joginder Singh S/o Bhagwan Singh of Vill. Jogna

Khera.

21. Amar Singh S/o Barekshi of Vill. Fethe Garh Jarauli.

24. Narata Ram S/o Panna Ram of Vill. Udharsi.

25. Gurdev Singh S/o Mansa Ram of Vill. Udharsi.

26. Ramshan S/o Rulia of Vill. Udharsi.

27. Mam Raj S/o Antu of Vill. Bangran.

28. Rulia Ram S/o Kartara Ram of Vill. Salpana Khurad..

29. Nishan Singh S/o Lachman Singh of Vill. Sharif Garh.

30. Nirmal Singh S/o Kashmira of Vill. Sharif Garh.

31. Lakhbir Singh Urf Billa of Vill. Sharif Garh.

32. Daljit Singh S/o Kartar Singh of Vill. Ajranakalan.

33. Faquir Singh S/o Sohan Singh of Vill.

34. Karam Singh S/o Siv Ram of Vill. Adhon.

35. Jai Ram S/o Sada Ram of Viii. Sawla:

36. Iqbal Singh S/o Nagina Singh of Vill. Bakana (Sarifgarh).

37. Faquir Singh S/o Siv Singh of Vill. Machhrauli.

38. Gopal Singh S/o Fatehgarh.

39. Atma Singh S/o Natha Singh of Vill. Machhrauli.

40. Soran Singh S/o Balwant Singh of Vill. Golpura.

41. Gurnam Singh S/o Chhaju of Vill. Landi.

42. Sangat Singh S/o Rulia Ram of Vill. Sarai Sukhi.

43. Nanak Prakash Singh S/o Jiwan Singh of Vill. Machhorauli.

44. Sohan Singh S/o Balwant Singh of Vill. Golpura.

45. Angrej Singh S/o Sowanan Singh of Vill. Salpani.

46. Baru S/o Shadi of Vill. Jakholi.

47. Madan Lal S/o Krishan Lal of Vill. Geong.

48. Daulat S/o Bir Singh of Vill. Deodkheri.

49. Kesho S/o Suna of Vill. Deodkheri.

50. Harnam S/o Brij Lal of Vill. Ghhakhot.

51. Hazari Lal S/o Puran of Vill. Titnam.

52. Narain S/o Gomia of Vill. Titnam.

53. Prem S/o Dhana of Vill. Geong.

54. Malu Ram S/o Asha Ram of Vill. Kathwar.

55. Masanta S/o Naru of Vill. Sissla Sismore.

56. Lilu S/o Matu of Vill. Sissla Sismore.

57. Umra S/o Gomia of Vill. Jhinjurpur.

58. Mandwa S/o Mangtu of Vill. Duliami.

59. Ishwar Singh S/o Kanlana of Vill. Hijwana.

60. Sube Singh S/o Lachhman of Vill. Ramana Ramani.

61. Hukam Chand S/o Mahajan of Vill. Ramana Ramani.

62. Harkesh S/o Soran of Vill. Dehrru.

63. Maman S/o Mam Raj of Vill. Dehrru.

64. Tej Singh S/o Mehla Singh of Vill. Patti Gadar.

65. Hukami S/o Kundan of Vill. Harsoli.

66. Ram Saroop S/o Barhma of Vill. Chhandana.

67. Agya Ram S/o Surjan of Vill. Pilani.

68. Hukam Singh S/o Santu of Vill. Pilni.

69. Ishwar S/o Natha of Vill. Pilni.

70. Hari Singh S/o Kanhaya of Vill. Hasola.

71. Amar Singh S/o Rugha of Vill. Hasola.

72. Paira Lal S/o Munshi of Vill. Harsola.

73. Lachman S/o Natha of Vill. Chhandana.

74. Lal Chand S/o Gokal of Vill. Mundarhi.

75. Ram Chand S/o Gamu of Vill. Pai.

76. Moti Ram S/o Jit Ram of Vill. Pai.

77. Jai Singh S/o Hansa of Vill. Pai.

78. Mam Chand E.T.C. S/o Singh Ban of Vill. Pai.

79. Mukhtara S/o Bhagwana of Vill. Kakaut.

80. Puran S/o Mam Raj of Vill. Pai.

81. Mew S/o Nanak of Vill. Bhana.

82. Zela Singh of Datta Ram of Vill. Bhana.

83. Surta S/o Amar Singh Kakaut.

84. Meha Singh S/o Bujan of Vill. Chandana.

85. Ratia Singh S/o Jiu of Vill. Ramana Ramani.

86. Nasib S/o Phoola of Vill. Kakaut.

87. Arjun S/o Asha of Vill. Teontha.

88. Hari Ram S/o Puran of Vill. Pai. 119. Tara S/o Lakhi Ram of Vill. Pai.

90. Hari Kishan S/o Rura of Vill. Deoban.

91. Bir S/o Dattu of Vill. Deoban. 92. Blakishan S/o Jhandu of Vill Baraut.

93. Saroop S/o Sukh Lal of Viii. Kakaut.

94. Kundan Singh S/o Faqir Singh, Patta Dogar.

95. Kapoor S/o Rugha of Vill. Barar.

96. Manga S/o. Biru of Vill. Narar.

97. Nihala S/o Mam Raj of Vill. Sissla Sis nore.

98. Rati Ram Ski Sharda of Vill. Geong.

99. Lila S/o Tulia of Vill. Kakaut.

100. Matu Ram S/o Asha Ram of Kakaut.

101. Dhuman S/o Bholar of Vill. Geong.

102. Ram Chand S/o Ram Ji Lal of Vill. Narar.

103. Darya S/o Ram Ji Lal of Vill. Narar.

104. Ram Singh S/o Nandu of Vill. Sangal.

105. Rishla S/o Hardawri of Val. Kasan.

106. Man Singh S/o Hardawri of Vill. Kasan.

107. Judar S/o Amar Singh of Vill. Deodkheri.

108. Bhagwana S/o Lal Ji of Vill. Sega.

109. Bhagwana S/o Lijwa of Vill. Peoda.

110. 'rider Nath Chela Shiv Nath of Vill. Chandana.

111. Pritam S/o Rashala of Vill. Tatram.

112. Jarnail Singh S/o Sh. Ganda Singh of Vill. Chaba.

113. Mamu Ram S/o Ram Murti of Vill. Bhuna.

114. Atma Singh S/o Suba Singh of Vill. Kashri.

115. Virja Singh S/o Bhagwan Singh of Vill. Phafrala.

116. Gurcharan Singh S/o Bhoor Singh of Vill. Guhla.

117. Daya Ram S/o Sisu Ram of Vill. Ratta Khera Luqmen.

118. Lilu Ram alis Bhag Singh of Vill. Daba.

119. Ajit Singh S/o Ganda Singh of Vill. Khushal Majra.

120. Surinder Singh S/o Natha Singh of Vill. Khushal Majra.

121. Arjan Singh S/o Dewan Singh of Vill. Khamba Hera.

122. Darbara Singh S/o Mangal Singh of Vill. Saraila.

123. Pritam Singh S/o Harnam Singh of Vill. Theh Banehra.

124. Anokh Singh S/o Tehal Singh of Vill. Bhuna.

125. Fauja Singh S/o Labh Singh of Vill. Mandkelain.

126. Sube Singh S/o Raghubir Singh of Vill. Mandkelian.

127. Mela Singh S/o Hajara Singh of Vill. Hansu Majra.

128. Hira Singh S/o Hajara Singh of Vill. Hansu Majra.

129. Nima Singh S/o Jagir Singh of Vill. Ratta Khera Lugman.

130. Birja S/o Nika of Vill. Saraula.

131. Kashmir Singh S/o Nanga Singh of Vill. Saranla.

132. Kharjan Singh S/o Hakim Singh of Vill. Khushal Majra.

133. Udhan Singh S/o Bhadur Singh of Vill. Shadipur.

134. Gulzar Singh S/o Inder Singh of Vill. Malikpur.

135. Jangir Singh S/o Sher Singh of Vill. Ratta Khera Lugman.

136. Jangir Singh S/o Balwant Singh of Vill. Ratta Khera Lugman.

137. Charanjit Singh S/o Khayam Singh of Vill. Khushal Majra.

138. Balwant Singh S/o Shiv Singh of Vill. Ganggarpur.
139: Zile Singh S/o Mal Singh of Vill Peedal.

140. Bhajan Singh S/o Kashmir Singh of Vill. Shadipur.

141. Gurdev Singh S/o Chuhar Singh of Vill. Arnauli.

142. Mohinder Singh S/o Hakim Singh of Vill. Majri.

143. Kehar Singh S/o Isher Singh of Vill. Gaggerpur.

144. Gurmukh Singh S/o Mal Singh of Vill. Gaggerpur.

145. Gurdial Singh S/o Joginder Singh of Vill. Gaggerpur.

146. Buta Singh S/o Sham Singh of Vill. Mandkelian.

147. Kahmir Singh S/o Masa Singh of Vill. Kharak.

148. Suwaran Singh S/o Kishan Singh of Vill. Kharak.

149. Tarlok Singh S/o Chuhar Singh of Vill. Kharak.

150. Amer Singh S/o Buta Singh of Vill. Mandkelian.

151. Charan Singh S/o Kartar Singh of Vill. Karlehra.

152. Shaff Singh S/o Manju of Vill. Chanhak.

153. Megha S/o Heat of Vill. Kawaitan.

154. Jarnail Singh S/o Ganda Singh of Vill. Chaba.

155. Amrik Singh S/o Nand Singh of Vill. -Saraula.

156. Sukhdev Singh S/o Ganda Singh of Vill. Saraula.

157. Charan Singh S/o Gurcharan Singh of Vill. Gaggerpur.

158. Dalip Singh S/o Kundan Singh of Viii. Gaggerpur.

159. Kundan Singh S/o Harphool Singh of Vill. Saraula.

160. DiIla Ram S/o Lachhu Ram of Vill. Rewahar Jagir.

161. Mukhtiar Singh S/o Pritam Singh of Vill. Ratta Singh Luqman.

162. Prithi Singh S/o Ajmer Singh of Vill. Andhi.

163. Waryam Singh S/o Isher Singh of Vill. Teeh Rattan.

164. Mam Chand S/o Ram Chand of Vill. Bhuna.

165. Gurdeep Singh S/o Keser Singh of Vill. Bhuna.

166. Gurmail Singh S/o Adelat Singh of Vill. Bhuna.

167. Babu Ram S/o Ram Parshad of Vill. Bandarana.

168. Bishan Singh S/o Jandu of Vill. Divana.

169. Chanchal Singh S/o Gopal Singh of Vill. Gadhi Langri.

170. Joginder Singh S/o Charan Singh of Vill. Naisi.

171. Harnam Singh S/o Mangal Singh of Vill. Naisi.

172. Mohinder Singh S/o Shish Singh of Vill. Malakpur.

173. Bant Singh S/o Ishwar Singh of Vill. Lotni.

174. Hazur Singh S/o Kushal Singh of Vill. Malakpur.

175. Dalip Singh S/o Suran Singh of Vill. Gadi Langri.

176. Karam Singh S/o Hira Singh of Vill. Naisi.

177. Maluk Singh S/o Mangal Singh of Vill. Chanal Herhi.

178. Parsa S/o Naru of Vill. Lotni.

179. Angrej Singh S/o Uzagar Singh of Vill. Naisi.

180. Naranjan Singh S/o Buta Singh of Vill. Bakhli.

181. Inder Singh S/o Ganda Singh of Vill. Ishak.

182. Gian Singh S/o Amar Singh of Vill. Lotni.

183. Waryam Singh S/o Sulakhan Singh of Vill. Naisi.

184. Charan Singh of Vill. Adoha.

185. Mukhtayar Singh of Vill. Adoha.

186. Bakshis Singh of Vill. Adoha.

187. Kawai Singh of Vill. Adoha.

188. Asha Singh S/o Javand Singh of Vill. Thaska Miran

189. Dhanna Bhagat of Vill. Gumthala Garo.

190. Balkar Singh S/o Santa Singh of Vill. Naisi.

191. Darshan Singh S/o Santa Singh of Vill. Naisi.

192. Mahal Singh S/o Vir Singh of Vill. Talheri.

193. Mohinder Singh S/o Kartar Singh of Vill. Naisi.

Bhiwani

—Nil-

Ambala —Nil-

जीन्द

1 पूर्ण पुत्र भीम गांव नरवाना

2. भाना पुत्र तेलु गांव नरवाना

3. मुखतयार पुत्र भिलू

4. प्रताप पुत्र जमना

5. गुरनाम सिंह पुत्र भगतू

8. पाला पुत्र रिटूगम

7. हकमा पुत्र रंगा पीप–लथा

8. सोदागर पुत्र भगत

9 जगतू पुत्र मातूचन्द

10 जोरा सिंह पुत्र भागु चौचडया

11 बीरबल पुत्र राम सिंह बरहा

12 शंकर पुत्र बालु कलायत

13. मुखत्यार पुत्र मोखा

14. रिसाला पुल रणजीत गांव कलायत

15. बमलू पुल भोला गाए कलायत

16. Ram Kishan S/o Akhe Ram Vill. Gangat Heri

17. Raghbir S/o Diali Vill Kheri Taladu.

18. Rameshar S/o Kishan Lal Distt. Jind.

19. Siripat S/o Todar; Vill. Dorana.

20. Puran Singh S/o Asha Singh, Village Dorana.

21. Harsha Singh S/o Ishar Singh, Vill. Dorana.

22. Piara S/o Siogi, Vill. Barah Kalan.

23. Tek Ram S/o Chhotan, Vill. Ram Rai.

24. Narain Dass S/o Risala, Vill. Jeetgarh.

25. Phul Singh S/o Sheodial, Vill. Shahpur.

26. Dirshan S/o Nank Singh, Vill. Jind.

27. Dalip Singh S/o Harnam, Vill. Khokhri.

28. Ramkishan S/o Chhitar, Vill. Nirjan.

29. Zile Singh S/o Tekan, Vill. Nirjan.

30. Mejar Singh S/o Chatar Singh, Distt. Jind.

31. Subash S/o Arjan , Distt. Jind. 32, Rati Ram S/o Jat, Vill. Sindhu Khera.

33. Hawa Singh S/o Chandgi, Vill. Shahpur.

34. Ram Gopal S/o Lachman, Vill. Sarsa Kari.

35. Omparkash S/o Maha Singh. Vill. Sarsa Kari.

36. Mohan Singh S/o Nandka, Vill. Nandgarh.

37. Hari Ram S/o Bhud Ram, Vill. Shamlo Kam.

38. Shri Chand S/o Man Singh, Vill. Ram Kali.

39. Sultan Singh S/o Savaran Singh , Vill. Jalalpur Khurd.

40. Sardara S/o Harde Ram, Vill. Jalalpur Khurd,

41. Kartara S/o Banwari, Vill. Nagura.

42. Chhaju S/o Banshi, Vill. Nagura.

43. Devki Nandan S/o Tek Ram. Vill. Julana.

44. Giani S/o Sankar, Vill. Gatauli.

45. Sadhu Ram S/o Rati Ram, Vill. Sarsakheri.

46. Risala S/o Sadhu, Vill. Lajwanakhurd.

47. Partap S/o Sundu, VIII. Anoopgarh.

48. Tara S/o Surta, Viii. Khera Bakhota.

49. Jitu S/o Mam Chand, Vill. Jind.

50. Partap S/o Birkha Ram, Vill. Julana.

51. Phula S/o Muthra, Vill. Dilowal.

52. Dalip Singh S/o Mula Singh, Vill. Jalalpur.

53. Om Singh S/o Chandgi, Vill. Buwana.

54. Balraj S/o Rati Ram, Vill. Buwana.

55. Moti Lal S/o Phula, Vill. Buwana.

56. Mangi Ram S/o Bhichha, Vill. Nagara.

57. Chatar Singh S/o Ram Chander, Vill. Intal Kalan.

58. Haria Singh S/o Bhale Ram, Vill. Intal Kalan.

59. Bhagat Ram S/o Sirai Ram, Vill. Kinana.

60. Mahmder S/o Prem, Vill. Jind.

61. Harnarain S/o Sukhde, Vill. Jai Jaiwanti.

62. Sitar S/o Gur Lal, Distt. Jind.

63. Maman S/o Matu, Vill. Kheri Taloda.

64. Girdhari S/o Harphul, Vill. Kheri Taloda.

65. Om Parkash S/o Mamu Ram, Vill. Habatpur.

66. Balwant S/o Duli Chand, Viii. Manharpur.

67. Bhil S/o Dalip, Vill. Kheri Taloda.

68. Rama S/o Hira Lal, Distt. Jind.

69. Dharambir S/o Mamu Ram, Distt. Jind.

70. Ra ijit S/o Sho Ram, Vill. Kithana.

71. Pram S/o Hari Ram, Vill. Kithana.

72. Lalman S/o Giani, Vill. Khark Ramji.

73. Hukma S/o Dhara. Vill. Khark Ramji.

74. Dhara S/o Jamia, Vill. Khark Ramji.

75. Hawa Singh S/o Ganeshi, Vill. Santokh Majra.

76. Sardara S/o Jogi Ram, Vill. Alewa.

77. Rajendra S/o Hur katmashi, Vill. Santokh Majra.

78. Ram Phal S/o Chandan, Vill. Brahmanwas.

79. Akhe Ram S/o Chhatu, Vill. Jhamla.

80. Ujala S/o Maman, Vill. Karela.

81. Devi Ram S/o Jamna, Vill. Nidana.

82. Sher Singh S/o Harchand, Vill. Buwana.

83. Nanda S/o Gugan, Vill. Julana.

84. Ishwar S/o Jogi Ram, Vill. Ram Kali.

85. Munshi Ram S/o Changu, Vill. Julana.

86. Raj Kapoor S/o Balwant, Distt. Jind.

87. Sangar Singh S/o Jawala Singh, Distt. Jind.

88. Azad Singh S/o Mange Ram, Distt. Jind.

89. Chhaju Ram S/o) Amar Singh, Distt. Jind.

90. Dhupal S/o Sis Ram, Vill. Nidana.

91. Jitu Ram S/o Hirphul, Vill. Bishanpur.

92. Chanda Singh S/o Amar Singh, Vill. Kharak Ramji.

93. Sube Singh Vill. Julana.

94. Atama S/o Jhandu, Distt. Jind.

95. Ram Sarup S/o Chandu, Vill Teg Bahadurpur.

96. Banwari S/o Panu, Vill. Lajwana Khurd.

97. Sat Pal S/o Kishan Datt, Vill. Rajond.

98. Baram Sirup S/o Bhagatram, Distt. Jind.

99. Daya Kishan S/o Bhikhu, Vill. Ghimana.

100. Sadhu Ram S/o Tal Ram, Vill. Hathwal

101. Ram Phul S/o Nanha Vill. Ghimana.

102. Jaila S/o Jawahara. Vill. Alewa.

103. Ram Dhan S/o Man Singh, Distt. Jind.

104. Dhup Singh S/o Rati Ram, Vill. Sardu.

105. Amar Singh S/o Sudha, Vill. Jind.

106. DR Ba3 S/3 Badlu, Vill. Assan.

107. Ajmer Singh S/o Charat Singh, Vill. Rajond.

108. Ram Phul S/o Harnarain, Vill. Akal Garh.

109. Hawa Singh S/o Roop Chand, Vill. Barsala.

110. Balwant S/o Neki, Vill. Barsala.

111. Singh S/o Phula, Vill. Barsala.

112. Balwan S/o Mit Ram, Vill. Khaklar.

113. Bhima S/o Harko Rain, Vill. Mohardu.

114. Dharam Singh S/o Mai Lal, Vill. Julana.

115. Nathu S/o Kanhya Lal, Vill. Jalalpur Khurd.

116. Ishwar Singh S/o Banwari, Vill. Lajwana Khera.

117. Jagar Singh S/o Roop Ram, Vill. Nagina.

118. Dharam Singh S/o Mai Lal, Vill. Julana.

119. Kundan S/o Liji Ram, Vill. Chahri.

120. Dhara S/o Raj Kumar, Vill. Kandola.

121. Har Chand S/o Karma, Vill. Alewa.

122. Maman S/o Hari Saran, Vill. Alewa.

123. Jailu S/o Jawahara, Vill. Alewa.

124. Ram Chander S/o Risala, Vill. Khanda.

125. Jile Singh S/o Mai Sukh, Vill. Ghimana.

126. Bhagwana S/o Teku, Vill. Ghimana.

127. Saha Singh S/o Kartar Singh, Vill. Ghimana.

128. Fate Singh S/o Devi Ram, Vill. Nagura.

129. Ram Phal S/o Dhara, Vlil. Kandela.

130. Jai Lal S/o Ramji, Distt. Jind.

131. Surta S/o Bhikhu, Vill. Ghimana.

132. Sarjeet S/o Kanhya, Vill. Kheri Jajwan.

133. Lal Singh S/o Jangir Singh, Vill. Memla Bad.

134. Gurdeep Singh S/o Kaka Singh, Vill. Afiatgarh.

135. Darshan Singh S/o Karan Singh, Vill. Afiatgarh.

136. Zisa Singh S/o Pardhan Chand, Vill. Afiatgarh.

137. Puran S/o Perbhu Ram, Vill: Baguri .Khurd.

138. Soran Singh S/o Maman, Vill. Rampura.

139. Janju Singh S/o Gopala, Vill. Rod.

140. Jogi Ram S/o Dodo, Vill. Sindhara.

141. Tara Singh S/o Bir Singh. Vill. Safidon.

142. Maha Singh S/o Jai Singh, Vill. Shampur.

143. Mai Chand S/o Baru, Vill. Miwana.

144. Surjan S/o Ramji Lal, Vill. Bhadurpur.

145. Kashmir Singh S/o Harpal Singh, Vill. Murna Bad.

146. Chandgi S/o Khem Lal, Vill. Dadwana.

147. Duda S/o Nandla, Vill. Miwana.

148. Amri S/o Panna, Vill. Miwana.

149. Ramdhari S/o Shankar, Vill. Gangoli.

150. Bishan Singh S/o Hukam Singh, Vill. Rod.

151. Asa Ram S/o Biru, Vill. Surjhana.

152. Siri Kishan S/o SheoKaran, Vill. Khera Kherawati.

151. Dhanpat S/o Jhandu, Vill. Chappar.

154. Karnail Singh S/o Soran Singh, Vill. Safidon.

155. Makad S/o Jagu, Vill. Anta.

156. Kundan S/o Mamu, Vill. Anta.

157. Chatar Singh S/o Ramsaran, Vill. Anta.

158. Jitu S/o Biru, Vill. Karsudri.

159. Chabog Singh S/o Kapur Singh, Vill. Rod.

160. Kundan Singh S/o Shazada, Vill. Rod.

161. Nishan Singh S/o Bir Singh, Vill. Rod.

162. Chanan Singh S/o Kapur Singh, Vill. Rod.

163. Gaje Singh S/o Phula, Vill. Hawana.

164. Hazara S/o Mangal Singh. Vill. Rod.

165. Satnam Singh S/o Soran Singh, Vill. Rod.

166. Gurcharan Singh S/o Sher Singh, Vill. Rod.

167. Lakha Singh S/o Mohar Singh, VII. Rampura.

168. Kalwant Singh S/o Haweli Ram, Vill. Aflahgarh.

169. Daya Nand S/o Lal Chand, Vill. Bagan Kalan.

Gurgaon

1. Shib Lal S/o Andhu Rain, Vill. Tajnagar.

2. Dharam Singh S/o Ganeshi, Vill Tirpari.

3. Dharam Singh S/o Chuni Lal, Vill. Manesar

4. Surga S/o Ramji Lai, Vill. Kasan.

5. Partap S/o Kuria, Vill. Manesar.

6. Sh. Raj Singh S/o Manohar Singh, Vill. Daulatabad.

7. Rampat S/o Ram Kala, Vill. Daulatabad.

8. Om Parkash S/o Mangey Ram, Vill. Daulatabad.

9. Phul Singh S/o Chander Distt. Gurgaon.

10. Chandan Singh S/o Latu Ram, Distt. Gurgaon.

11. Bharat Singh S/o Nathu, Vill. Garhi Nathekhan

12. Siria S/o Ramji Lal, Vill. Budhera.

13. Gaze Singh S/o Kanhaya, Vill. Mubarakpur.

14. Nain Singh S/o Johari, Vill. Bhora Kain.

15. Hari Ram S/o Chander, Vill. Karola.

16. Suraj Mal S/o Bakhtawar, Vill. Karola.

17. Rohtash Singh S/o Jai Narain, Vill. Karola.

18. Rattan Singh S/o Maktul Singh, Vill. Karola.

19. Raghubir Singh S/o Phul Singh, Vill. Siwari.

20. Piare Lal S/o Mohan Lal Vill. Farrukh Nagar.

21. Thakar Dass S/o Chander Bhan, Vill. Jaccumpura (Gurgaon).

22. Ghansham S/o Yad Ram, Vill. Daboda.

23. Hukam Chand S/o Nanit Ram, Vill. Arjan Nagar (Gurgaon).

24. Aflatton S/o Mohan Lal Vill. Bas Haria.

25. Kalu Ram S/o Hari Singh, Vill. Hassanpur.

26. Nangal S/o Daya Ram, Vill. Hassanpur.

27. Nihal Singh S/o Richhpal, Singh, Vill. Hassanpur.

28. Fathu S/o Jiwana, Vill. Gairatpur Bas.

29. Brij Mohan S/o Fateh Chand, Vill. Norangpur.

30. Attar Singh S/o Sidhu Ram, Vill. Khandsa.

S. No.	Name of Defaulter	Name of Village	Name of Tehsil

Rohtak

Sarvshri-

1.	Sube Singh S/o Rama Nand	Rohna	Rohtak
2.	Suraja S/o Mehoon	,,	„
3.	Shiv Narain S/o Ramji Lal	Marodi Rangran	
4.	Chander S/o Manget .	"	"
5,	Hardwari S/o Ami Lal	Rohtak	Rohtak
6.	Ram Sarup S/o Mohan Lal	"	"
7.	Mohan Lal S/o Dev Raj	″	″
N.	Rum Kishan S/o Dhani Ram	"	"
9.	Chander Bhan S/o Sukhen	″	"

10.	Chiman Lal S/o Gopi Ram	″	"1
11.	Partap Singh S/o Rattan Singh	"	"
12.	Ram Karan S/o Chhotu	Sanghi	„
13.	Sat Narain S/o Rati Ram	"	"
14.	Bani Singh S/o Faqira	Atail	„
15.	Muji Ram S/o Bhay Ram	"	"
16.	Muji S/o Molar	″	″
17.	Houshiar Singh S/o Kundan	Rohtak	"
18.	Gangan S/o Nanak	"	"
19.	Sadar Sarup S/o Kundan	Ishmaila 11 Biswa	"
20.	Chhoto S/o Neki	" "	"
21.	Ram Narain S/o Ram Ditta	Tahmurpur	"
22.	Ram Parkash S/o Ram Ditta	"	
23.	Zile Singh S/o Jai Chand	Baland	"
24.	Ram Kanwar S/o Parbhu	Bhalaut	"
23.	Jai Narain S/o Rup Ram	"	"
26.	Angrez S/o Mahaya	Dhamar	"
27.	Rupa S/o Sawal	Chiri	"
28.	Darya S/o Hira	" "	"

29.	Rattan S/o Kishan Lal	Kaloi Dopana	"
30.	Mir Singh S/o Mam Chand	"	"
31.	Rissala S/o Ram Narain	Bhalaut	,.
32.	Bishan S/o Wazir Chand	Samargopal pur	"
33.	Sh. Raghbir S/o Shabhu	"	"
34.	Raj Kumar S/o Baje Singh	"	
35.;	Hoshiar Singh S/o Mam Chand	Rohtak	"
36.	Ram Chander S/o Bichhu	Pakasma	"
37.	Dulia S/o Ami Lal	Kheri Sampla	Rohtak
38.	Raj Kumar S/o Khan Chand	Lahli	″
39.	Sohan Lal S/o Jai Lal	Rohtak	″
Tabs!!	Bahadurgarh		
40.	Suraj Bhan S/o Hukam Chand	Dankora	Bahadurgarh
41.	Dali Ram S/o Har Lal	"	"
42.	Ram Singh S/o Risal Singh	Mandothi	"
43.	Tek Chand S/o Daya Ram	Barahi	"
Tahsil	Jhajjar		

44.	Sultan S/o Neki	Silana	Jhajjar
45.	Baje S/o Sawal	Dhighal	″
46.	Zale Singh S/o Harjas	Yakubpur	″
47.	Chander Singh S/o Sheo Nath	Nagla	"
48.	Sis Pal S/o Sohan Singh	Nagla	"
49.	Kehri S/o Ram Sarup	Nimana	,,
50.	Hukam Chand S/o Jai Chand	Jahadpur	"
51.	Bhola Ram S/o Lekhi Ram	Utlodha	"
52.	Ramji Lal S/o Maman	Jhajjar	"
53.	Lilu Ram S/o Khansi Ram	Dujana	"
54.	Kura Ram S/o Sudan	Dujana	"
55.	Baru Ram S/o Popal	Gochhi	"
56.	Siri Ram S/o Musadi	Kilpoth	"
57	Bagrawat S/o Gahar Singh	"	"
57.	Fateh Singh S/o Sada Sukh	Achhaj	"
58.	Sher Singh S/o Balwant	Dujana	"
59.	Kali Ram S/o Sudan	"	″
60.	Puran Singh S/o Karma	Bhambewa	"
61.	Ram Kumar S/o Ram Nath	Achhaj	"

62.	Naidar S/o Raje	Bisaian	″
63.	Risal Singh S/o Adu	Kasni	"
64.	Sarup Singh S/o Jailal	Achhaj	"
65.	Rohtash S/o Subh Ram	Godhari	"
67,	Yad Ram S/o Hardey	Kahri	Jhajjar
68	nig Ram S/o Raru	Dubaldhan bidhan	"
69.	Mandhru S/o Phoolu	Kasni	"
70.	Darya S/o Maman	Machhroli	"
71.	Sher Singh S/o Baldeva	Beri	"
72.	Raj Kumar S/o Risal Singh	Nagal	„
73.	Chhote Lal S/o Daulat	Dujana	"
74.	Hukmi S/o Giasal	Beri	"l
75.	Ram Singh S/o Jodha	Dujana	"
76.	Manu Ram S/o Chhote Lal	"	"
77.	Virinder Kumar S/o Madan Lal	Machhrolli	″
78.	Meher Singh S/o Phool Singh	Bhambewa	"
79.	Raj Kumar S/o Risal Singh	Nagla	"
80.	Jagdish S/o Prabhu	Kilroadh	"
81.	Dalip S/o Sukhdev	Raipur	"

82.	Tara Chand S/o Juglal	Dujana	"
83.	Rameshwer S/o Nanga	Berl	"
84.	Kure S/o Sudhan	Dujana	"
85.	Piare Lal/Parsa	Hassanpur	"
86.	Zile Singh S/o Chandu	Babra	"
87.	Risal Singh S/o Shera	Dawle	"
88.	Rajal S/o Sawlia	Hassanpur	"
89.	Mohar Singh S/o Raghu Nath Singh	Nagla	"
90.	Ramjilal S/o Maman	Jhajjar	"
91.	Lal Chand S/o Kirpa Ram	Kheri Hasandpura	"
92.	Sheo Narain S/o Askaran	Dadri Toi	"
93.	Rohtash S/o Prithi	Dadanpur	"
94.	Sis Ram S/o Udhmi	"	"
95.	Dalip S/o Neki	Hassanpur	
96.	Shiv Narain S/o Nandu	Kheri	"
97.	Kanshi Ram S/o Patram	"	"
98.	Khem Chand S/o Ami Lal	"	"
99.	Ram Kala S/o Hasti	Kasni	Jhajjar

100.	Hushiar Singh S/o Richhpal	"	"
101.	Attar Singh alias Prem Pal S/o Jit Ram	"	„
102.	Jog Ram S/o Mam Chand	Bhanichand erpal	Meham
103.	Jage S/o Prithi	Bhanimahar ajpur	„
104.	Dharma S/o Sri Chand	Kharkhara	"
105.	Kidra S/o Khem Raj	"	/1
106.	Inder S/o Bhola	Bhanimatu	″
107.	Suraj Bhan S/o Chhotu	Nidana	"
108.	Hardeva S/o Lalu	Chandi	"
109.	Kartar S/o Risal Singh	Karanthi	"
110.	Darya S/o Mula	Chandi	„
111.	Chottu S/o Shankar	"	"
112.	Om Parkash S/o Dharma	Kharkhara	"
113.	Norang S/o Mam Chand	Chandi	″

क्रमांक नाम गांव का नाम

जिला सोनीपत

1.	लखमी पुत्र हरदेवा	प्रीतमपुरा
2.	करतारा पुत्र नौरंग	कुन्डली
3.	फकीर चन्द पुत्र भूलन	नागल कलां
4.	कतर सिंह पुत्र सूरत सिंह	नागल कलां
5.	धन सिंह पुत्र फूल सिंह	खिजरपुर अहीर
6.	रमेश्वर पुत्र सीसराम	चटाना
7.	तारा चन्द पुत्र दाताराम	गठीवाला
8.	चन्द्र सिंह पुत्र भगवाना	नैनातंतारपुर
9.	सूरता पुत्र गुगन	
10.	चन्द्र सिंह पुत्र बलवन्त	
11	रामदीया पुत्र हरफूल	पुरथल
12.	सूरजमल पुत्र रतीराम	गोरड
13	जय सिंह पुत्र दीपचन्द	सिलाना
14	माया चन्द पुत्र	जवाहरा
15	करम सिंह पुत्र नत्थु राम	मनौबी

16	रकमू पुत्र चन्द्र	बसौदी
17	दलेल सिंह पुत्र रामस्वरुप	राई
18	नफे सिंह पुत्र प्रेमराज	भटगांव दुगरान
19	सूबे पुत्र प्रभु	बागडू
20.	धर्मराज पुत्र दुर्गा	मलकपुर
21	हरद्वारी पुत्र झण्डु	कुण्डली
22,	धन सिंह पुत्र जीतू	प्रीतमपुरा
23	ओमप्रकाश पुत्र सुबासिंह	छतहेड़ा बहादुरपुरा
24	मिसरीलाल पुत्र रत्नलाल	मंडौरा
25.	करतार सिंह पुत्र चेतराम	
26.	श्रीचन्द पुत्र जोगराज	लोहारीटिब्बा
27.	प्रेम सिंह पुत्र दीपचन्द	
28.	चन्द्रभान पुत्र धारी जवाहरी	
29.	साधूराम पुत्र केसरीदास	भट्टगाव
30.	बलवान पुत्र टेका	बडवासनी

31.	भीमसिंह पुत्र रुप चन्द	चटिया ओलिया
32.	प्रेम पुत्र जयलाल	बडौली
33.	चन्द्र पुत्र जयलाल	
34.	सुनहरा पुत्र राम नाथ	सिलाना
35.	जगत सिंह पुत्र रिसाल सिंह	हरसानाकलां
36.	ईश्वर सिंह पुत्र थम्ब	भटाना जफराबाद
37.	रमेश चन्द पुत्र दीवान सिंह	
38.	जयनारायण पुत्र फूल सिंह	खोडीदया
39.	जयभगवान पुत्र बारु	महन्दीपुर
40.	पोखरदास पुत्र छत्तरदास	सोनीपत
41.	किसना पुल हरिराम	हसनपुर
42.	बालकराम पुत्र नाहनू	पिनाना
43.	तारा चन्द पुत्र रति राम	
44.	ईश्वर पुत्र कर्म सिंह	भटगांव डुगरान
45.	बाजेदास पुत्र हरनन्द	

46.	लालचन्द पुत्र टेकचन्द	
47.	चरणसिंह पुत्र जीवन	धतूरी
48.	सीताराम पुत्र रामस्वरुप	मलकपुर
49.	रणसिंह पुत्र दुलीचन्द	बहिला
50.	रामजीलाल पुत्र जयलाल	नैनाततारपुर
51.	महासिंह पुत्र भोला	
52.	मेहर सिंह पुत्र सूरजमल	नाहरी
53	राजन पुत्र सरदारा	कतलुपुर
54	अमृत पुत्र जवाहरी	
55	साहिब सिंह पुत्र नपौदर	नैनाततारपु
56	मुन्शी राम पुत्र जीउ	भरौटीखास
57	बारु पुत्र बलजीत	बुटाना कुण्डु
58	रामधारी पुत्र चेतराम	वजीरपुरा
59	सुखबीर पुत्र सिवा	गोहाना
60	अमर सिंह पुत्र कन्हैया	रुखी
61	हरबीर सिंह पुत्र बलधारी	गोहाना

62	नारायणदत्त पुत्र जहाना	
63	प्रताप पुत्र सूरजमल	रूखी
64	सूरजमल पुत्र निहालू	मिरजापुर
65	शेरा पुत्र रामसरण	
66	जीताराम पुत्र माईराम	
67	हरिसिंह पुत्र खेमा	राणाखेडी
68	अमर सिंह पुत्र कन्हैया	
69	दूलीचन्द पुत्र हरमे	कथूरा
70	हवासिंह पुत्र हरमे	''
71	रामजीलाल पुत्र झण्डु	गोहाना
72	लाल चन्द पुत्र आला राम	वजीरपुरा
73	ओमप्रकाश पुत्र चन्दन	जागसी
74.	सीसू पुल नपादर	जागसी
75.	रामसरुप पुत्र फूला	राणाखेडी
76.	शेर सिंह पुत्र झण्डु	राणखेडी
77.	सूरता पुत्र नपादर	माहरा

78.	सतपाल पुत्र दीपला	मदीना
79.	रघुबीर पुत्र भगवाना	धिलोड
80.	ब्रम्हा पुत्र शिवलाल	भासवान खुर्द
81.	मौजी पुत्र दानी	
82.	ज्वाला पुत्र मातू	रुखी
83.	हरफूल पुत्र गुगन भावपडी	कुरान
84.	सीसपाल पुत्र मौजी	गडी उजौलखां
85.	मीर सिंह पुत्र जगराम	गडी उजौलखां
88.	देवी चन्द पुत्र इन्द्राज	गडी उजौलखां
87.	छोटू पुत्र हरीराम	बुटाना खेतलान
88.	जागेराम पुत्र सूरता	मदीना
89.	मान सिंह पुत्र दुली चन्द	मदीना
90.	सुखबीर पुत्र भगता	देवीपुरा (गोहाना)
91.	परसा पुत्र मातू	बडौता
92.	दीप चन्दपुत्र प्रभु	बड़ौदा मोर

93.	किदारा पुत्र टेका	लाड
94.	किदारा पुत्र मोलड	बुटाना
95	भाना पुत्र भूला	खन्दराई
96,	रामेश्वर पुत्र श्रीचन्द	गोहाना
97	पालेराम पुत्र जुगलाल	नगर
98,	हरनारायण पुत्र महीपत	गडीउजालेखा
99.	रामफल पुत्र मामराज	सिंकदरपुर माजरा
100	पोहकर पुत्र कुन्दन	
101	श्रीनिवास पुत्र रामदत्त	ढसमा
102.	मानू पुत्र बदलु	जागसी
103.	राजगुरु पुत्र भोला	बडौता
104.	लाल सिंह पुत्र माई राम	मेसवानखुर्द
105.	प्रवीन कुमार पुत्र सुलतान सिंह	गोहाना
106.	सदर सिंह पुत्र कुली	कटवाल
107	भरता पुत्र जवाहरा	बडौता

108.	लाल चन्द पुत्र प्रभा	बींझल
109	मामन पुत्र जुगलाल	
110.	जुगती पुत्र झण्डु	खेडी दमकन
111.	उजाला पुत्र पृथी	माहरा
112.	जीता पुत्र नत्थु	बडौती
113.	रामकिशन पुत्र भगवाना	मेसवानखुर्द
114.	दीवान सिंह पुत्र नाहनु	कटवाल
115,	भीम सिंह पुत्र हेमराज	
116.	चन्द्रन पुत्र शादी	कटवाल
117.	प्रेमप्रकाश पुत्र गुरदयाल	सिवानामाल
118.	रोशन पुत्र भरात	
119.	बारु पुत्र बनवारी	
120.	देवी सिंह पुत्र ज्योता	छिछडाना
121.	मिठनलाल पुत्र बलजीत	गोहाना
122.	बलवान पुत्र चान्दगी	छिछडाना
123.	रामकंवर पुत्र सीसू	रभंडा

124	सतबीर पूत्र गमसरूप	महमूदपुर
125.	तारा पूत्र हरनाम	
126.	रामकंवर पुत्र मुन्शी राम	बरादासुगान
127.	चन्दन पुत्र नन्द लाल	गोहाना
128	सुन्दर पुत्र रामचन्द्र	सिवानामाल
129	जगदीश पुत्र हुकम चन्द	
130.	चरण सिंह पुत्र शेरसिंह	बीझल
131.	हरभगवान पुत्र रामचन्द	सिवानामाच
132.	अर्जन पुत्र किदारा	बली
133.	भीम सिंह पुत्र बलबीर सिंह	ईसापुरबिन्दी
134.	जागे पुत्र चुहडु	नयात
135	कर्ण सिंह पुत्र निहालु	बिचपडी
136	इन्द्र पुत्र प्रभु	खेडीदम्मन
137	फते पुत्र फकीरियां	
138	दयानन्द पुत्र रत्न	महमूदपुर
139	लछू पुत्र निहालु	वजीरपुरा

140	चतरा पुत्र आखेराम	
141	बदलु पुत्र अभिलाल	खन्दराई
142	हरदेवा पुत्र देवतीया	गोहाना
143	धर्मचन्द पुत्र बदलु	बुढानाकुन्द
144,	भूपसिंह पुत्र राय सिंह	
145.	चन्द्रभान पुत्र चान्दगी	
146.	रजिन्द्र पुत्र हरिराम	गोहाना
147.	भाना पुत्र मान सिंह	बिचपडी
148	महेन्द्र पुत्र रामचन्द्र	खेडीदम्मन
149	नयन पुत्र जग्गू	महमूदपुर
150	लहरी पुत्र चान्दगी	भादौरीखास
151	रायसिंह पुत्र दिवाना	शामडीबुसन
152	वेगराज पुत्र केसा	बनवासा
153.	जयकरण पुत्र भोलड	मदीना
154	रामकिशन पुत्र कन्हैया	जसराना
155	जमकरण पुत्र गोहली	बरोदाठुठान

156.	टेकराम पुत्र उजाला	महमूदपुर
157.	धन सिंहपुल मनसाराम	बडौता
158.	सुभाषपुत उदे	गोहाना
159.	प्रेम सिंहपुव सरदारा	
160.	तारा सिहपुत कलीराम	गामडी
161.	'पुत्र राम सिंह	गोहाना
162.	उदेराम पुत्र चतरु	
163.	दरिया पुत्र रिसाला	
164.	जागे पुत्र सीसू लाठ	
165.	मेहर सिंह पुत्र दीपचन्द	महमूदपुर
166.	चन्द्रभान पुत्र जिले सिंह	गोहाना
167.	दयानन्द पुत्र टेकू	भैसवान खुर्द
168.	रामकिशन पुत्र शंकर	
169.	पृथीपुल चन्द्र	गडीसराय नामदारखां
170.	प्यारे लाल पुत्र शिवचरण	किलोदखुर्द

171.	गंगाराम पुत्र ज्ञानी	बली
172.	जयनारायग पुत्र रामसिंह	बडवाल
173.	मुखत्यारा पुत्र मुखराम	खानपुर खुर्द
174.	अन्तु पुत्र भीमसिंह	गढीसराय नामदारखां
175.	रामधारी पुत्र चान्दगी	भैसवान खुर्द
176.	अतर सिंह पुत्र मांगे राम	रिठालकोगार
177.	ओमप्रकाश पुत्र चन्द्र	काहनी
178.	भम्बल पुत्र धन सिंह	भावड
179.	रामसरुप पुत्र शिवलाल	गडीउजालेखा
180.	राम सरुप शिवलाल	सिवाना माल
181.	दयाचन्द पुत्र सरदारा	केहल्या
182.	जयभगवान पुत्र कन्दु	लाठ
183.	शयामा पुत्र नारायगदत्त	अहमेदपुर माजरा
184.	छाजु पुत्र शामोलाल	गोहाना

185. चन्दगी पुत्र रामजीलाल सरगथल

चौधरी अजीत सिंहः स्पीकर साहब, अभी मन्त्री जी ने बताया कि सारे हरियाणा में 755 आदमियों को जेल में भेजा गया और उनमें से रोहतक जिले के 113 हैं । इन 113 में से 57 झज्जर के हैं तो क्या मन्त्री जी बताएंगे कि जोपैरा (डी) के उत्तर में सीरियल नं० 72 पर राज कुमार पुत्र रिसाल सिंह और सीरियल नं० 92 पर शियो नारायण पुत्र अनुसरण हैं, इनकी अधिकारियों ने पिटाई की और इनके हाथों पैरों पर बुडके देखे गए हैं । क्या ऐसी घटना मन्त्री जी के नोटिस में आई हे?

चौधरी शेर सिंह : ऐसी कोई शिकायत मेरे पास नहीं आई ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, अभी मन्त्री जी ने बताया कि कहीं ट्रैक्टर का लोन था, कहीं फर्टीलाइजर का लोन था और कहीं हाउसिंग स्कीम का लोग बकाया था । आपको मालूम है कि पीछे काफी ओले पड़े हैं जिसकी वजह से किसानों का काफी नुकसान हुआ है । तो जहा ओलावृष्टि हुई हे क्या वहां के किसानों का लोग माफ करने का विचार करेंगे?

चौधरी शेर सिंह : लोग माफ करने का कोई विचार नहीं है ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : स्पीकर साहब, यह सवाल गरीब किसानों के बारे में है और आजकल इस सरकार के ऊपर

इन्द्र देयता नाराज हैं क्योंकि ओलों की वजह से गरीब किसानों का काफी नुकसान हुआ है इसलिये क्या उनकी तकावी माफ करेंगे?

श्री अध्यक्ष : इसका जवाब मन्त्री जी पहले दे चुके हैं कि कर्जा माफ नहीं किया जाएगा ।

श्री रण सिंह मान : स्पीकर साहब, स्टेटमैंट नम्बर– 1 के मुताबिक बकाया तकावी की राशि 2,95, 45, 820 रुपये है । आप भी इस बात से सहमत होंगे कि यह जितना कर्ज है समाज के बहुत कमजोर और गरीब लोगों पर है । यह कोई बहुत बड़ी रकम नहीं है । मैं सैसिफिक क्वैश्चन यह पूछना चाहता हूं कि जिन लोगों ने मूलधन या उससे अधिक पैसा लौटा दिया है लेकिन ऊनके ऊपर आज भी तकावी कर्जा शेष है, विशेषकर उनके मामले पर सरकार दोबारा गौर करेगी कि उनका कर्जा माफ कर दिया जाए?

चौधरी शेर सिंह : जब कोई आदमी कर्जा लेता है तो उसको पता होता है कि इस पर इतने परसैटं ब्याज लगना है और यह कुल इतना पैसा बन जाएगा । मैंने पहले बताया है कि कर्जा माफ करने का कोई विचार नहीं है । आपको पता है कि 1978 से अब तक कई बार काले पड़ चुके हैं, ऐसे समय में हम वसूली मुलतवी कर देते हैं ।

श्री अध्यक्ष : तकावी पर इन्टैरस्ट कितना होता है?

चौधरी शेर सिंहः स्पीकर साहब, आप स्टेटमैंट में देखें 12– 13 प्रकार के कर्जे हैं, इनके अलग– अलग रेट हैं । इस समय यह सूचना मेरे पास नहीं है ।

श्री बलदेव तायल : स्पीकर साहब, क्या यह बात दुरुस्त है कि पिछले साल सोरखी गढ़ी गांव का एक किसान तहसीलदार की कस्टडी में स्वर्गवास हो गया था?

चौधरी शेर सिंहः इसका पिछले साल जवाब आ गया था । चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने इस बारे में एक काल– अटैन्शन मोशन का नोटिस दिया था और उसका जवाब हमने दे दिया था ।

स्वामी अग्निवेश : अध्यक्ष महोदय, इसी सदन में सरकार की तरफ से पहले भी जवाब आ चुका है कि 11– 11 करोड रु० बड़े बड़े जो हमारे उद्योगपति हरियाणा के हैं, सेल्ज टैक्स का बकाया नहीं दिया और आज तक उनकी जेल जाने की खबर नहीं सुनी । जिन छोटे किसानों और जमीदारों ने तकावी लोन लिया है । उनकी सैकड़ों की सूची दी गई है कि उनको जेल में डाल दिदा गया है । मैं यह जानना चाहता हूं कि लैड रेवेन्यू एक्ट की कौन सी धारा है जिसके तहत गरीब किसानों को जेल में डाल दिया जाता है । गरीबों को राहत क्यों नहीं मिलती जबकि पूजि पतियों को बख्श दिया जाता हे?

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर साहब, लैंड रेवेन्यू एक्ट 1887 में बना था । उसकी सैक्शन 67 से 77 तक मे यह प्रोवीजन है कि जो पैसा नहीं लौटाएगा उसे जेल में भेजा जा सकता है ।

श्री अध्यक्षः जो स्वामी जी ने सवाल पूछा है यह क्रैश्चन के स्कोप से बाहर है ।

So far as supplementary questions are concerned I would reques t the front benchers to ask as less supplementaries as passible. I will always give opportunity to hon. Members sitting on the back banches. I will give them maximum opportunity for asking supplemeatary questions.

स्वामी अग्निवेश : अध्यक्ष महोदयय यह एक्ट तो 1887 में कना था. (शोर)

Mr. Speaker : The Hon'ble Minister is not supposed to know the provisions of an Act. It is outside the scope of this question. He may tell if he knows. Had I been the Minister, I would not have been able to give this information. Ask this question from a lawyer in a court.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं स्वामी जी के सवाल का जवाब देना चाहता हूं.। जिस तरह से सरकार किसानों से लैड रेवेन्यू की शक्ल में तकावी या एरियर्ज वसूल करती है उसी तरह से सरकार ने एक कानून आम कर दिया है कि बड़े–बड़े उद्योगपतियों की तरफ जो टैक्स का बकाया पैसा है वह लैड रेवेन्यू की शक्ल मैं वसूल किया जाएगा । बकाया वसूली के लिए किसी को भी माफ नहीं किया जाएगा ।

श्री मूल चन्द जैन : स्पीकर साहब, सेलज टैक्स की वसूली के लिए हमेशा से कानुन बना हुआ है । यदि किसी आदमी की तरफ सेलज टैक्स बकाया होगा तो वह लैड रेवेन्यू एक्ट के जरिए वसूल किया जा सकता है और इसी तरह से बिजली के बिल भी लैड रेवेन्यू की शकल में वसूल किये जा सकते हैं । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भि–में लोगों की तरफ लगभग 11– 11 करोड़ रुपया सेलज टैक्स का और लगभग 5– 5 करोड़ रुपया बिजली के बिलों का बकाया है क्या सरकार ने उन लोगों से वह पैसा वसूल– करने के लिए वारंट जारी किए है ।

Mr. Speaker : I am sorry this is outside the scope of this question. I will not allow

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मंत्री जी ने लिस्ट दी है कि 755 आदमियों को जेल में डाल दिया गया और श्री बलदेव तायल ने यह सवाल पूछा था कि सोरखी गढ़ी का एक आदमी जुडीशियल लाक अप में मारा गया लेकिन उसका नाम इस लिस्ट में नही है । इससे साफ माहिर होता है कि मंत्री जी ने लिस्ट बिल्कुल गलत दी है । इसके अलावा मैं वह भी कहना चाहता हूं कि सिर्फ 755 लोग ही जेल में नहीं भेजे गए बल्कि 10 हजार लोगों को जेल में भेजा गया है ।

श्री अध्यक्ष : आपने 10 हजार लोगों का एस्टीमेट कहीं सें लगा लिया?

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, हमें सब पता है । हम उन लोगों के लिए भागे दौडे । स्पीकर साहब, श्री बलदेव तायल ने यह सवाल पूछा था कि सोरखी नही का एक आदमी बैले साल जुडीशियल लोक–अप में मार दिया गया । इस बारे में मैंने पिछले सैशन में एक मिल–अटैंशन मोशन का नोटिस दिया था । उस समर मंत्री जी ने यह जवाब दिया था कि है जुडीशियल लोक–अप में नहीं मारा गया, उसने सुसाइड कमिट किया था । स्पीकर साहब, मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जब वह आदमी जुडीशियल लोक–अप में रहा तो उसका हिसार की जेल में गिरफ्तार शुदा लोगों की लिस्ट में क्यों नही रखा?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह लिस्ट 198 1– 82 की है ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, उस आदमी का नाम लिस्ट में आना चाहिए था । यह लिस्ट बिल्कुल गलत सप्लाई की गई है और हाउस को गुमराह किया जा रहा है क्योंकि गिरफ्तार शुदा लोगों की लिस्ट में तादाद बहुत कम दी गई है ।

चौधरी शेर सिंह : स्पीकर साहब, यह लिस्ट 1981–82 की है । 1981–82 में जिन लोगों को जे ल भेजा गया है, उनके नाम इस लिस्ट में है । (शोर एवं विध्न)

चौधरी संत कंवरः अध्यक्ष महोदय, बहुत सारे किसानों को जेल में डाल दिया गया है लेकिन ऊनका नाम लिस्ट में नही

दिया गया । इसलिए इस सवाल पर आधे घंटे की बहस होनी चाहिए । (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप इस बारे में लिख कर दें ।

Reservation in Promotion Cases for Scheduled Castes and Backward Classes Employees

***2628. Comrade Shankar Lal :** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the system of reservation in promotion cases for the employees belonging to Scheduled Castes and Backward Classes has been abolished; if so, the reasons therefor ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal) : No.

कामरेड शंकर लालः अध्यक्ष महोदय, सारे देश के अन्दर 10 पोस्टों में से 2 पोस्टों पर शिड्यूल्ड कास्टस और एक पोस्ट पर बैकवर्ड क्लास के लोगों को परमोशन दी जा रही है । मैं मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा के अन्दर नायब तहसीलदार से तहसीलदार, एस०डी०एम० से डी ०सी० या जी० ए० से डी० सी०, ओवरसीयर से एस०डी० ओ० और एस०डी०ओ० से एक्स०ई०एन० बनते हैं । इन पोस्टों में परमोशन के लिए शिड्यूल्ड कास्टस और बैकवर्ड. क्लासिज के लोगों को कितनी परसैटं फरमोशन दी गई? अध्यक्ष महोदय मैंने चीफ सैक्रेटरी साहब की एक चिट्ठी देखी है, मैं उसका नम्बर आपको कल बता सकता हूं इस वक्त मेरे पास नहीं है उसमें परमोशन के विषय में लिखा है? अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में 10 पोस्टों से दो हरिजनों को

और एक बैकवर्ड क्लास को परमोशन मिलनी चाहिए लेकिन हरियाणा में आज नही मिल रही है ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी मैंने सवाल के जवाब में बताया है कि क्लास थी और फोर में शिड्यूल्ड कास्टस की 20 परसैटं और बैकवर्ड क्लास की 10 परसैटं रिजर्वेशन रखीं हुई है । क्लास वन और टू की परमोशन में रिजर्वेशन नहीं है और इन क्लासिज में परमोशन देना संभव भी नहीं है ।

श्री भागमल : स्पीकर साहब, अभी पिछले दिनों पुलिस कांस्टेबलज के बी0– 1 के टैस्ट हुए थे और उनमें अम्बाला डिस्ट्रिक्ट से कुछ हरि–जन सिपाही अपीयर हुए थे परन्तु उनको ट्रेनिग में भेजने से पूर्व ही ऊनका नाम लिस्ट से काट दिया । ये क्लास थी के कर्मचारी है । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यदि क्लास थी और फोर की परमोशन के लिए हरिजनों और बैकवडइ क्लास के लोगों की रिजर्वेशन है तो उनको ट्रेनिंग के लिए क्यों नही भेजा गया ।

श्री अध्यक्ष : इसका मेन सवाल से कोई संबंध नही है ।

चौधरी जय नारायण वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने बताया कि क्लास थी और फोर की पोस्टों में हरिजन और बैकवर्ड क्लास के लोगों के लिए परमोशन है लेकिन क्लास वन

और टू में परमोशन रेना संभव नही है । मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इनमें कोई स्पैसीफिक प्रतिबंध है?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप– जानते है कि शिडयूल्ड कास्टस और बैक्वर्ड क्लासिज के लोगों को दो दफा बैनीफिट मिलता है । एक बार तो जब ये सर्विस में आते है तो उस समय इनको रिजर्वेशन मिलती है और दूसरी बार परमोशन में रिजेंर्वेशन मिलती है । यदि क्लास वन और टू की परमोशन में रिजर्वेशन रखे तो दूसरी बिरादरी के लोगों में बहुत हार्ट बर्निंग होती है । इसलिए क्लास वन और टू की परमोशन में रिजर्वेशन रखना मुनासिब नही रहेगा ।

चौधरी जय नारायण : स्पीकर साहब, क्लास वन और टू के अन्दर शिडयूल्ड कास्टस का 20 परसैट कोटा किसी भी पोस्ट में पूरा नही है । मैं मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह 20 पर–सैट कोटा क्लास वन और टू की पोस्टों मे परमोशन के जरिए पूरा किया जाएगा?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, क्लास वन और टू की पोस्टों की परमोशन के लिए रिजर्वेशन नही है । क्लास थी और फोर में यदि रिजर्वेशन का कोटा पूरा मेंही है तौ उसको जल्दी ही पूरा कर दिया जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : क्लास वन और टू की पोस्टों की रिक्रूटमैट में कोई रिजर्वेशन है या नहीं?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, रिक्रूटमैंट में रिजर्वेशन है लेकिन परमोशन में रिजर्वेशन नहीं है ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी ने यह फरमाया है कि क्लास–थी और फोर में परमोशन की रिजर्वेशन है । इसी संबंध में मैं यह जानना चाहता हूं कि अभी कुछ दिन पहले हैड कांस्टेबलों को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था क्या उन की यह रिजर्वेशन पूरी है?

चौधरी भजन लाल : वैसे तो इस सप्लीमेंटरी का इस सवाल से कोई संबंध नही है । फिर भी मैं कमकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि उनका रिटर्न टैस्ट लिया गया था । जो रिटन टैस्ट में फल हो गया है, उनको ले लिया गया है । जब कोई रिटर्न टैस्ट पाम नहीं करेंगे उस समय तक उनको कैसे लिया जा सकता है ?

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब क्वैश्चन आवर समाप्त होता है ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गार तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Award Decision of Prime Minister of India Regarding Distribution of Ravi Beas Waters

***2615. Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) Whether the award/decision of the Prime Minister for India in regard to the distribution of Ravi Beas (SYL) water between the States of Haryana, Punjab and Rajasthan has been announced: and

(b) If so, a copy of the said award decision together with the date on which it was given be placed on the Table of the House?

Irrigation & Power Minister (Sardar Tara Singh):

(a) Yes.

(b) On 31-12-1981. A copy of the agreement is placed on the Table of the House.

Agreement Regarding Allocation of Surplus Flow of the Rivers Ravi and Beas over and above the Pre-Partition uses and Implementation of the Sutlej Yamuna Link Canal Project.

WHEREAS under the Indus Waters Treaty of 1960 the waters of the three rivers, namely Sutlej, Beas and Ravi became available for unrestricted use by India after 31st March, 1970; and

WHEREAS while at the time of signing of the said Treaty, the waters of the Sutlej had already been planned to be utilized for the Bhakra-Nangal Project, the surplus flow of rivers Ravi and Beas, over and above the pre-partition use was allocated by agreement, 1955 (hereinafter called the 1955 Agreement) between the concerned States as follow, namely.

Punjab	7.20 MAF (Including 1.30 MAF for PEPSU)
Rajasthan	8.00 MAF

Jamm & Kashmir	0.65 MAF
	15.85 MAF

And, for the purpose of the said allocation the availability of water was based on the flow series of the said rivers for the years 1921-1945; and

WHEREAS The Central Government issued a notification on 24th March, 1976, allocating 3.5 MAF of the waters becoming available as a result of Beas Project to Haryana and the balance not exceeding 3.5 MAF to Punjab out of the total surplus Ravi-Beas waters of 7.2 MAF falling to the share of erstwhile State of Punjab after setting aside 0.2 MAF for Delhi drinking water supply; and

WHEREAS the Punjab Government sought a review of the aforesaid notification for increasing the allocation to Punjab and linked this matter to the construction of the Sutlej-Yamuna Link Canal for Haryana in Punjab territory; and

WHEREAS the Government of Haryana filed a suit in the Supreme Court Praying inter alia that a directive be issued to Punjab for expeditiously undertaking construction of the Sutlej Yamuna Link Canal in Punjab territory and for declaring that the notification of the Government of India allocating the water becoming available as a result of the Beas Project issued on 24th March, 1976 is final and binding; and

WHEREAS the Punjab Government also filed a suit in the Supreme Court challenging the competence of the Central Government to enact Section 78 of the Punjab Reorganization Act, 1966 and notwithstanding this, questioning the notification issued under Section 78 of the said Act; and

WHEREAS adjournment has been sought from time to time in hearing of the suits filed in the Supreme Court by Haryana and Punjab to enable the parties to arrive at a mutually acceptable settlement of the differences that have arisen; and

WHEREAS discussions have been held by the Prime Minister of India and Union Minister of Law, Justice and Company Affairs with the Chief Ministers of Haryana, Punjab and Rajasthan.

Now therefore we the Chief Ministers of Haryana, Rajasthan and Punjab keeping in view the overall national interest and desirous of speedy and optimum utilization of the waters of the Ravi and Beas Rivers and also having regard to the imperative need to resolve speedily the differences relating to the use of these waters in a spirit of give and take do hereby agree as under:

(i) According to the flow series 1921-60, the total mean supply of Ravi-Beas Waters is 20.56 MAF. Deducting the pre-partition uses of 3.13 MAF and transit losses in the Madhopur Beas Link of 0.26 MAF, the net surplus Ravi-Beas water according to the flow series 1921-60 is 17.17 MAF as against the corresponding figure of 15.85 MAF for series 1921-45, which forms the basis of water allocation under the 1955 Agreement. It is now hereby agreed that the mean supply of 17.17 MAF (Flow and Storage) may be re-allocated as under:-

Share of Punjab	4.22 MAF
Share of Haryana	3.50 MAF
Share of Rajasthan	8.60 MAF
Quantity earmarked for Delhi Water Supply	0.20 MAF

Share of Jammu & Kashmir	0.65 MAF
	17.17 MAF

In case of any variation in the figure of 17.17 MAF in any year, the share shall be changed pro-rate of the above revised allocations subject to the condition that no change shall be made in the allocation of Jammu & Kashmir which shall remain fixed as 0.65 MAF as stipulated in the 1955 Agreement. The quantity of 0.20 MAF for Delhi Water Supply stands as already allocated.

(ii) Until such time as Rajasthan is in a position to utilize its full share, Punjab shall be free to utilize the waters surplus to Rajasthan's requirements. As Rajasthan will soon be able to utilize its share Punjab shall make adequate alternative arrangements expeditiously for irrigation of its own lands by the time Rajasthan is in a position to utilize its full share. As a result, it is expected that ments would not exceed 8.0 MAF, 4.82 MAF of water should be available to Punjab in a mean year when the availability is 17.17 MAF.

(iii) The Bhakra and Beas Management Board (BBMB) shall be permitted to take all necessary measures for carrying out measurements and for ensuring delivery of supplies to all the concerned states in accordance with their entitlements such as rating the gauge discharge curves, installation of self-recording gauges, taking observations without any hindrance of the discharge me surements. The selection of the control points at which the Bhakra and Beas Management Board would take appropriate measures as mentioned above shall include. But be not limited to, all points at which Bhakra and/or Ravi-Beas discharges are being shared by more than one State and all regulation points on the concerned rivers and canals for determining the shareable supplies. The decision of

the Bhakra and Beas Management Board would be binding in so far as the selection of the control points is concerned for the purposes of taking discharge measurements to facilitate equitable distribution of the waters but if any State Govt. contests the decision, the Central Government shall decide the matter within 3 months and this decision shall be final and binding. All the concerned State Governments shall co-operate fully and shall promptly carry out day-to-day directions of the Bhakra Beas Management Board in regard to regulation and control of supplies, operation of gates and any other matters in their territories, for ensuring delivery of supplies as determined by Bhakra Beas Management Board in accordance with their entitlements as provided under the Agreement.

(iv) The Sutlej-Yamuna Link Canal Project shall be implemented in a time bound manner so far as the canal and appurtenant works in the Punjab territory are concerned within a maximum period of tow years from the date of signing of this agreement so that Haryana is enabled to draw its allocated share of waters. The canal capacity for the purpose of design of the canal shall be mutually agreed upon between Punjab and Haryana within 15 days, failing which it shall be 6500 cusecs, as recommended by the former Chairman, Central Water Commission.

Regarding the claim of Rajasthan to convey 0.57 MAF of waters through Sutlej-Yamuna Link-Bhakra System, Secretary, Ministry of Irrigation, Government of India will hold discussions with Punjab, Haryana and Rajasthan with a view to reaching an acceptable solution. These discussions shall be concluded in a period of 15 days from the date of affixing signatures herein and before the work starts. If no mutually acceptable agreement is reached, the decision of Secretary, Ministry of Irrigation to be given within this period shall be blending on all the parties. In case it is found necessary to increase the capacity of Sutlej-Yamuna Link Canal Beyond that decided under above sub-para in any or entire reach thereof, the states concerned shall implement the Link Canal

in a time bound manner with such increased capacity at the cost of Rajasthan Governement.

The differences with regard to the alignment of the Link Canal and appurtenant works in the Punjab territory would be discussed by the Haryana and Punjab Governments who should agree to a mutually acceptable canal alignment in Punjab territory including appurtenant works within a period of three months from the date of signing of this Agreement. If, however, the State Governments are unable to reach complete agreement within this period, the matter shall be decided by the Central Government within a period of two weeks Both the State Government shall co-operate fully to enable Central Government to take timely decision in this regard. The decision of the Central Government in this matter shall be final and binding on both the Governments and the canal and appurtenant works in Punjab territory shall be implemented in full by Punjab Government. However, work on the already agreed reaches of the alignment would start within fifteen days of the signing of the agreement and work within the other reaches immediately after the alignment has been decided. Haryana shall provided necessary funds to the Punjab Government for surveys, investigations and construction of the Link Canal and appurtenant works in Punjab territory. Where, as a result of acquisition of land, extreme hardship is caused to families, the Punjab Government shall forward to the Haryana Government suitable proposals for relieving such hardship in line with such schemes in Punjab undertaken in respect of similar canal works in Punjab territory. The Haryana Government shall arrange to bear the cost of such proposals. In the event, however, of any difference of opinion arising on the question of sharing such costs. The parties shall abide by the decision of the Secretary, Ministry of Irrigation, and Government of India. The progress of the work shall not, however, be delayed on this account. The Central Government will be requested to monitor the progress of the works being carried out in Punjab territory.

(v) The Agreement reached in paras (i) to (iv) above shall be implemented in full by the Government of Haryana, Rajasthan and Punjab. If any signatory State feels that any of the provisions of the Agreement are not being complied with the matter shall be referred to the Central Government whose decisions shall be binding on all the States. In this respect the Central Government shall be competent to issue such directions or take such measures as may be appropriate to the circumstances of the case to facilitate and ensure such compliance.

(vi) The suits filed by the Governments of Haryana and Punjab in the Supreme Court would be withdrawn by the respective Governments without any reservations whatsoever but subject to the terms of this Agreement.

(vii) The Notification of the Government of India allocating the waters becoming available as a result of the Beas project issued on 24th March, 1976 and published in the Gazette of India, Part-II, Section 3 Sub-Section (ii) as well as the 1955 Agreement stand modified to the extent varied by this Agreement and shall be deemed to be in force as modified herein.

In case of any difference on interpretation of this Agreement the matter will be referred to the Central Government whose decision shall be final.

We place on record and gratefully acknowledge the assistance and advice given by our respected Prime Minister, Smt. Indira Gandhi, in arriving at this expeditious and amicable settlement.

NEW DELHI, the 31st December, 1981

Sd/- (Bhajan Lal) Chief Minister of Haryana	Sd/- (Shiv Charan Mathur) Chief Minister of Rajasthan	Sd/- (Darbara Singh) Chief Minister of Punjab
	Sd/- (Indira Gandhi) Prime Minister of India	

Consolidation of Holdings Work in Rohtak District

***2634. Chaudhri Ude Singh Dalal:** Will the Minister for Revenue be pleased to state:-

(a) whether the work of consolidation in District Rohtak has been started; if so, the names of village thereof; and

(b) the time by which the aforesaid consolidation work is likely to be completed?

Revenue Minister (Chaudhri Sher Singh):

(a) Yes. Eleven villages viz. Mokhra Kheri Roz, Nidana, Bhaini Chanderpal, Dighal, Raipur, Mamian, Silana, Kultana, Badsa, Asoda Todran and Ismaila 11 Biswa.

(b) About two years.

Abutment Wall on Tangri Super Passage

***2731. Chaudhri Satvir Singh Malik:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that the abutment wall on Tangri Super Passage on SYL slided;

(b) If so, the total expenditure incurred on the repair of the said wall, and

(c) Whether any responsibility has been fixed on any officer for this gross negligence?

Irrigation and Power Minister (Sardar Tara Singh):

(a) No. Only a part panel of a retaining wall upstream of Tangri Super Passage slided.

(b) The slipped panel was dismantled at a cost of Rs. 25000. Steel worth Rs. 29818 was extracted from that panel and taken on stock. In place of slipped panel, flared out wall was constructed, expenditure on which is Rs. 24086 only against the total cost of over Rs. 17600 lakhs incurred on the Tangri Super Passage work.

(c) Slipping of the pannel did not occur due to negligence of any officer and so the question of fixing responsibility does not arise.

Ayurvedic and Allopathic Dispensaries in the State

***2738. Rao Bansi Singh:** Will the Minister for Health be Pleased to State:-

(a) The district-wise number of Ayurvedic and Allopathic dispensaries in the State as at Present; and

(b) The number of Ayurvedic and Allopathic dispensaries; if any, opened in the Ateli Constituency of Mohindergarh District during the last three years?

Health and Tourism Minister (Chaudhri Gajraj Bahadur Nagar):

(a) Information regarding district-wise number of Allopathic/Ayurvedic dispensaries in the State is placed on the Table of the House.

	Allopathic	Ayurdedic
Ambala	14	33
Bhiwani	19	32
Faridabad	15	21
Gurgaon	11	26
Hissar	23	42
Jind	8	25
Karnal	11	35
Kurukshetra	11	30
Mohindergarh	18	31
Rohtak	17	33
Sirsa	10	18
Sonepat	11	13

Total	168	339

(b) None

Partition Cases Pending in the Court of Tahsildar, Jhajjar

***2910. Rao Bansi Singh:** Will the Minister for Revenue be pleased to state:-

(a) Whether any partition case, filed in the Court of Tahsildar, Jhajjar, District Rohtak. On 1-6-1966, still remains undecided; and

(b) If so, full details of the case and the appeals filed and decided together with the time within which such a case is likely to be finally decided and the reasons for delay?

Revenue Minister (Chaudhri Sher Singh):

(a) No, Sir

(b) Question does not arise.

Hailstorms in the State

***2908. Chaudhri Jai Narain:** Will the Minister for Revenue be pleased to state the names of the districts hit by hailstorms on 28-2-1982 and 1-3-1982 respectively in the State together with district wise loss of crops occureed therefrom?

Interim Reply

“Sher Singh D.O.No. 56-(AQ)-ER-1-82/10221

REVENUE MINISTER

Dated 23 March, 1982.

Subject:- Starred Assembly Question No. 2908 regarding loss to crops by hailstorms in February and March, 1982.

Respected Rao Sahib,

Kindly refer to the above mentioned Starred Assembly Question No. 2908 asked by Shri Jai Narain Khundia, M.L.A. during the Current Session of Vidhan Sabha. This question has been fixed for 25-3-1982.

2. Information has been solicited on the names of districts hit by hailstorm on 28-2-1982 and 1-3-82 and district wise loss of crops that has occurred as a result thereof. Whereas information regarding the number of districts hit by hailstorm is available and has already been placed before the House in reply to various calling attention motions on the subject which were admitted on 17-3-1982 exact details of district-wise loss, will only be available after conclusion of the special girdawari which has been ordered for the purposes, i.e. not before mid April, 1982.

Under the circumstances it is requested that the Government may be given three weeks extension in time to answer the question.

With Kind regards

Yours sincerely,

Sd/-

(Sher Singh)

Col. Rao Ram Singh,

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

Plantation of Trees on Haryana- Rajasthan Border

***2901. Shri Hira Nand Arya:** Will the Minister of State for Irrigation & Power be pleased to state:-

Chaudhri Ajit Singh: Will the Minister of State for Irrigation & Power be pleased to state:-

Shri Ran Singh Mann: Will the Minister of State for Irrigation & Power be pleased to state:-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to acquire land on Haryana- Rajasthan border for planting trees; and

(b) If so, the details thereof ?

Minister of State for Irrigation & Power (Shri Devender Sharma):

(a) & (b) With a view to establishing the sand dunes and stopping the marching desert the Forest Department has undertaken sand dune stabilization and afforestation work in the desert/drought prone areas along the Haryana-Rajasthan Border and there is a proposal to acquire 392

acres in Sirsa, Hissar and Bhiwani districts for treating worst affected areas. There is, however, no specific proposal to acquire land all along the Haryana-Rajasthan Border for planting trees.

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

I.P.S. Officer in the State

606. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Home Be pleased to state:-

(a) The total number of I.P.S. officers in the state as at present;

(b) The names of I.P.S. officers, out of those referred to in part (a) above, recruited during the current year together with the places of their present postings separately;

(c) The names of I.P.S. officers, as referred to in part (a) above, transferred from one place to other place together with the names of places thereof; and

(d) The names of the officers, if any, out of those referred to in the part (c0 above, whose transfer orders have been cancelled during the current financial year, separately?

Home Minister (Shri Kanahiya Lal Poswel):

(a) Sixty one

(b) There was no direct recruitment to the I.P.S. for Haryana State during the current financial year. However, to fill up posts in promotion quota, following eight State Police Service Officers were

appointed to the I.P.S. Their places of posting are mentioned against each:-

1	Sh. R.K. Vashishta	Supdt. Of police. CID. Haryana, Chandigarh.
2	Sh R.N. Vasudeva	Commandant. 2nd Bn. HAP Madhuban
3	Sh. Hari Singh Ahlawat	Commandant. CTT, Home Guards & Civil Defence, Haryana, Chandigarh.
4	Sh. K.L. Sudan	Commandant. 3rd Bn. H.A.P., Madhuban
5	Sh. R.S. Rajain	Superintendent of Police. Irrigation, Haryana Chandigarh
6	Sh. Sunder Dass	Superintendent of Police, Sonepat.
7	Sh. Prem Mehra	Superintendent of Police, S.V.B., Karnal.
8	Sh. Charanjiv Lal	Superintendent of Police, C.B.I., G.O.I. MHA, New Delhi.

(c) The following I.P.S. officers, referred to in (a) above, were transferred from one place to another during the current financial year:-

		From	To
1	Sh. S.P.S. Rathore, IPS	SSP/Ambala	SSP/Karnal
2	Sh. Nirmal Singh, IPS	SSP/Karnal	SSP/Ambala
3	Sh. M.S. Malik, IPS	AIG/GRP	SSP/Bhiwani

4	Sh. Vikas, IPS	SP/Sonepat	SP/Spl. Br. CID, Haryana
5	Sh. Lachhman Dass, IPS	SP/ Narnaul	Commdt. 4th Bn. HAP
6	Sh. Raj Singh, IPS	SP/Bhiwani	AIG/GRP
7	Sh. John V. George, IPS	SP/Spl. Br. CID	SP/Narnaul
8	Sh. Nirmal Singh, IPS	SSP/Karnal	AIG/GRP
9	Sh. Raj Singh, IPS	SSP/Bhiwani	SSP/Ambala
10	Sh. Lachhman Dass, IPS	DIG/Hissar	DIG/Rly. & Traffic
11	Sh. Ramesh Sehgal, IPS	DIG/Rly. & Traffic	DIG/Hissar
12	Sh. Swaranjit Singh, IPS	Comdt. 5th Bn.	Addl. SP Rohtak
13	Sh. V.B. Singh, IPS	Addl. SP/RTK	Vice Principal, PTC
14	Sh. Prem Vir Rathee, IPS	ASP/KKR	ASP/Sonepat
15	Sh. M.S. Bhatnagar, IPS	Director, Prosecution	Comdt. Gen. Home Guards & Director, Civil Defence
16	Sh. P.C. Wadhwa, IPS	Comdt. Gen. Home Guards & Director, Civil	O.S.D. (Rules). Haryana

		Defence	
17	Sh. Swadesh Kumar, IPS	SSP/Hissar	Director, Prosecution
18	Sh. Y. Hari Shankar, IPS	SSP/Faridabad	SSP/Hissar
19	Sh. Nirmal Singh, IPS	AIG/GRP	SP/Sirsa
20	Sh. R.S. Dalal, IPS	SSP/Gurgaon	SSP/Faridabad
21	Sh. Brijinder Rai, IPS	ADIG/CID	SSP/Gurgaon
22	Sh. Vipin Kumar, IPS	SP/Sirsa	AIG/GRP
23	Sh. R.K. Sharma, IPS	Addl. SP KNL	ADIG/CID
24	Sh. Harish Kumar, IPS	ASP/Hissar	Addl. SP Karnal
25	Sh. Lachhman Dass, IPS	Comdt. 4th, Bn.	Comdt. 2nd Bn. HAP
26	Sh. R.N. Vasudeva, IPS	Comdt. 2nd Bn.	Comdt. 3rd Bn. HAP
27	Sh. K.L. Sudan, IPS	SP/SVB Hr.	Comdt 4th Bn. HAP
28	Sh. V.B. Singh, IPS	Vice Principal PTC	On deputation to G.O.I.
29	Sh. K.L. Sudan, IPS	Comdt. 4th Bn.	Comdt. 3rd Bn. HAP
30	Sh. R.S. Kalson, IPS	On return from leave	Vice Principal, PTC

31	Sh. V.B. Singh, IPS	On withdrawal of deputation orders	Addl. SP/Karnal
32	Sh. Harish Kumar, IPS	Addl. SP/KNL	Addl. SP/Hissar
33	Sh. V.N. Rai, IPS	ASP/Faridabad	Comdt. 1st Bn. HAP
34	Mrs. Deepa Mehta, IPS	ASP/Gurgaon	Addl. SP Rohtak
35	Sh. V.N. Rai, IPS	Comdt. 1st Bn.	SP/Spl. Br. CID
36	Mrs. Deepa Mehta, IPS	Addl. SP Rohtak	P/SVB, Gurgaon
37	Alok Joshi, IPS	ADC to Governor	Addl. SP/ Rohtak
38	Sh. Rakesh Malik, IPS	On return from leave	ADC to Governor
39	Sh. V.N. Rai, IPS	SP/Spl. Br. CID	Addl. SP/Faridabad
40	Sh. R.S. Sharma, IPS	ASP/GRP	ASP/Jind
41	Sh. Vipin Kumar, IPS	SP/Sirsa	Comdt. 1st Bn. HAP
42	Sh. S.C. Inha, IPS	Comdt. 1st Bn.	SP/Sirsa
43	Sh. Resham Singh, IPS	ASP/Ambala	ASP/Hansi
44	Sh. V.B. Singh, IPS	On withdrawal of deputation orders	Addl. SP/Hissar

(d) The transfer orders of following officers referred to in (c) above, were cancelled during current financial year:-

1	Sh. Narmal Singh, IPS	SSP/Karnal	SSP/Ambala
2	Sh. Raj Singh, IPS	SSP/Bhiwani	AIG/GRP
3	Sh. Swaranjit Singh, IPS	Comdt. 5th Bn.	Addl. SP/Rohtak
4	Sh. Nirmal Singh, IPS	AIG/GRP	SP/Sirsa
5	Sh. Vipin Kumar, IPS	SP/Sirsa	AIG/GRP
6	Sh. Lachhman Dass, IPS	Comdt. 4th, Bn.	Comdt. 2nd Bn. HAP
7	Sh. R.N. Vasudeva, IPS	Comdt. 2nd Bn.	Comdt. 3rd Bn. HAP
8	Sh. K.L. Sudan, IPS	SP/SVB	Comdt 4th Bn. HAP
9	Sh. V.B. Singh, IPS	Vice Principal PTC	On deputation to G.O.I.
10	Sh. V.B. Singh, IPS	On withdrawal of deputation orders	Addl. SP/Karnal
11	Sh. Harish Kumar, IPS	Addl. SP/Karnal	Addl. SP/Hissar
12	Sh. V.N. Rai, IPS	On promotion to Sr. Scale of IPS	Comdt. 1st Bn. HAP
13	Sh. Resham Singh, IPS	ASP/Ambala	ASP/Hansi

IAS Officers in the State

607. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Chief Minister be Pleased to state:-

(a) The names of IAS Officers in the State as at present together with the name of such IAS Officers amongst them who joined service in Haryana during the current year (to date), separately; and

(b) The names of Haryana Officers, if any, recommended by Haryana Govt. for selection to IAS during the years, 1979-80, 1980-81 and 1981-82 (to date) separately?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a) The names of IAS Officers in the State at present are given in the list at Annexure-1.

No IAS Officers has joined service in Haryana during the current year (to date).

(b) The names of Haryana Govt. Officers recommended by Haryana Govt. for selection to IAS during the year 1970-80, 1980-81 and 1981-82 (to date) are give in the list at Annexure-II.

Annexure-I

Names of IAS Officers in Haryana as at present.

S/Shri	
1	Ishwar Chandra
2	P.P.Caprihan
3	L.C. Gupta

4	H.C. Khanna
5	S.K. Misra
6	Miss Mira Seth
7	Kulwant Singh
8	G.L. Bailur
9	B.S. Ojha
10	H.V. Goswami
11	M.C. Gupta
12	V.K. Sibal
13	Vineet Nayyar
14	A. Banerjee
15	G.V. Gupta
16	L.D. Kataria
17	H.D. Bansal
18	S.G. Sundaram
19	K.K. Sharma
20	M.Kuttappan
21	H.L. Gugnani
22	J.D. Gupta

23	J.K. Duggal
24	Tirlochan Singh
25	T.K. Baneriji
26	Shrimati Kiran Aggarwal
27	V.S. Ailawadi
28	A.K. Sinha
29	R.S. Verma
30	S.K. Sharma
31	K.R. Punia
32	M.G. Devasahayan
33	Ashok Pahwa
34	R.S. Mann
35	L.M. Jain
36	Vishnu Bhagwan
37	M.D. Asthana
38	K.G. Verma
39	Mahender Singh
40	D.Dasgupta
41	L.M. Goyal

42	Partap Singh
43	R.L. Sudhir
44	P.R. Kaushik
45	A.N. Mathur
46	M.K.Miglani
47	M. Shankar
48	Virendra Nath
49	Sunil Ahuja
50	Tarsem Lal
51	Dhanendra Kumar
52	L.M. Mehta
53	G.Madhavan
54	Miss Veena Kohli
55	Shrimati Komal Anand
56	T.D. Jogpal
57	Shrimati Reva Nayyar
58	M. Isa Dass
59	B.L. Mittal
60	Shrimati Meenaxi Anand Chaudhry

61	B.D. Dhalia
62	Kulwant Singh
63	Rajinder Siffgh
64	Gian Chand
65	O.P. Bharadwaj
66	A.C. Aggarwal
67	B.P. Sehgal
68	S.P. Mittal
69	K.C. Sharma
70	Mrs. Asha Sharma
71	Prem Prashant
72	V.P. Dhir
73	Smt. Sushil Dogra
74	S.L. Dhani
75	N.K. Garg
76	R.S. Malik
77	Raghbir Singh
78	S.Y. Quraishi
79	Kumari Deepa Jain

80	Ranjit Issar
81	Shrimati Promilla Issar
82	Naseem Ahmed
83	Pardeep Kumar
84	P. Pandarwani
85	Bhagwati Prashad
86	S.P. Bhatia
87	R.S. Kailay
88	Anil Razdan
89	H.S. Anand
90	Bhaskar Chatterjee
91	Smt. Rajni Razdan
92	Dharam Vir
93	Chander Singh
94	R.D. Garg
95	Jagat Ram
96	N.S. Sindhu
97	O.P. Taneja
98	J.P. Narang

99	S.P. Sharma
100	S.K. Maheshwari
101	Vivek Mehrotra
102	Smt. Umesh Nanda
103	K.S. Bhoria
104	Shrimati Firoza Mehrotra
105	Smt. Urvashi Gulati
106	R.N. Prasher
107	Prasanna Kumar G.
108	N. Bala Baskar
109	H.C. Disodia
110	Nares Gulati
111	R.S. Gujral
112	Smt. Anita Chaudhary
113	M.L. Tayal
114	Raj Kamal Singh
115	L.S.M. Salins
116	R.K. Ranga
117	S.K. Nanda

118	Raj Kumar
119	Krishan Mohan
120	P.K. Chaudhary
121	M.B. Sonawane
122	S.C. Chaudhary
123	S.C. Dhosiwal
124	Dharam Vir
125	J.L. Arora
126	P.P. Chhabra
127	Arjan Dass
128	Beant Singh
129	C.S. Rana
130	Bir Bal
131	S.N. Goyal
132	Hargo Lal
133	Ram Singh
134	N.K. Jain
135	Sanjay Kothari
136	Smt. Shakuntla Jakhu

137	Ajit M. Sharan
138	S.K. Saxena
139	Km. Padmin Esikachar
140	Sajjan Singh
141	Ramendra Jakhu
142	Samir Mathur
143	Ashok Lavasa
144	Chhatar Singh
145	Madhusudan Prasad
146	Praveen Kumar Jain
147	Maha Singh
148	Km. Anuradha Gupta
149	Harbakhsh Singh

There officers have been allocated to Haryana Cadre But are still undergoing training in L.B.S. National Academy of Administration Mussoorie

(This list also includes names of officers borne on the I.A.S. Cadre of Haryana but presently on deputation to the Govt. of India).

ANNEXURE-II

Names of Haryana Government Officers recommended by Haryana Government for selection to IAS during the years 1979-80, 1980-81 and 1981-82 (to date)

1979-80 Nil

1980-81 Name of HCS Officers already included in the Select List approved by the UPSC for appointment to the IAS who were recommended for appointment to the IAS by the State Government:-

1. Shri Jawahar Lal Arora
2. Shri P.P. Chhabra
3. Shri Arjan Dass
4. Shri Beant Singh
5. Shri C.S. Rana
6. Shri Bir Bal
7. Shri S.N. Goyal

Name of non-State Civil Service Officers submitted by the State Government to the Selection Committee for considering their suitability for appointment to IAS:-

(1) Shri D.V. Virmani.

Additional Director Industries

(2) Shri R.A. Goel,

Superintending Engineer, PWD (B & R)

None of the above two non-State Civil Service Officers was found suitable by the Committee for appointment to IAS.

1981-82 Names of HCS Officers already included in the Select List approved by the UPSC for appointment to the IAS who were recommended for appointment to the IAS by the State Government:

(1) Shri Hargo Lal

(2) Shri Ram Singh

Names of non-State Civil Service Officers submitted by the State Government to the Selection Committee for considering their suitability for appointment to the IAS:-

(1) Shri V.P. Sharma,

Joint Economic & Statistical Adviser

(2) Shri K.C. Gupta,

Joint Director, Panchayats

(3) Smt. K. Dewan,

Joint Director, Social Welfare Deptt.

(4) Shri M.K. Aggarwal,

Superintending Engineer B & R (he could not appear before the Selection Committee)

(5) Shri Bhupinder Jit Singh.

Joint Director Prosecution

(6) Shri D.V. Virmani,

Additional Director of Industries

None of these non-State Civil Service Officers was found suitable by the Committee for appointment to IAS.

Recruitment of Constables, Head Constables, Assistant Sub Inspectors

60. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Minister for Home be pleased to state the district wise number of Constables. Head Constables, Assistant sub Inspectors, Sub Inspectors and Inspectors recruited during the Year 1979-80, 1980-81 and 1981-82 (to date) together with the names of agencies through which recruited and criteria adopted for their recruitment separately?

Home Minister (Shri Kanahiya Lal Poswali): No direct recruitment is made in the rank of Head Constable and Sub Inspector In the Years 1979-80, 1980-81 and 1981-82 no direct recruitment was made in the rank of Inspector. The requisite information regarding recruitment of Constables and Assistant Sub-Assistant Sub-Inspectors is as under:

	1979-80		1980-81		1981-82	
	Constables	ASIs	Constables	ASIs	Constables	ASIs
Ambala	84	…	84	…	162	2
Karnal	73	1	64	…	63	…
Jind	4	…	18	1	58	…
Kurukshetra	130	1	5	1	112	…

Hissar	58	1	60	...	131	...
Bhiwani	58	1	21	...	91	...
Sirsa	52	...	41	...	38	....
Narnaul	28	...	21	...	32	....
Gurgaon	77	....	37	...	70	....
Faridabad	50	....	152	...	85	...
Rohtak	109	...	20	...	91	....
Sonepat	37	....	24	...	64	....

Four ex-servicemen were recruited as Assistant Sub Inspectors in 1979-80 to make good their quota of reservation, through the Subordinate Services Selection Board. 2 persons in 1980-81 and 2 in 1981-82 who were the sons of deceased Police employees were recruited as Assistant Sub Inspectors without the Channel of the Haryana Subordinate Services Selection Board according to the policy of the Government after relaxing the relevant rules where necessary and feasible. The prescribed standard for the recruitment of Assistant Sub Inspector is height 5-7”, chest 33”*34/2” and educational qualification is graduate.

The prescribed standard for the recruitment of Constable is hight 5-7”, chest 33”*34/2” and educational qualification is Matric. The recruitment in the rank of Constable was made by the Superintendents of Police. At the time of general recruitment, he candidates who fulfilled the prescribed standard of height, chest and educational qualification were given various physical tests and interviews and the selection was made on

the basic of their relative merit, wide publicity was made for the recruitment through available agencies.

Industrial Units Having Headquarters Outside The State

609. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) The total number of large Scale, Medium and Small Scale Industrial Units in the State together with the names of units whose Headquarters are out of State of Haryana to-date, separately;

(b) The steps, if any, taken by the Government during the last six months to get the Headquarters of the above said units shifted in Haryana; and

(c) The total estimated amount of revenue likely to be received from the units, as referred to in part (a) and (b) above, in case of their shifted head quarters are in Haryana, separately?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a) 33314. The rest of the information as at Annexure (A) is enclosed.

(b) The Governments is taking steps to persuade the units to get their headquarters shifted to Haryana. Haryana State Industrial Development Corporation normally imposes a condition before granting financial assistance that the Company's Headquarters should be located in Haryana. However, there is no legal provision under which the Company can be forced to shift its registered headquarters to Haryana.

(c) It si difficult to assess the exact amount of revenue that will accrue to the State if the Headquarters of Industrial units mentioned at (a) above are shifted to Haryana because even if the Headquarters are

shifted to Haryana an industrial unit can still continue to effect sales of goods manufactured in Haryana through its Branch office situated outside Haryana.

ANNEXURE-A

Names of Industrial units in Haryana Whose Headquarters are situated outside the State of Haryana.

Sr. No.	Name of the Industrial Unit
	M/s
1	Bhupindera Cement Works, Surajpur, Ambala
2	Seth Bros, Lesses Imperial Flour Mills, Ambala City.
3	H.M.T. Pinjore, Distt. Ambala
4	Premier Industries, 198, Indl,. Area, Panchkula.
5	Kapoor Brothers, Roller Flour Mills, 64, Panchkula.
6	K.K. & Co. 212, Indl. Estate, Panchkula.
7	Modern Ex-Servicemen Engg. Co. 208,

	Indl. Estate, Panchkula.
8	Paramount Paper Board Mill, 316, Indl. Area, Panchkula.
Jagadhari (Distt. Ambala)	
9	Jagan Nath Metal.
10	Star Paper Mill.
11	Crown Timber & Foods.
12	Kumar and Co.
13	Vinbro Traders.
14	Sudershan Timbers.
15	Haryana Matches Limited.
16	Hind Timbers.
17	Jatindra Timbers.
18	Shri Santosh Saw Mill.
Faridabad Distt.	
19	Caplet Pharmaceuticals (p) Ltd.
20	Delton Cable Industries (p) Ltd.
21	National Rubber Mfg. Co. Ltd.
22	Ranbaxy Lab (p) Ltd.

23	Usha Alloys and Steel Ltd.
24	Nanda Industries.
25	Bengal National Textile Mills Ltd.
26	Fizz Drinks (p) Ltd.
27	Bayer India Ltd.
28	Artee Minerals.
29	A.P.S. Electro Stampings (p) Ltd.
30	Coir Foam India Ltd. Faridabad.
31	Snowtemp Engg. Co. Ltd.
32	H.P. Industries.
33	National Air Products Ltd.
34	Mahavir Metal Works Ltd.
35	A.N. Bhaskar & Sons.
36	Unisystem Private Ltd.
37	Pharmachem Laboratories.
38	Davis & White.
39	Talbore Instruments.
40	Bharat Foam Udyog.
41	Kohinoor Paints (p) Ltd.

42	G.D. Industrial Engineers.
43	Usha Spinning and Weavings Mills.
44	Orient General Inds.
45	Dabar Doctor S.K. Burma.
46	Dhavsons Pharmatical
47	Indo-gem Pharmaticals.
48	Rishi Soap Works.
49	Refrigerations Asseciries Ltd.
50	Mehta Infat.
51	Remigton Rant of India
52	Nipha Export (p) Ltd.
53	Northern India Leather Co.
54	Leatherite Industries.
55	Rajdhani Electricals
56	Haryana Polymers.
57	S.G. Steel
58	Atul Dyes & Chemicals.
59	Bronze Powers (p) Ltd.
60	Bhandari Homeopathies Lab.

61	Chempel Engineers.
62	Dujedwala Industries.
63	Emulsion Products.
64	Fenner India Ltd.
65	Gas & Chemicals.
66	General Mfg. & Trading.
67	Globe Super Parts.
68	H.M.M. Ltd.
69	Jai Chemicals.
70	Komal Mfg. & Chemists.
71	K.G. Khosla Compressors Ltd.
72	M.G. Sahani & Company.
73	Midland Cycle & Motors.
74	Perfect Fastners (p) Ltd.
75	Precision Steel & Engg.
76	Libra Pharmaticals.
77	Heating Engineers.
78	S.B.R. Singhania Chemicals
79	Shri Krishan Chemicals.

80	Elofic Industries.
81	Resin & Terepone Inds.
82	Gedore Tools India.
83	Goodyear India Ltd.
84	Cuttler Hammer India
85	Crystics Resion India Ltd.
86	Bohra Mills.
87	Kamal Dal Mills, Hodel.
88	Jai Industries, Palwal.
89	Shri Ganesh Inds. Hodel.
90	Shiv Dal Mills. Hodel.
91	Hodel Dal Mills, Hodel.
92	Ganesh Inds., Palwal.
93	Gobind Dal Mills. Hodel
94	Goyal Dal Mills, Hodel
95	Goel Dal Inds., Palwal.
96	Durga Dal Mills, Hodel
97	Sanjay Inds., Ballabgarh.
98	Yoginder Paul Om Parkash, Palwal,

99	Vijay Dal Mills, Hodel
100	Bal Kishan Dass Jiteder Kr. Hodel.
101	Bansal Inds. Palwal.
102	Bodan Lal Sohan Pal, Hodel.
103	Akash Inds. Palwal
104	Ashok Kumar Mohinder Kumar, Palwal
105	Nathi Mal Kanwar Lal, Hodel.
106	Jindal Trading Co. Ballabgarh.
107	Krishan Inds. Ballabgarh.
108	Gopal Inds. Ballabgarh.
109	Ramotar & Co.
110	Vinay Inds., Ballabgarh.
111	Sham Inds. Ballabgarh.
112	Hari Dal Mills, Ballabgarh.
113	Nester Pharmactical, Faridabad. 3592/3542.
114	Nectrain Pharmacy, Faridabad. 5125/2170.
115	Rajindra Paper Mills, Faridabad. 6246/2973.

116	Venus Paper Mills, Faridabad. 2027/1901.
117	Suraj Lamps and Ind. (p) Ltd. Faridabad. 1946/1794.
118	Orient Electrical Insulation (p) Ltd. Faridabad. 1520/1202.
119	Kelvinator of India Ltd., Faridabad. 6549/3200
120	Electronics Ltd. Faridabad. 6687/3319.
121	Eicher Tractors India Ltd. Faridabad. 5401/2381.
122	Hindustan Brown Boweri Ltd. Faridabad. 4144/256.
123	Delhi Pulp Ind. Faridabad. 4703/1864.
124	Fibre Processor (p) Ltd. Faridabad. 6545/3196.
125	Haryana Paper Mills/Orient Steel and Wire Ltd. 5992/2804.
126	Hindustan Srings (p) Ltd. Faridabad. 5150/2202.
127	Microb Laboratories Ltd. Faridabad. 3038/2788.
128	Motoren Inds., Faridabad. 4873/1192.

129	Rattan Chand Harjas Rai Moulding (p) Ltd, Faridabad. 7181/3721.
130	Orient Micro Abrasives Ltd. Faridabad.
131	Nanda Ind. And Sales Corp, Faridabad.
132	Orient Carrinating Co., Faridabad.
133	Metal India Faridabad.
134	Madras Rubber Factory Ltd. Faridabad. 1200/1108.
135	Dunlop India Ltd. Faridabad.162/563.
136	Premier Tyres, Faridabad. 3095/3945.
137	Premier Straw Board, Faridabad. 3922/2733.
138	Perfect Polymers, Faridabad. 3320/3928.
139	Alpha Met (p) Ltd. Faridabad. 2525/1835.
140	Perfect Pack Ltd. Faridabad. 1939/1274.
141	Nit Needless, Faridabad. 2250/1802.
142	Usha Electronics Ltd. Faridabad. 2680.
143	Chemplast Inds. Faridabad. 2853/2818.

144	E.S.P.I. Agricultural Ltd. Faridabad. 1106/1000
145	Elson Cotton Mills Ltd., Faridabad. 6850/3446.
146	Hind Polymers, Faridabad. 4120/3809.
147	Haryana Chemicals, Faridabad. 1647/903.
148	Jain Solvant Plant, Faridabad. 468/684.
149	Gaytri Flour Mills, Faridabad. 5248/5101.
150	Sono Electricals (p) Ltd. Faridabad. 3298/2648
151	Dabriwala Steel & Engg. Co. Ltd. Faridabad.. 1414/850.
152	Haryana Containers Ltd. Faridabad. 2438/1140.
153	Avon Services (p) Ltd., Faridabad. 5795/2652.
154	New India Conduit Pipes, Faridabad. 5714/2582.
155	Avery India Ltd. Faridabad. 1191/103.

156	Oswal Steels Ltd. Faridabad. 867/864.
157	Hydrabad Asbestos Cement Products, Faridabad. 6355/3058.
158	Jain Plastic Inds. Faridabad. 3928/3320.
159	Auto Pins India Regd. (p) Ltd. Faridabad. 5903/379.
160	Sardatond Assessing. 2241/1521.
161	Auto Metres Ltd. 6033/2834.
162	Hindustan Wire, Faridabad. 1107/437.
163	Ronue and Company (p) Faridabad. 748/660.
164	Jatindra Steel and Tubes, Faridabad. 7747/4201.
165	Shalimar Tar Products, Faridabad. 7406/3906.
166	J.K.Tyre Ltd. Faridabad.
167	India Trading Corporations, Faridabad.
168	Atul Glass Inds. (p) Ltd., Faridabad.
169	Thomson Press (India) Ltd. Faridabad.
170	Partap Steel, Sector 25, Faridabad.

171	Bata (India) Ltd. NIT, Faridabad.
172	East India Cotton Mfg. Co. 7, NIT, FBD.
173	Bharat Carbon & Robbon Mfg. Co. NIT, FBD.
174	Dhanda Engineers Pvt. Ltd., NIT, FBD.
175	Hindustan Vaccum Glass Ltd. FBD.
176	Hitkari Potteries, NIT,FBD.
177	Laldee Pvt. Ltd., Indl. Area, FBD
178	Ply Cast (Delhi) Pvt. Ltd. FBD
179	Ondian Gas Cyclinders 14/1 M.R., FBD
180	Laxshmi Flour Mills, FBD.
181	Anand Synthetics Pvt. Ltd., 22 K.M., FBD
182	Sharco Inds. Pvt. Ltd., FBD.
183	Indian Alluminum Cables Pvt. Ltd., FBD.
184	Ameet Machine Tools, FBD.
185	Usha Rectifier, 12/1, FBD.
186	Usha Telehost Ltd. FBD.

187	Amar Palli, Pvt. Ltd., FBD.
188	Bharta Carpet, FBD.
189	Endee Woolen & Silk Mills Pvt. Ltd., FBD.
190	New Allenbary Works, FBD.
191	Universal Steel Alloys Ltd., FBD.
192	Printer House Pvt. Ltd. Ballabgarh.
193	Elson Cotton Mills, Ballabgarh.
194	Escorts J.C.B. Ltd., Ballabgarh.
195	B eco Engg. Co., Ballabgarh.
196	Dulmia Electronics Corp., Ballabgarh.
197	Star Wire (India) Ltd.
198	Scofic (India) Ltd., New Delhi.
199	ESPI Inds. Corp., New Delhi.
200	Deepak Inds. Ltd. Faridabad
201	Hein Lehmann India Ltd. Faridabad
Gurgaon Unit	
202	Enkay India Rubber Co. Gurgaon
203	Nibbro Ltd. Gurgaon

204	Jawala Textiles Mill, Gurgaon
205	Sree Inds., Gurgaon
206	Gases & Equipments, Gurgaon
207	Continental Paints, Gurgaon
208	Indo Swiss Time, Gurgaon
209	Motor Industries, Gurgaon
210	I.D.P.L., Gurgaon
211	Acropoleymers (p) Ltd., Gurgaon
212	Jullundur Automobiles.
213	Narand Metal Ind., Gurgaon
214	Steer-well, Gurgaon
215	Surya Creation (p) Ltd., Gurgaon
216	Kay Kay Inds., Gurgaon
217	Anand Gases Ind., Gurgaon
218	Lara Inds., Gurgaon
219	Amarnath & Sons Gahi-Harsaru Gurgaon
220	Ceep Basket Faruk Nagar, Gurgaon
221	Temperite Engg., Works, Gurgaon

222	Shirlee Chemical, Gurgaon
223	Envoys Electronics, Gurgaon
224	Amar Brothers, Gurgaon
225	Bajrangbali Ind, Gurgaon
226	S.S. Small Scale Industry, Gurgaon
227	Bihari Lal Babu Lal, Gurgaon
228	Haryana Cork Ind., Gurgaon
229	Mahaluxmi Inspat Udyog, Gurgaon
230	Exact Techmatics, Gurgaon
231	New Age Inds., Gurgaon
232	Jai Shree Tea Co., Gurgaon
233	Meditax Phrma Ltd., Gurgaon
234	G.K. Steel Wire Products, Gurgaon
235	Nue Foam Rubber Inds., Gurgaon
236	Sapna Foam Udyog, Gurgaon
237	Naresh Rubber Inds. Gurgaon
238	Manohar Inds., Gurgaon
239	Sudarshan Inds., Gurgaon
240	Deena Prints, Gurgaon

241	Kamal Sales Corp., Gurgaon
242	Noble Remmedies (India) (p) Ltd. Gurgaon
243	Haryana Bailogical (p) Ltd., Gurgaon
Distt. Hissar	
244	Delhi Cloth & General Mills Co., Ltd.
Distt. Karnal	
245	National Fertilizers Ltd., V. Binjhor-Panipat
246	Jai Bharat Hardware Co. Industrial Area, Panipat
247	A.S. Jain Electronics, Inds. Area, Panipat
248	Occanic Exports, G.T. Road, Panipat
249	Texco Home Furnishing Pvt. Ltd. G.T. Road, Panipat
250	Goela Woolen & Engg. Works, Inds. Area, Panipat
251	A.S. Industrial Gases Ltd., Panipat
Distt. Jind	
252	Industrial Cables Ltd., Kilazafargarh.

253	Milk Plant, Jind
254	K.C. Textiles, Jind
255	Haryana Cattle Feed Plant, Jind.
256	Haryana Roller Flour Mills, Jind.
Mohindergarh Distt.	
257	Naryana Detergent, Dharuhera.
258	Sehgal Papers, Dharuhera.
259	Vinex, Dharuhera.
260	East India Syntex Ltd., Dharuhera.
261	Dharuhera Chemicals Ltd., Dharuhera.
262	Multitech International Ltd., Dharuhera.
263	J.B. Paper Mills Pvt. Ltd., Dharuhera.
264	H.P. Industries, Delhi Road, Rewari.
265	Rewari Textiles, Delhi Road, Rewari
266	Suri Papers & Chemicals Ltd., Dharuhera.
267	Pashupati Spinning & Weaving Mills, V.Kapriwas Dharuhera.
268	Om Steel Tubes Ltd., V. Kapriwas Dharuhera.

269	Premier Drugs, Dharuhera.
270	United Chemicals Industries, Dharuhera.
Rohtak Distt.	
271	Hindustan Sanitary Ware & Inds., Bahadurgarh.
272	Hindustan National Class Ltd. Bahadurgarh.
273	Pharma Chem., M.I.E. Bahadurgarh.
274	Puri Brothers, Bahadurgarh.
275	Flash Laboratories (p) Ltd., Bahadurgarh.
276	Rawal Industries, Bahadurgarh.
277	Jay Cee Forging & Steel Rolling Mills Bahadurgarh.
278	Somany Pilkington's Ltd., Bahadurgarh.
279	Swatic Pipes (p) Ltd., Bahadurgarh.
280	Pakash Tubes Ltd. Bahadurgarh.
281	Marton Paints, Bahadurgarh.
282	Uni-Dye Chem, Bahadurgarh.

283	Bharat Udyog, Bahadurgarh.
284	National Steel Indust. Bahadurgarh.
285	Archna Metal (p) Ltd., Bahadurgarh.
286	New India Refrigration Stores, Bahadurgarh.
287	British Electric Pump, Bahadurgarh.
288	Luxmi Dass Haru Chand Bahadurgarh.
289	Rubber House, Bahadurgarh.
290	Ram Dass Barkat Ram, Bahadurgarh.
291	Siri Chand Steel Rolling Mills, Bahadurgarh.
292	Tara Industries, Bahadurgarh.
293	Verma Engg. Works. Bahadurgarh.
294	Bansal Paper Mills, Bahadurgarh.
295	Mechnical Movement (p) Ltd., Bahadurgarh.
296	Mehta Ji and Co., Bahadurgarh.
297	Kiran Trading Co., Bahadurgarh.
298	Grand Tin Manufacturing Co., Bahadurgarh.
299	Balco., Bahadurgarh.

300	H.R. Gupta Indust. Bahadurgarh.
301	Thakur Steel Tubes Ltd. Bahadurgarh.
302	Vim-Pex Dye Chem, Bahadurgarh.
303	Nathu Mai Pohkar Mal, Bahadurgarh.
304	Ajay Udyog, Bahadurgarh.
305	Encheel Chemicals, Bahadurgarh.
306	Jai Dinesh Steel Indust., Bahadurgarh.
307	Raghu Nath Indust. Bahadurgarh.
308	Basic-Pharma, Bahadurgarh.
309	Belaproducts, Bahadurgarh.
310	Haryana Chemicals & Pesticides, Bahadurgarh.
311	H.R. Bhalla & Sons, Bahadurgarh.
312	Vikram Rubber & Allied Inds., Bahadurgarh.
313	Diamond Steel Works, Bahadurgarh.
314	Gobind Steel Indust. Bahadurgarh.
315	Ramesh Indust., Bahadurgarh.
316	Emperial Electric 7 Radio Mart, Bahadurgarh.

317	Indo-dye-Chem, Bahadurgarh.
318	Khanna Engg. Services, Bahadurgarh.
319	Bharat Varnish & Paints, Bahadurgarh.
320	Eastern Laboratories, Bahadurgarh.
321	Parley Biscuits Pvt., Ltd.
322	Laxmi Precision Screw Ltd., Rohtak.
323	Nav Bharat Inds., Rohtak.
324	Mohan Spinning Mills., Rohtak.
Sonepat Distt.	
325	Elesto Chem. (p) Ltd., Sonepat.
326	Joyti Steel Jatheir, Sonepat
327	Samart Industries, I/A Sonepat
328	Mercury Rubber Mills, Rasoi.
329	Mahesh Katha Factory., Bahalgarh.
330	Haryana Vanaspati & General Mills.
331	United Chemicals Ind., Rasoi.
332	Chaudhary Chemicals, Bahalgarh
333	Rubber Reclaim Co. of India, Bahalgarh.

334	Grover Enterprises, Sonepat.
335	Amritsar Oil & Chemical Mills, Sonepat.
336	B.S.T. Ganaur.
337	Hilton Rubber Mills Rasoi.
338	Vee Pharma Indl. Area, Sonepat.
339	Aro Chemicals, Sonepat.
340	Appolloo Industries. Sonepat.
341	Golden Inssulation, Sonepat.
342	Kapoor Rubber Industries, Sonepat
343	Asian Laboratory, Kundli.
344	Tanent Belting Ind. Sonepat.
345	Super While Engg., Kundli.
346	Haryana Sheet & Glass.
347	A.R. Dutt. Kundli
348	Bindra Ban Ram Darshan, Sonepat.
349	Gripos Laboratories, Sonepat
350	Electric Constn. & Equipment Co., Sonepat
351	Haryana Steel & Alloys, Rai.

352	Madan Leather, Sonepat.
353	Harcules Tyres & Rubbers, Rai
354	Jai Engineering Works, Kundli.
355	Hindustan Leavers Kundli.
356	Saco Rubber Kundli.
357	Popular Steel Inds., Bahalgarh.
358	Syntho Pharma, Sonepat.
359	Jasbro and Company, Rasoi.
360	Havchetan Inds. G.T. Rooad, Rasoi,
361	Coralie Electronics Pvt. Ltd., Sonepat.
362	Bawa Iron Steel Indus., Sonepat.
363	Sharp Edge Corporation, Sonepat
364	Orgango Chemicals Inds. Sonepat.
365	Deekay Wires Limited, Sonepat.
366	Sooraj Steel Ltd., Industrial Area, Sonepat
367	Maco Pvt. Ltd., Industrial Area, Sonepat.
368	Hindustan Rolling & Wire (p) Ltd., 41/4, Sonepat.

369	Haryana Electro Steel Ltd., G.T. Road, Sonepat.
370	Gedore Tools (India) Ltd., Kundli.
371	Hindustan Everest Tools Ltd., Jatheri Sonepat
372	Sunder Singh & Co. Rai Sonepat
373	Tirppati Woolen Mills Ltd., Nathupur
374	Shanti Papers. Rai.
375	Choukhany India Private Ltd. Kundli
376	Sonlem (India) Dipalpur Road, Bahalgarh (Sonepat).
377	Hypo Chemidye, Dipalpur Road, Sonepat.
378	Haryana Rang Udyog, Dipalpur Road, Bahalgarh (Sonepat).
379	H.B.R. Chemicals Dipalpur Road, Bahalgarh (Sonepat).
380	H.B.R. Chemicals Dipalpur Road, Bahalgarh (Sonepat).
381	Sighania Paper and Chemicals Mills, Dipalpur Road, Bahalgarh (Sonepat).
382	Metachem Industries, Khewra Road,

	Bahalgarh (Sonepat).
383	Haryana Steel Rolling Mills, G.T.Road, Bahalgarh (Sonepat).
384	Super Trackfast Pvt. Ltd., G.T. Road, Bahalgarh (Sonepat).
385	Key Cee Engineers, G.T. Road, Rai Sonepat.
386	Northland Rubber Mills, (p) Ltd., G.T. Road, Rai.
387	Popular Rubber Mills, G.T. Road, Rasoi, PO, Nathupur
388	Golden Rubbers, G.T. Road, Rasoi, PO. Nathupur (Sonepat)
389	K.R. Indus., Narela Road, Kundli (Sonepat)
390	Haryana Plywood Indus., G.T. Road, Kundli (Sonepat)
391	Sigma Rubber (p) Ltd., G.T. Road, Kundli (Sonepat)
392	Kumar Card Board Factory, G.T. Road, Rasoi, PO. Nathupur
393	Hastinapur Metal (p) Ltd., G.T. Road, Kundli (Sonepat)

394	Cee Pham Laboratories Pvt. Ltd. G.T. Road, Kundli (Sonepat)
395	Modern Electronics Vanaspati Building G.T. Road, Kundli (Sonepat)
396	Sarwa Time Industries, Sonepat-Bahalgarh Road, Bahalgarh.
397	Soorajmul Baijnath Industries Pvt. Ltd., Industrieal Area.
398	The Steel & General Mill Co. Ltd., Industrieal Estate Sonepat.
399	Chandra Auto Spares & Allied Industries (p) Ltd., Industrial Estate, Sonepat
400	Asco Industrial Corp 7-A Indl. Estate Sonepat.
401	Organo Rubber Industries (p) Ltd. Industrial Area, Sonepat.
402	Arunadoy Rubber (p) Ltd., Industrial Area, Sonepat
403	Kumar Iron & Steel Rolling Mill, Industrial Area, Sonepat
404	Research N. Sales, Industrial Area, Sonepat.
405	Rahdhani Farma, V. larsauli, Sonepat

406	Refractories Entreprieses, Vill. Bhagan, Sonepat
Distt. Sirsa.	
407	Hafed Ginning & Cotton Seed Processing Complex, Ding.
408	Haryana Dairy Development Co-op., Federation Ltd., Sirsa.
409	B.G. Finance & Industries, Co-op., Federation Ltd., Sirsa.
410	Harji Ram Balwant Singh Dabwali Road, Sirsa
411	Sirsa Woolen Mills, Dabwali Road, Sirsa.
412	Padmavati Raje Cotton Ginning & Pressing Factory Dabwali Road, Sirsa.
413	Sirsa Ind. Ind. Area, Sirsa
414	Bawa Crushing & Fertilizers, G.T. Road, Dabwali, Sirsa.
415	Sunder Dass Satia, Cotton Ginning & Pressing Factory, Ellenabad (Sirsa).

Opening of Liquor Vends IN Chautala and Gauri

675. Dr. Mangal Sein: Will the Minister For Excise and Taxation Be pleased to State Whether the Government has decided to open liquor vends in the prohibited areas of Chautala and Gauri; if so, the reasons thereof ?

Excise and Taxation Minister (Chaudhri Mehar Singh Rathee): Yes. The Government have decided to open liquor vends in chautala and Gauri. The liquor vends at these places are being opened as it is felt that there is no use in having a “dry” pocket when there is no prohibition in the surrounding areas.

Complaint against the Acting Vice-Chancellor

671. Dr. Mangal Sein: Will the Minister for Education be pleased to state whether the Government has received any complaint during the last year 1981 or 1982 against the Acting Vice Chancellor of Kurukshetra University alleging misappropriation of funds and arbitrary actions; if so, a copy of the complaint memorandum be placed on the table of the House?

ि ाक्षा मंत्री (चौधरी देस राज): ऐसी कोई भी ि ाकायत सरकार के पास वर्श 1981 या 1982 में प्राप्त नहीं हुई है ।

Distribution of Residential Land to Harijans

663. Dr. Mangal Sein: Will the Minister for Finance be pleased to state:-

(a) Whether any residential land was distributed to the Harijans at village Sondhi Pana Dudyan, Tehsil and District Rohtak,

during the year, 1952-53; if so, the names and addresses of Harijans to whom it was distributed ; and

(b) Whether the physical possession of the land, referred to in part (a) above, was given?

Revenue Minister (Chaudhri Sher Singh):

(a) The name of village Sondhi Pana Dudyan is not Correctly shown. According to the revenue record there is a villager namely Sanghi in tehsil and district Rohtak, in which a Pana Dudyan exists. In this village, the residential land was distributed to 10 Harijans, during the year 1952-53, when the Consolidation was done in this village. The names and addresses of these Harijans are given at Annexure "A".

(b) Yes.

ANNEXURE "A"

Sr. No.	Name and parentage of the Harijans allottee	Address.
1	Sh. Shiv Karan S/o Gopal	V. Sanghi Pana Dudyan (Rohtak)
2	Sh. Ram Sarup S/o Shiv Karan	Do
3	Sh. Jaswant S/o Kundan	Do
4	Smt. Singari W/o Sardara	Do
5	Sh. Neki S/o Shadi	Do

6	Sh. Balbir S/o Neki	Do
7	Sh. Chet Ram S/o Dalip	Do
8	Sh. Lakhi S/o Bhola	Do
9	Sh. Chandgi S/o Gurgan	Do
10	Sh. Dhulia S/o Kurre.	Do

Dacoity of Iron Bars, Pipes and Cement in District Rohtak

674. Dr. Mangal Sein : Will the Minister for Home be pleased to state:-

(a) Whether any dacoity case of Iron Bars (Sariyas), Pipes and Cement lying on the road at village Chandi, District Rohtak, has occurred on 1-8-81; and

(b) if so, the action, if any, so far taken thereon?

Home Minister (Shri Kanhiya Lal Poswal):

(a) Only Iron bars (Sariyas) worth Rs. 15000 were reported to have been removed from the site of the Water Works in village Chandi District Rohtak, on 1-8-81 and a case, FIR No. 120 dt. 1-8-81 u/s 395/397 IPC, Police Station Meham was registered.

(b) After conducting a thorough investigation an untraced report was sent on 12-1-82. However, the local police is on the look out for such gangs and as and when any clue comes to notice, the investigation of the case will be reopened.

Leakage from J.L.N. Canal

673. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state:-

(a) Whether the Government has received any representation from the farmers of village Dhamar, in Rohtak District that their valuable agricultural land measuring about 1500 acres had been water-logged due to leakage of water from the newly constructed J.L.N. Canal ; and

(b) If so, the action, if any, taken in the matter?

Irrigation & Power Minister (Sardar Tara Singh):

(a) & (b) Yes, the representation from farmers of village Dhamar has been received. The water logging problem is a general problem in this area and was existing even before the construction of J.L.N. Canal. It is for this reason that a pamp house was installed by the Irrigation Department for draining out the water and it has been working since 1969.

Food for Work Programme in the State

684. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state:-

(a) The total amount of foodgrains received in the State Under the Food for Work Programme during 1978-79, 1979-80 and 1981-82 (to date);

(b) The constituency-wise/ tehsil-wise details of distribution of the food grains, referred to in part (a) above; and

(c) Whether there is any proposal under consideration of the Government to execute the aforesaid programmed on permanent basis; if so, the details thereof?

Interim Reply

Subject:- Unstarred Assembly Question No. 684-Regarding Food for Work Programme.

The Unstarred Assembly Question No. 684 asked by Sh. Mool Chand Jain. M.L.A. appearing in the list of unstarred Question on the 25th March, 1982, in the name of Minister for Development and Panchayat, is not ready. The requisite information is being collected from the field in the State. The reply will be submitted as soon as the relevant information has been collected.

2. This subject falls in the partfollo of Revenue Minister and Development and Panchayat Minister and reply will be sent accordingly.

Sd/-

Revenue Minister,
Haryana.

To

The Secretary,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh.

U.O.No. 495. NREP-II-82/1989 Chandigarh, dated 24-3-82

Endst No. 495-NREP-II-82/ Chandigarh, dated

A copy is forwarded to the:-

1. Private Secretary to the Chief Minister.

2. Chief Secretary to Govt. Haryana, (in political Branch).

3. Secretary to Governor, Haryana.

4. Private Secretary to Minister for Parlimentary Affairs, Haryana

For information

Sd/-

Revenue Minister,
Haryana

Industrial Units in the Rural Areas in the State

685. Shri Mool Chand Jain: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) The number of places, with complete addresses where industries have been set up in the rural areas in the State during 1979-80, 1980-81 and 1981-82 up-to-date;

(b) The number of units set up during 1978-79 and 1979-80 and the number of units out of them which are in working condition together with the number of units which have been closed along with the reasons for their closure; and

(c) Steps, if any, taken or proposed to be taken to restore the working of the closed units?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a) The statement at Annexure “A” regarding the number of units set up is enclosed. The time and labour involved in collecting the remaining information will not be commensurate with any possible benefit to be derived.

(b) The desired information is available in Annexure ‘B’

(c) Efforts are made to diagnose the causes of sickness and remedial action is taken wherever practicable. Where closure has been caused due to financial tightness Banking or other institutions are prevailed upon to give requisite financial assistance to facilitate re-starting of closed units. When closure has been due to marketing problems. Haryana State Small Industries & Export Corporation extends necessary assistance by securing orders from Govt. Deptts. and other agencies. The State Govt. have reserved 26 items being manufactured by Rural Industries for exclusive purchase by the Govt. departments through the agency of the corporation. Distt. Level Coordination Committee are holding regular meetings under the Chairmanship of Deputy Commissioner to sort out various problems of the Rural Industrial Units.

ANNEXURE-A

Name of Distt.	Large & Medium Industries			Small Scale Industries (Excluding R.I.Units)			Rural Industries		
	1979-80	1980-81	1981-82	1979-80	1980-81	1981-82	1979-80	1980-81	1981-82 (up to 28-2-82)
Ambala				60	43		79	152	485
Bhiwani			1		42		147	192	172
Faridabad						3	133	203	243
Gurgaon		2			292	107	98	209	323
Hissar	1	2	2	20	28		137	210	204
Jind	1			7	97	104	91	201	163
Karnal				55	87	501	139	237	221

Kurukshetra			1			21	127	206	161
Mohindergarh		2	5		52	22	170	166	360
Rohtak				46	11	39	195	564	375
Sirsa					36		167	142	210
Sonepat			1	60	48	37	203	333	197
Total	2	6	10	248	736	834	1628	2815	3114

ANNEXURE-B

Information regarding No. of units during 1978-79 and 1979-80, No. of units in working condition and No. of units which have been closed alongwith reasons of their closure is given as under:-

	Large & Medium Industries		Small Scale Industries (Excluding R.I Units)		Rural Industries	
	1978-79	1979-80	1978-89	1979-80	1978-79	1979-80

No. of Units set up	2	2	1635	1709	697	1688
No. of units in working condition	2	2	1635	1709	580	1551
No. of units closed					117	137

The main reasons for the closure of these units are:-

(i) Mis-management of units and lack of interest by entrepreneurs.

(ii) Financial difficulties.

(iii) Marketing difficulties.

(iv) Mis-utilisation of Quota and consequential suspension of raw material supplies.

(v) Disputes amongst partners.

(vi) Death of the active partner and lack of interest on the part of the surviving partner.

(vii) Domestic problems of an entrepreneur interfering with the normal working of the unit.

Opening/Upgrading of Schools

686. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Education be pleased to state

(a) The constituency-wise names of the new schools opened and existing schools upgraded during the year 1980-81 and 1981-82 (to date) separately in the State:

(b) The names of the schools proposed to be opened and existing schools proposed to be upgraded during the year 1982-83; and

(c) The number of the Girls Schools out of those referred to in parts (a) and (b) above?

Education Minister (Chaudhri Des Raj):

(a) Requisite information is enclosed.

(b) No decision has yet been taken about the number of schools to be opened/upgraded during 1982-83.

(c) The number of girls schools referred to in part (a) is as under:

	1980-81	1981-82
Number of Primary school opened	1	1
Number of School Upgraded to Middle Standard	17	15
Number of School Upgraded to High	8	15

Standard		

In view of reply to part (b) above the question of giving the number of such schools does not arise.

Constituency wise list of Schools opened during the year 1980-81 and 1981-82

Sr. No.	Name of Constituency	Name of schools opened during the year 1980-81	Name of schools opened during the year 1981-82
District Ambala			
1	Jagadhari	Nil	1. G.P.S. Sabilpur Jattan. 2. G.P.S. Khundewal
2	Naraingarh	Nil	1. G.P.S. Belhapalpur. 2. G.P.S. Bherro.
3	Sadhaura	Nil	1. G.P.S. Ferozepur Aranai
District Bhiwani			
1	Mundhal Khurd	Nil	1. G.P.S. Rankoli. 2. G.P.S. Saunf.
2	Bawani Khera	Nil	1. G.P.S. Separ 2. G.P.S.

			Aurangnagar.
District Faridabad			
		Nil	Nil
District Gurgaon			
1	Sohna	Nil	1. G.P.S. Nawada-Fatepur.
District Jind			
1	Safidon	1. G.P.S. Harijan Basti, Safidon	Nil
2	Kalayat	2. Nil	1. G.P.S. Kalayat Mandi
District Hissar			
1	Ghirai	1. G.P.S.S. Kaimari	1. Nil
2	Adampur	1. Nil	1. G.G.P.S. Balsamand.
3	Hansi	1. Nil	1. G.P.S. Lalpura
District Karnal			
1	Assandh	Nil	1. G.P.S. Kutana
2	Jundla	Nil	1. G.P.S. Manchuri.
3	Gharaunda	Nil	1. G.P.S. Garhi Multan

			2. G.P.S. Dhakwal Rodan. 3. G.P.S. Mustafabad 4. G.P.S. Andhera 5. G.P.S. Kharazpur 6. G.P.S. Nassirpura 7. G.P.S. Dabarkipar 8. G.P.S. Mundigarhi. 9. G.P.S. Suhana
4	Nilokheri	Nil	1. G.P.S. Latro. 2. G.P.S. Goan Nilokheri. 3. G.P.S. Samsipur 4. G.P.S. Patanpur 5. G.P.S. Barahman Majra.
5	Karnal	Nil	1. G.P.S. Jatpura. 2. G.P.S. Zaphirabad.

6	Indri	Nil	1. G.P.S. Bidrai Tikhani. 2. G.P.S. Mugal Majra. 3. G.P.S. Mangalpur.
7	Naultha	Nil	1. G.P.S. Jitgarh.
District Kurukshetra			
1	Thanesar	Nil	1. G.P.S. Kheri Brahaman.
2	Radaur	Nil	1. G.P.S. Kartarpur. 2. G.P.S. Nagala Sadhan. 3. G.P.S. Shabjadpur. 4. G.P.S. Ghispur.
District Mohindergarh			
1	Ateli	Nil	1. G.P.S. Kamania.
2	Mohindergarh	Nil	1. G.P.S. Dhani Chhajiyawas.
3	Narnaul	Nil	1. G.P.S. Dhani Kurria.

District Rohtak			
1	Rohtak	1. G.P.S. Rajinder colony, Bhiwani road, Rohtak	Nil
District Sonepat			
		Nil	Nil
District Sirsa			
1	Ellanabad	1. G.P.S. Mithanpur Dhani	1. G.P.S. Matuwala. 2. G.P.S. Dhani Lakhji.
Constituency-wise list of Schools Upgraded During 1980-81			
Sr. No.	Name of the Constituency	Name of the School Upgraded to Middle Standard	Name of the School Upgraded to High Standard
Ambala			
1	Mullana	1. Thakur Pura 2. Gola	1. Samlehri 2. Pasayala
2	Kalka	1. Manak Tabra 2. Dhatogra	
3	Naraingarh	1. Mauli 2. Rampur Thandu	1. Toda 2. Bharog

			3. Hamidpur 4. Raiwali
4	Chhachrauli	1. Gaur Dibipur 2. Mehar Majra	1. Jaidher
5	Nagal	1. Pilkhani	1. Babiyal 2. Shahpur 3. Khaira
6	Sadhaura	1. Jagdhauli	
Distt. Bhiwani			
1	Bawani Khera	1. Dang Kalan 2. Bhurtana	
2	Tosham	1. Alampur 2. Chandwas 3. Hetampura 4. Kairu	1. Bhera 2. Devsar
3	Mundhal	1. Rewari Khera	1. Badsera
4	Badhara	1. Dohka Mauji	
5	Dadri	1. Kheri Bura (G) 2. Dohki	

Distt. Karnal			
1	Nilokheri	1. Anjen Thali 2. Badhal	1. Sagga
2	Naultha	1. Lohari	1. Dadola
3	Gharanuda	1. Rair Kalan 2. Kohand	1. Ucha Samana
4	Jundla	1. Shahpur 2. Agond	1. Bras
5	Indri	1. Kunjpura (G)	1. Kheri Man Singh 2. Uchana
6	Panipat	1. Gola Kalan 2. Nizampur	
Distt. Sonepat			
1	Baroda		1. Chhatera 2. Mohmoodpur 3. Butana 4. Dhanana 5. Nura Khera (G)
2	Gohana	1. Kheri Damakan	1. Bidhal (G)

3	Rohat	1. Matindu	1. Harsana Kalan
4	Kailana	1. Beri 2. Kheri Gujjar 3. Garhi Jhajjra (G) 4. Pugthala 5. Chulkana (G) 6. Kurar	1. Ghasauli 2. Kailana 3. Datauli (G)
5	Rai	1. Jakhauli	1. Albarpur Barota
Distt. Jind			
1	Julana	1. Shamlo Kalan (G)	1. Nidhana 2. Karela
2	Narwana	1. Hamjor Garh	1. Balerkha 2. Kharal
3	Uchana	1. Surbara	1. Mangalpur
4	Ssfidon	1. Rajana Kalan 2. Bhar-Khera 3. Baju Kalan	1. Bagru Kalan
5	Jind	1. Jhanj Kalan	

		2. Rupgarh 3. Baraha Kalan	
6	Kalayat	1. Sanghan	1. Lodhar
Distt. Hissar			
1	Fatehabad	1. Muhmmadpur Sutar 2. Ayalki 3. Khajuri	
2	Ghiray		1. Debra 2. Satrod
3	Derba Kalan	1. Kukrawali 2. Pili Manadhari (G)	
4	Hissar		1. Juglan
5	Adampur	1. Siswala 2. Kirtan 3. Neoli Kalan 4. Matersham 5. Salimgarh 6. Bagla	1. Rawalwas Khurd 2. Muklan 3. Sarsana 4. Shahpur 5. Moda Khera 6. Kabror

		7. Kalwas 8. Rawalwas Kalan 9. Gorchi	
6	Tohana	1. Pirthala (G) 2. Loha Khera 3. Parta	1. Dhani Gopal
7	Barwala	1. Budhakhera	
8	Ratiya	1. Birabadi 2. Baliyala 3. Alwalwas	1. Bhadola wali
9	Bawani Khera	1. Daya 2. Majhadpur	1. Chirodh
10	Bhattu Kalan	1. Bhabi Kalam 2. Thaska 3. Daroli 4. Chuli Kalan 5. Suli Khera 6. Mahuwala	

		7. Banmandori 8. Kalirawan 9. Badopal (G) 10. Chuli Bagrian (G) 11. Landhri (G)	
11	Narnaud	1. Sulchaini 2. Bass (G)	1. Lohari Ragh 2. Masud Pur
Distt. Rohtak			
1	Hasangarh	1. Karor	1. Atayal 2. Dataor
2	Kiloi		1. Bohar
3	Meham		1. Ajaib 2. Gorawar
4	Kalanaur	1. Garhi Ballabh	1. Lahali
5	Jhajjar	1. Chhapar	1. Chhuchhakwas 2. Ukhal Chana
6	Beri	1. Gangtain 2. Dhandhlan	

7	Sahlawas	1. Gamri 2. Tumna	1. Karoli
8	Bahadurgarh	1. Jakhoda 2. Tanda Heri 3. Kihroli Pahladpur 4. Jasaur Kheri (G)	1. Barona 2. Balorre 3. Kasar
9	Badli	1. Bupania (G) 2. Chhudani	
Distt. Gurgaon			
1	Nuh	1. Gultla 2. Tain 3. Pingawan (G) 4. Basai Khanjada	
2	Gurgaon	1. Mankraula 2. Bajghera	
3	Sohna	1. Bhandsi (G)	1. Kedarpur 2. Harchandpur
4	Pataudi	1. Karula 2. Pataudi (G)	1. Farrukh Nagar (G)

5	Ferozepur	1. Jamalgarh 2. Agon	1. Rawli
6	Taoru	1. Dhulwat 2. Padani 3. Ratiwas 4. Gangoli 5. Khodbasai 6. Bajhera	1. Tabru (G) 2. Mohmmatpur Ahir 3. Khera Khalilpur
Distt. Faridabad			
1	Faridabad	1. Saran	1. Faridabad NIT No.3
2	Mawla Maharajpur	1. Dhakhola 2. Bhupani	1. Payta
3	Ballabgarh	1. Katesra	1. Machgarh
4	Hassanpur	1. Palekh	1. Meesa
5	Hathin	1. Hurthal	1. Alimev 2. Gharot 3. Karoka
Distt. Sirsa			
1	Rori	1. Jharar Rohi	1. Sukhchani

		2. Dadu 3. Chor Mar	
2	Dabwali	1. Jandwala 2. Lohgarh	1. Mithri
3	Darba Kalan	1. Gosaiana	1. Malekan (G)
4	Sirsa		1. Neza Dela Khurd
5	Ellenabad		1. Keharwala
Distt. Kurukshetra			
1	Thanesar	1. Mehra 2. Khairi 3. Durala	1. Ladwa (G) 2. Parhladpur
2	Pundri	1. Dussain	1. Bakal 2. Naina Dhos 3. Sarsa
3	Shahbad	1. Padlu	1. Churani Jattan 2. Tangore

4	Guhla	1. Pidal	1. Cheeka (G)
5	Pehowa	1. Sandholi 2. Isaq	
6	Radaur		1. Mangoli Jatan
7	Kaithal	1. Khanada	1. Navach
Distt. Narnaul			
1	Narnaul	1. Antri Biharipur 2. Masnota	1. Golwa
2	Ateli	1. Kunjpura 2. Chand Pura 3. Bachhod (G) 4. Mulodi 5. Mandi	1. Dhani Bhototha
3	Mohindergarh	1. Sundrah 2. Beri	1. Madrawas 2. Dulot 3. Bewal
4	Bawal	1. Mamrian Ahir 2. Bithwana	1. Nagli Godha 2. Rajgarh
5	Rewari	1. Tatarpur Istmirar	1. Jarthal

6	Jatusana	1. Rambas	1. Daroli
Constituency-wise list of School Upgraded during the year 1981-82			
Sr. No.	Name of the Constituency	Nam e of School Upgraded To Middle Standard	Nam e of School Upgraded To High Standard
Ambala District			
1	Kalka	1. Koti 2. Marranwala	1. Barwala (Girls)
2	Naraingarh	1. Baragaon 2. Bari Bassi	1. Laha (G) 2. Laharpur
3	Sadhaura	1. Machhrauli 2. Rasulpur	
4	Chhachqrauli	1. Fatehpur 2. Badthal 3. Ismailpur	1. Fatehgarh 2. Buria (G)
5	Yamunanagar	1. Gobindpur 2. No. 2 Hamida	1. Badadurpur
6	Jagadhri	1. Mandeberi	1. Kunjal Jattan
7	Mulana	1. Chudiata 2. Nagla	1. Holi 2. Rajokheri

8	Ambala City		
9	Ambala Cantt		
10	Naggal	1. Saunda 2. Chaurmastpur 3. Salar 4. Tepla	1. Dukheri 2. Sabhalkha
Bhiwani District			
1	Badhra		
2	Dadri	1. Morwala 2. Achina (G)	1. Sarupgarh-Sataur
3	Mundhal Khurd	1. Ranila 2. Tigrana (G) 3. Tigri	1. Mandhana
4	Bhiwani		
5	Tosham	1. Bajina 2. Sungarpur 3. Keharpura	1. Kharkari-Jhonwari
6	Loharu		1. Lilas 2. Jarwa (Now in M. Garh District)

7	Bawani Khera	1. Bhaini Kungar 2. Jamalpur (G) 3. Siwara	1. Milakpur No.2
Faridabad District			
1	Faridabad	1. Mohalla 2. Gochhi	1. Faridabad No.1
2	Mewla Maharajpur	1. Ajronda 2. Fatehpur-Chandela 3. Sihi (Girls)	1. Mevla Maharj
3	Ballabgarh	1. Mandkol 2. Arwah 3. Chainsa	1. Mohana (G)
4	Palwal	1. Chhajunagar 2. Fhulwari	1. Alawalpur
5	Hassanpur	1. Gudhrana 2. Gulabad	1. Siha
6	Hathin	1. Kot 2. Aurangaba (G) 3. Raniala Khur	1. Utawar

		4. Rupraka	
Gurgaon District			
1	Ferozepur Jh rka	1. Badulheri 2. Duddoli 3. Monli	1. Autha
2	Nuh	1. Kherla 2. Umera 3. Adbar 4. Uleta	
3	Taoru	1. Riwasan 2. Baghanki	1. Rathiwas
4	Sohna	1. Abheypur 2. Darbaripur	1. Bhondsi (G)
5	Gurgaon	1. Budhera 2. Kartarpuri	1. Bhimnagar (G)
6	Pataudi	1. Alimudinpur 2. Junola 3. Baslambi	1. Pataudi (G)
District Jind			

1	Kalayat	1. Borta 2. Batta (G) 3. Chusala	1. Mandi Kalan
2	Narwana	1. Pholia Kalan 2. Dhobi 3. Khardwal 4. Dumarkha (G) 5. Dablan 6. Bamna Brahman	1. Bhakal
3	Uchana Kalan	1. Khark Bhura 2. Ghoghrian (G) 3. Kheri Massania	1. Badanpur
4	Rajaund	1. Bir Bangra 2. Popra	1. Thuna
5	Julana	1. Gatauli 2. Borar 3. Hathwala 4. Lajwana Kalan	1. Barali
6	Jind	1. Ahirka	1. Nirjan

			2. Bal Ashram
7	Safidon	1. Gangoli 2. Anchra Kalan 3. Nimnabad 4. Hatt (G)	1. Malikpur
Hissar District			
1	Barwala	1. Barwala Mandi	1. Prabhuwala
2	Narnaund		1. Gurana 2. Budana 3. Khanda Kheri
3	Hansi	1. Jamalpur Shekhan 2. Kutubpur Dhani	1. Sultanpur 2. Channot
4	Bhattu Kalan		1. Thuian 2. Chinder 3. Siwani Bolan 4. Kajalheri 5. Ramsara 6. Sham Sukh
5	Hisaar		

6	Ghirai	1. Talwandi Badshahpur 2. Kharar Alipur	1. Kirmara 2. Kanoh 3. Naiana 4. Harita 5. Dhani Raipur
7	Tohana	1. Ratta Theh 2. Hadarwala 3. Mamupur 4. Talwara 5. Chuharpur 6. Puran Majra 7. Baliawala 8. Chander Kalan	1. Moyond Kalan 2. Nathuwal 3. Sadhanwas
8	Rattia		1. Alisadar 2. Haroli 3. Lahali
9	Fatehabad	1. Bhana 2. Bhanawali 3. Shoda Hushnak	1. Bhodia Bishnoian 2. Jhandwala Baghar 3. Dariyapur

			4. Basti Bhima
10	Adampur	1. Hindwan 2. Migni Khera 3. Jaggan 4. Meerka 5. Bhariya 6. Adampur (G)	1. Balsamand (G) 2. Mohabatpur 3. Kajlan 4. Burak 5. Bandaheri 6. Kulheri
Karnal District			
1	Indri	1. Chorpura 2. Muradgarh 3. Khera 4. Bhaini Khurd 5. Tikkri 6. Badarpur 7. Udana 8. Nanhera	1. Pathera 2. Bibipur Jattan
2	Nilokheri	1. Sandhir 2. Narana	1. Raison 2. Mohri Jagir

		3. Karsadod	
3	Karnal		
4	Jundla	1. Hathlana 2. Dhusli	1. Agond 2. Gonder (G)
5	Gharaunda	1. Pundri 2. Hassanpur 3. Jarauli 4. Dhakhwala	1. Kothpur
6	Assandh	1. Goli 2. Munak	1. Ballah 2. Phaphrana 3. Chorkharsa
7	Panipat		
8	Samalakha	1. Jhattipur	1. Rakshera 2. Bapauli (G)
9	Naultha		
Kurukshetra District			
1	Shahbad	1. Suharpur 2. Nagla 3. Samalkhi	

		4. Landi	
2	Radaur	1. Babhka 2. Birkalwa 3. Sandholi	1. Jobnl 2. Gundara
3	Thanesar	1. Rattan Dehra 2. Mukerpur 3. Ban	1. Bapdi
4	Pehowa	1. Ajrawar 2. Arna	1. Hassanpur 2. Bhusthla
5	Guhla	1. Sheomajra 2. Kheri Gulamali 3. Kasuar 4. Dewal	1. Bhuna
6	Kaithal		
7	Pundri	1. Baghnara 2. Sanghroli	1. Haliri (G)
8	Pai	1. Mandwal	
Mohindergarh District			
1	Bawal	1. Tihara	1. Banipur

		2. Chimanwas 3. Tint (G)	
2	Rewari	1. Phideri 2. Gindokheri	1. Masani
3	Jatusana	1. Kholeta 2. Choki No.-2 3. Mushtapur 4. Biharipur	1. Kakrala
4	Mohindergarh	1. Pota 2. Surjanwas 3. Kotha Kalan 4. Kothal Khurd Budeen 5. Bucholi	1. Khetodra 2. Buchawas
5	Ateli	1. Mandhana 2. Shobhapur (G) 3. Kaliya Ka Nagal (G)	1. Behali
6	Narnaul	1. Ghhapra Bibipur 2. Balla Kalan	1. Nain

		3. Ghataser	
Rohtak District			
1	Hassangarh		1. Karontha
2	Kiloi		1. Chiri
3	Rohtak		
4	Meham	1. Farmana	1. Samain (G) 2. Nindana (G) 3. Sisarkhas
5	Kalanaur	1. Marhodi 2. Basana 3. Gudan 4. Kakrana 5. Khererri	1. Khark Kalan (Now in Distt. Bhiwani) 2. Samargopalpur
6	Beri	1. Palra	1. Birdhana 2. Dharana
7	Salhawas	1. Bhurthala 2. Nilaheri 3. Zahidpur 4. Sehlanga	1. Dhakla (G) 2. Lula Ahir

8	Jhajjar	1. Bhatera 2. Dabala 3. Khaparwas	1. Thumbaheri
9	Badli		
10	Bahadurgarh	1. Sohti 2. Ishraheri	1. Ladrawan 2. Bamnauli
Sonepat District			
1	Baroda		1. Ahulana 2. Gadwal
2	Gohana	1. Anaj Mandi Gohana 2. Moihooda 3. Gamri	1. Rithal 2. Ghilor Kalan
3	Kailana	1. Bali Qutabpur 2. Lalheri Kalan 3. Chirsami 4. Pabnera	1. Pipli Khera 2. Sitawali 3. Purkhas 4. Baghan
4	Sonepat	1. Mandi Sonepat	1. Lahrara
5	Rai		
6	Rohat	1. Katlapur (G)	1. Shaidpur

			2. Mandori (G)
Sirsa Distric			
1	Ellanabad	1. Damdama	
2	Sirsa	1. Anaj Mandi Sirsa 2. Mahavir Dal 3. Mohalla 4. Dhani Charsowali 5. Panihar 6. Chamal 7. Vaidwala	1. Kirar Kot
3	Rori	1. Kewas 2. Theraj 3. Bhiwan 4. Sahuwala 5. Ratta Khera 6. Banwala	1. Nuhianwali
4	Dabwali	1. Teja Khera 2. Dabwali-Gaon 3. Sukhera Khera	1. Ganga

		4. Haibuana 5. Abubshehar (G)	
5	Darba Kalan	1. Jamal 2. Keshupura	1. Madho Singhana

एस० वाई ० एल० नहर का रेखांकन

Mr. Speaker : Only when I call upon anybody to speak, that will be recorded and if anybody is speaking without my permission, at will not be recorded.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, मेरी अर्ज यह है कि कल पंजाब असैम्बली के अन्दर वहां के मंत्री जी ने कहा है । कि अभी तक अलाइनमैंट का कोई फैसला नहीं हुआ है यह आज के अखबार के अन्दर भी छपा है । यहां पर सी० एम ० साहब कह चुके हैं कि यह फैसला हो चुका है । इस संबंध में मैंने अपना एक एडजर्नमैंट मोशन दिया है । All the members of the opposition are very much agitated on this qustion मेरी आप से प्रार्थना है कि काम रोको प्रस्ताव स्वीकार किए जाने के बाद ही इस मामले पर बहस की इजाजत दी जाये । He has misled the House. It is a very serious matter and that is why, I have given adjournment motion in time.

Mr. Speaker : All right. When it comes to me, I will study it and take decision thereon.

चौधरी राम लाल वधवा : मैंने 1.50 हूं घंटा पहले ही अपना एडजर्नमैंट मोशन दिया है । स्पीकर साहब, रूल 66 यह कहता है कि––

"Subject to the provisions of these rules, a motion for an adjournment of the business of the Assembly for the purpose of discussing a definite matter of urgent public importance may be made with the consent of the Speaker."

स्पीकर साहब, मैंने तो समय पर ही अपना कमरोंको प्रस्ताव दे दिया है । इसलिए इस पर आज ही बहस होनी चाहिए । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपका एडजर्नमैंट मोशन अभी मेरे पास नहीं आया है । When it comes before me, I will give a decision thereon. अगर मुख्य मंत्री जी इस प्वायंट पर कुछ कहना चाहें, तो दो मिनट में क्लीयर कर दें । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी इन्होंने अखबार दिखा कर कहा कि कल पंजाब विधान सभा में इस मामले पर चर्चा हुई थी कि फैसला नहीं हुआ (शोर)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, जब तक मेरा एडजर्नमैंट मोशन स्वीकार नहीं हो जाता तब तक इस मामले पर बहस की इजाजत नही दी जानी चाहिए । इसलिए जब तक यह काम रोको प्रस्ताव स्वीकार नही हो जाता उस समय तक इस पर डिस्कशन अलाउ नहीं करनी चाहिए ।

Mr. Speaker : Please sit down. I will not allow any discussion on this adjournment motion now.

चौधरी राम लाल वधवा : जब तक आप इस पर कोई फैसला नहीं कर लेते तब तक सी ०एम० साहब इस पर कोई बात नहीं कह सकते । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप 5 मिनट बोल चुके हैं । है मुख्य मंडी जी को बोलने के लिए 2 मिनट की परमीशन दे चुका हूं । आपका मोशन, जैसा आपने बताया है कि पंजाब असैम्बली में यह बात आई है कि अलाइनमैंट का फैसला नहीं हुआ है, उसके ऊपर बोलने के लिए मैं मुख्य मली जी को दो बार कह चुका हूं ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी इन्होंने कहा है कि पंजाब सरकार ने यह माना है कि अभी तक जमीन की अलाइनमैंट का फैसला नही हुआ है । स्पीकर साहब, सारा जायजा लेकर फैसला किया गया हे । जो अलाइनमैंट की गई है वह ठीक है । हमने पंजाब सरकार को चिट्ठी लिख दी है । वह चिट्ठी सरदार तारा सिंह जी के पास है । वह आपको पढ़ कर सुना देंगे । उन्होंने हमें लिखा था कि यदि अलाइनमैंट आपको मंज हो तो उसकी एक चिट्ठी हमें लिख कर भेज दें और एक दूसरी चिट्ठी भारत सरकार को लिख ऊनको चिट्ठी लिख दी है । ऊनके यहां पर दो दिन का अवकाश था । हो सकता है कल तक उनके पास यह पत्र न पहुंचा हो । इसके अन्दर कसूर उनका भी नही है ।

जो फैसला उनका और हमारा हुआ है, उसकी हमनें हां कर ली है और पत्र भेज दिया है ।

डा० मंगल सैन : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा लीडर आफ दि हाउस का ध्यान इस ओर ले जाना चाहता हूं । कल पंजाब असैम्बली के अन्दर माल मंत्री, श्री काशीराम ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा है, वह मैं अखबार से पढ़ देता हूं । उन्होंने प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अभी तक जमीन की अलाइनमैट का कोई फैसला नही हुआ है । (शोर) मुख्य मती जी हाउस को मिसलीड कर रहे है । (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप यहां अखबार से कुछ नही पढ़ सकते । (शोर)

डा० मंगल सैन : स्पीकर साहब, सी०एम० साहब डैफीनेटली हाउस को मिसलीड कर रहे हैं । (शोर)

श्री सुरेन्द्र सिंह : आन ए प्वायट आफ आर्डर, सर । स्पीकर साहब मेरी अर्ज यह है कि अपोजीशन के साथी कह रहे है कि जमीन की अलाइनमैंट का कोई फैसला नही हुआ है और– सी०एम० साहब कह रहे हैं कि फैसला हो चुका है, हमने लैटर भी लिख कि है । इस संबंध में मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि सी०एम० साहब पंजाब के सी०एम० साहब से आज बातचीत कर लें और इस का जवाब कल हाउस में दे दें । (शोर) उनके साथ कल तक जो

भी कौरस्पौन्डेन्स हुई है, उस के बारे में पूर्ण रूप से कल हाउस को अवगत करा दे । (शोर)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, इस मामले पर मैंने कल ही उनसे बातचीत की है । उनको हमने बता दिया है कि जो फैसला जमीन की अलाइनमैट का हुआ है, बहु ठीक है । (शोर)

श्री अध्यक्षः जब तक मैं किसी मैम्बर को बोलने के लिए न कद्रू उस समय तक किसी की कोई बात रिकार्ड न की जाये । (शोर एव विध्न)

श्री मूल चन्द जैन : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । स्पीकर साहब, सरकार की तरफ से कई बार यह कहा गया है कि अलाइनमैंट का फैसला हो चुका है । इन्होंने यहां हाउस के अन्दर यह भी माना है कि 14 किलोमीटर का फासला कम हो गया है जिसकी वजह से हरियाणा सरकार को नौ करोड़ रुपये की बचत हुई है । यह बात सरकार ने कैटेगौरीकली मानी है । कल पंजाब के माल मंडी ने जो बात कही है, उसको सुन कर और अखबारों में पढ़ कर मुझे बड़ा अफसोस हुआ है । उनके मंत्री जी ने कहा है कि अभी तक कोई अलाइनमैंट नही हुई है (शोर) यह खबर इन्डियन एक्सप्रैस, ट्रिब्यून और पंजाब केसरी आदि कई अखबारों में छपी है कि कोई फैसला नही हुआ है । (शोर) पहले आप हमारी बात सुन ले । हमने जो एडजर्नमैंट मोशन दिया है उसके

साथ ट्रिब्यून अखबार की कटिंग भी साथ लगाई है । यहां पर चीफ मिनिस्टर साहब कह रहे हैं कि हमारी कौरम्पौन्डैन्स जारी है । (शोर) स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब और इरीगेशन मिनिस्टर साहब ने, पंजाब असैम्बली में वहां के इरीगेशन मिनिस्टर, श्री काशी राम जी के कहने के बाद जो फैक्ट्स हाउस को आज बताए हैं वे पहले क्यों नहीं बताए इन्होंने हाउस को इस तरह से क्यों मिसलीड किया और क्यो अधेरे में रखा ?

चौधरी भजन लाल : हमने कोई मिसलीड नही किया है ।

श्री अध्यक्ष : सरदार तारा सिंह जी ।

स्वामी अग्निवेश : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । अध्यक्ष महोदय, आपने चौधरी –राम लाल– वधवा की ऐडजर्नमैंट मोशन के बारे में वह कहा कि आप उस पर विचार करके फैसला देंगे । उस पर अभी फैसला आया नही लूँ लेकिन इस बीच सरदार तारा सिंह जी जवाब पढ्ने के किये खड़े हो गये हैं । आपसे मेरी प्रार्थना है कि आप पहले एडजर्नमैंट मोशन पर विचार कर लीजिए उसके बाद इन्हें मौका दीजिए ।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (सरदार सारा सिंह) : सर, यह 8– 3– 82 की चिट्ठी है । इसे चीफ इंजीनियर पंजाब ने हमारे चीफ इंजीनियर को लिखा है । इसमें लिखा है कि–

"D.O. letter No. 211-12/SYL dated 8-3-82 from C.E./Canals, Irrigation Work, Punjab, Chandigarh to E-in-Chief, IBHO, Haryana. Chandigarh.

Please refer to your D.O. letter No. 10/Plg. dated 3-3-1982.

It is nice .that the alignment of SYL Canal as discussed by us has been agreed to by you. We will now be taking up the work on the entire portion after going over the various formalities as required under the rules. By and large, this alignment will be followed except for some minor adjustments which may he needed at site during construction on technical or other considerations.

As desired, I am hereby sending a plan showing the alignment agreed to by us alongwith a comparative statement of the cost of works involved in the two alternatives suggested by us from RD 28 to 55 for your information and record.

In view of this settlement between us on technical grounds, it is requested, that concurrence of the Haryana Govt. to this alignment may kindly he conveyed to Govt. of Punjab so that necessary intimation may be sent to G.O.I. in view of the agreement, dated 31-12-81.

Hope, you will kindly take immediate action in this respect.

With deep regards"

स्पीकर साहब, हमने जो पंजाब गवर्नमैंट और गवर्नमैंट आफ इंडिया को जवाब भेजा है वह इस प्रकार है । (विध्न) यह जवाब हमने 22 मार्च, 1982 को भेजा है । इसमें लिखा है––

"My dear Balakrishanan,

Kindly refer to D.O. letter No. 211-12/SYL, dated 8-3-1982

from Shri A.K. Ummat, Chief Engineer (Canals), Punjab, to Shri Jagman Singh, Engineer-in-Chief, Haryana (copy enclosed) regarding the alignment of the Sutlej-Yamuna Link canal in Punjab territory.

I am desired to convey the concurrence of the Haryana Government to the alignment agreed to between Chief Engineer (Canals). Punjab and Engineer-in-Chief, Haryana.

With kind regards"

स्पीकर साहब, इसमें थोड़ी सी दिक्कत यह हो गई कि पंजाब की भूतपूर्व कांग्रेस प्रैजीडैट, कुमारी सरला प्राशर की डैथ होने की वजह से 22 और 23 तारीख को वहाँ छुट्टी हो गई जिसका वजह से यह पल उन्हे मिलने में देर हो गई । (विध्न)

श्री सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है । (विध्न)

श्री अध्यक्ष : सुरेन्द्र सिंह जी, मैं इस बात पर जरूर कोमैंट करूगा कि विरोधी पक्ष के साथी मेरे कहने से इतनी जल्दी नही बैठते जितना कि आपके कहने से बैठ जाते हैँ । (हंसी)

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, हरियाणा का मुफाद इसी में है जो ये कहें –रहे है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इससे तो ऐसा लगता है कि चौधरी सुरेन्द्र सिह अगर यहा बैठे, तो ठीक रहेगा । (हंसी)

श्री सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, सरकार की लग्न इस मामले में बहुत ज्यादा है । मै आपके द्वारा हरियाणा सरकार से निवेदन करूंगा कि जो स्टैड 8 तारीख को था, वह अव बदल चुका है । पंजाब की सरकार का जो स्टैड है, जैसा कि प्रेस से जाहिर है, उसको मद्दें – नजर रखने हुए हरियाणा सरकार को चाहिए कि– वह केन्द्र से बात करे और पंजाब के ची मिनिस्टर को आदेश दिलाए कि वे पंजाब की असैम्बली में इस बासं को क्लीयर करें । (विघ्न)

Mr. Speaker : Please sit down. As far as the question of this alignment of the Canal is concerned, I have the highest regards for any Minister of Punjab and especially Shri Kanshi Ram who is a great friend of mine. But I see no reasons why the Hon'ble Members should believe the Press reports and the Minister of Punjab and not our own Minister and the Chief Minister. जहां तक चौधरी राम लाल वधवा की ऐडजर्नमैंट मोशन और डा ० मंगल सेन की प्रिवलेज मोशन का ताल्लुक है, वे क्वैश्चन आवर के टाईम में मुझे पुट–अप हुए थे लेकिन मैं दोनो साईड में अटैन्शन नही दे सकता था । मैं जाकर उन्हे एग्जामिन करूंगा और उनके ऊपर अपना डिसिजन दूगा ।

श्री मूल चन्द जैन : मेरा भी एक काल अटैन्शन मोशन था ।

Mr. Speaker : I will examine that also. So far as I am concerned, I will take my decision in an impartial manner. I am not interested in anybody's obtaining political mileage out of this. It is only a question which is in the best interest of Haryana State that will he the

guiding principle at the back of my decision.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, यह बात तो आपने बड़ी गलत कह दी कि हमने पोलिटिकल प्वायंट आफ व्यू से इस मामले कौ उठाया है ।

Mr. Speaker : How do you say that I meant you I must object to this. चौधरी राम लाल जी, आप मेरे इन रिमार्क्स को अपने ऊपर क्यों ले रहे हैं? My remarks equally applied to this side (Treasury Benches) also.

चौधरी राम लाल वधवा : मोशन मेरा है ।

श्री अध्यक्ष : मैंने तो यह कहा है कि डिसिजन लेते वक्त मैं किसी को पोलिटिकल माइ लेज नही लेने दूगा । इन्होंने कहा है कि इन्होंने अलाइनमैंट का फैसला ले लिया है लेकिन मुझे अगर ऐसा लगा कि यह गलत बात है तो मैं आपकी मोशन को एडमिट कर लूगा परन्तु अगर इनकी यह बात सही निकली कि कुमारी सरला प्राशर की अनफार्चुनेट डैथ की वजह से वहां की छुट्टी होने के कारण लैटर डिलिवर नहीं हो सका और दोनों स्टेटस की अलाइनमैंट कें बारे में रजामंदी है तो मैं उसके मुताबिक अपना फैसला दूंगा ।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, यह भी तो आप देखे कि 8 तारीख को चिट्ठी आई थी और 22 को इन्होंने जवाब दिया है ।

चौधरी भजन लाल : एक एक चीज को देखकर जवाब दिया है ।

श्री मूल चन्द जैन : फिर किस मुंह से आपने यह एलान किया था कि अलाइनमेंट फाइने– लाइज हो गई है ।

श्री बलदेव तायल : स्पीकर साहब, इस सारी बात का एक ही कक्स है । जहां तक हरियाणा का सवाल है, चौधरी देवी लाल के टाईम पर भी काम करने को तैयार थे कि यह केनाल बकायी जाये लेकिन बार–बार पंजाब गवर्नमैंट रोडे अटका रही थी और पंजाब सरकार ने अब तक हरियाणा गवर्नमैंट को कोई रसीद नहीं दी । उन्होंने हरियाणा गवर्नमैंट को कन्कैन्स नही दी । यह जो चिट्ठी चीफ इंजीनियर्ज की है, इसमें दोनो चीफ इंजीनियर्ज का फैसला हुआ है । पंजाब के चीफ इंजीनियर्ज ने कही नही लिखा कि पंजाब गवर्नमैंट ने अलाइनमैंट के लिए अपनी कन्क्रैन्स या अप्रुवल दे दी है । They have only asked for the concurrence and approval of the Haryana Government and after this is received by the Punjab Government, they may decline it. If the agreement between them was final and binding there was no necessity for asking the Haryana Governmerit concurrence. This letter clearly shows that the agreement arrived amongst the Chief Engineers is not final and that the concurrence of the Punjab Government is required. There is no mention that the Punjab Government has approved that decision. (Interruptions and Noise).

चौधरी भजन लाल : मुख्यमंत्रियों की भी इस मामले में मीटिंग हुई है । (शोर)

Mr. Speaker : Zero hour is over.

ध्यानाकर्षण सुचना

जे० एल० एन नहर के कुछ पहुंच क्षेत्रों में अधिक पानी रिसने तथा लीक होने से हुई फसलों की हानि सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष : मुझे श्री हरस्वरूप बूरा तथा अजीत सिंह, एम०एल० एज० की तरफ से जवाहर लाल नेहरु कैनाल, भिवानी सब–ब्रान्च तथा काहनौर सब–ब्रान्च के कुछ पहुंच क्षेत्रों में अधिक पानी रिसने तथा लीक करने के मुतलिक काल अटैन्शन लोशन के नोटिस मिले हैं । मैं उसे मंजूर करता है । आनरेबन मैम्बर श्री हरस्वरूप बूरा कृपया अपना नोटिस पढ़ दें और मन्त्री महोदय (गुमका यदि जवाब आज देना चाहें तो दे दें ।

चौधरी हर स्वरूप बूरा (मेहम): मैं इस महान् सदन के ध्यान में जवाहर लाल नेहरु नहर, भिवानी सब–ब्रान्च तथा काहनौर सब–ब्रान्च के कुछ पहुच क्षेत्रों में अधिक पानी रिसने तथा लीक करने के संबंध में एक अत्यावश्यक लोक महत्व का मामला लाना चाहता हूं । इन नहरों के साथ लगती हुई किसानों की जमीन तीन से दस एकड़ तक 6'' से बढ़ कर 2' तक काफी पानी से भर गई है । यह समस्या विशेषतया बेरी तथा मेहम निर्वाचन क्षेत्रों में बहुत गंभीर हए । यह अधिक पानी रिसना तथा लीक करना इसलिये शुरु हुआ है क्योंकि घटिया सामान अर्थात् पीली ईटें, कम सीमेंट, रेतीली मिट्टी तथा घटिया कारीगरी का प्रयोग किया गया

हए और अच्छी प्रकार से कुट्टाई नही की गई है । यह उन किसानों के लिये, जिसकी भूमि रिसने तथा लीक करने की पहुंच में आती है, एक भारी तथा गंभीर समस्या है । मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि आने वाले समय में ऐसी लीकेज तथा रिसने को रोकने के लिये फौरन कदम उठाये जाये ताकि प्रभावित किसानों को बचाया जा सके तथा पीड़ित किसानों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाये तथा इस प्रकार से पानी के रिसने और लीक करने को हमेशा के लिये रोकने या कम करंने के कदम उठाये जायें । मैं राज्य सरकार से विधान सभा के चालू सत्र में, जब कमी सरकार को सुविधाजनक हो, उत्तर देने के लिये निवेदन करता हूं ।

चौधरी अजीत सिंह (बेरी) : जवाहर बाल नेहरु नहर लगभग समस्त हरियाणा को पार करती है । पिछले कई दिनों करनाल के पास दरार आने से कई हजार एकड़ फसलें जलमग्न रो गई ।

दरार आकर टूटने, चूहो के बिलो से रिसने, उलझने तथा रिसने के कारण किसानों हजारों एकड़ फसल नष्ट हो जाती है । हजारो एकड में पानी सूखता ही नही और वहां पटेरा उग गया है । करनाल के पास के गांवो में व रोहतक मे गोच्छी, बिसान, बेरी, दुबलधन, धांधलान। अच्छेज, पहाडीपुर तथा मातनहेल गांवों में उपरोक्त समस्या पिछले लगभग 6 वर्षो से किसानो के आडे आ रही है ।

उपरोक्त समस्या से हरियाणा के हजारो किसानों को करोड़ों रुपयों की क्षति प्रति वर्ष हो रही है जिसके परिणामस्वरूप किसानों में असतोष स्वभाविक ही है क्योकि क्षतिपूर्ति हेतु भविष्य में इस समस्या के निपटान हेतु सरकार ने कोई कारगर कदम ही उठाया है ।

यह एक अति जन महत्व कों प्रश्न है । कृपया सरकार चालू सत्र में इसका जवाब दे ।

वक्तव्य–

सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्षण सूचना संबंधी

Irrigation & Power Minister (Sardar Tara Singh) : Bhiwani Sub Branch and Kahnaur Sub Branch were unlined channels and have recently been lined under the World Bank project. The work on these is according to standard specification and lining of these channels will result in reduction of seepage. The water logging along these canals was only on account of seepage from previous unlined channels and low lying area where rain water also collects. With the lining of these canals, the condition is likely to improve. The J.L.N. Canal does not pass near Karnal and no damage has been caused in this district from this Canal. J.L.N.

Feeder is a lined channel and it cannot give so much seepage as the water collected in the area of villages Gochhi, Bisan, Beni, Dubaldhan, Dhandhlan, Achej, Paharipur and Matanhail in the Rohtak district indicates. With lining of unlined channels in the area of Beri and Meham constituencies, the condition of water logging is likely to improve. In fact there is a water logging problem along this canal in the Beni and Meham area, in low lying reaches having no drainage outlets, being of localised bowl type. The matter has been-investigated and it has been found that this water logging is mainly due to collection of rain water from season to season, in low lying area, seepage from unlined Jhajjar Sub Branch and other distributaries and water-courses in this area and some seepage from JLN Canal (a seepage 2 cs. per mil. sq. ft. of lined channel is usual and permissible). Investigations have revealed that the soil strata in this area is such that there is a hard layer of kankar and clay underneath top soil at depths varying from 1 mtr. to 3 mtr., which does not allow the surface water to percolate to the lower sub soils and, therefore, waterloaging is being caused and is a natural continuous process. In this area the sub soil water level has risen by as much as 35' from 1955 to 1980-a period of 25 years and is now within 10' to 15' depth below the ground generally in the entire area of Rohtak and Jhajjar.

The J.L.N. Canal came in operation for the first time only recently i.e. in the year 1979-80 and that also with very low discharges and for restricted short periods at long intervals. As this canal is a lined canal and has run for very short periods and with low discharges, from 200 cs. to 1503 cusecs against its authorised capacity of 3654 cusecs; hence the water logging condition cannot be attri buted to this canal. This is further supported from the fact that water-logging conditions in these low lying areas along the canal were prevailing even at the time of construction of the banks of this canal in the year 1976-77 and it was on account of the land adjoining the canal being covered with water that the earth for its banks had to be brought from distant tibbas.

11.00

The quality of work has also been got investigatedand it is found to be generally in order except in a few patches where some defects have been found and corrective measures are already in hand. However, these defects are such which do not lead to excessive seepage from the canal, to which water-logging/rise of ground water level in general could he attributed.

As an immediate measure, water -standing in the low lying fields of the cultivators is being pumped out. The long term measures to ontrol the water logging in this low lying area include improving surface drainage, lining of unlined channels, providing link drains and ditch drains., installation of deep and shallow tubewells and plantation of eucalyptus trees etc. and these will he taken up in due course.

(इस सग सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी बीरेन्द्र सिह पदासीन हुए ।)

चौधरी अजीत सिंह : चेयरमैन साहब, अभी मंत्री जी ने यह माना है कि जवाहर लाल केनाल के आसपास के गावों गोछी, किसान, 'बेरी, दुबलधन, माजरा, धांधलान, बाकरा, अच्छेज, पहाडीपुर, मातनहेल की जमीन में सैकड़ों एकड वे पानी भरा खड़ा है । मैं मैली जी से पूछना हाहतत हु कि जिन फसलों में पानी भर गया है और बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है, क्या उन किसानों को फेंसका मुआवजा देने का कष्ट करेंगे । दूसरे वह मुआवजा किस रेट पर और कब हक दे दिया जायेगा । मैं यह भी पूछना चाहूंगा कि जो लीकेज को बन्द करने का काम शुरु करने जा रहे

है वह कब तक शुरु हो जायेगा यानी किस समय काम शुरु हो जायेगा?

सरदार तारा सिंह : मैने इस सारे एरिया का जहां–जहां नेहरू कैनरिन जाती है दौरा किया हूँ और अफसरों को भी साथ ले कर गया हूं । पानी इस एरिया में जरूर खड़ा है लेकिन इस हाल बरसात की वजह से इतना पानी है कि जहां पानी खड़ा नहीं होता था वहां भी खडा है । फसलों में डेढ–डेढ और दो दो फुट पानी खड़ा है । जहा तक पानी खड़ा होने की वजह से कम्पनसैशन देने का सवाल है वह तो नामुमकिन है । ऐसा कोई प्रोग्राम नहीं है । जहां तक खडे हुए पानी को निकालने का संबंध है, उसके लिए हमने आर्डर कर दिये है । सारे अफसरो को लगाया हुआ है । पानी पम्प आउट करने की कोशिश कीं जा रही है । आज–कल वाटर लै–पल बढ रहा है । 35 फुट तक अराइज कर गया है । उस एरिया में जो पानी चार्ज हो रहा है, उससे हर साल 5– 5 फुट पानी का लैवल बढ़ रहा है । यह बड़ी ही तफशीशनाक बात है । हम इस बारे में तहकीकातं करवा रहे है ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : मत्री जी ने अपने जवाब में मेरे मुद्दों का पूरा जवाब नही दिया है । मैंने यह लिखा था कि ईटें पीली लगी हुई हैं और वहां पर सीमेंट भी कम लगा हुआ है । उसके बारे में इनके जवाब में कोई जिक्र नही है । मेरी इस बात को मली जी खुद मानेगे कि वह मेरे साथ 9– 3– 1982 को मौके पर गये थे और उन्होंने खुद उसको देखा था और यह माना था

कि 60 प्रतिशत ईंटें पीली लगी हुई हैं और सीमेंट भी कम लगा हुआ है । क्या इस बात में सच्चाई है?

सरदार तारा सिंह : चेयरमैन साहब, यह बात दुरुस्त है कि मैं अपने आनरेबल साथी के साथ गांव–गांव और खेत–खेत में गया हूं । मुझे यह बात मानने में बिल्कुल भी हिचकिचाहट नही है कि कुछ रीचिज में ईटे गलत लगी हुई है, वह थोड़ी कम पकी हुई है और कुछ जगह पर सीमेंट भी कम लगा हुआ है । मैंने अपने जवाब में यह माना है कि कुछ पैसेज ऐसे है जहां पर कुछ गलत काम हुआ है । हम इस बारे में पूरा एक्शन ले रहे है और जो भी अफसर काबू आयेगा, उसको हम बख्शेने नही ।

कामरेड शंकर लाल : चेयरमैन साहब, मेरी अर्ज यह है इस वक्त मेरे जिया सिरसा के अन्दर 30– 40 गांवों में ओले पड़े है । अभी यहां पर पक्के खालों की बात– चल रही थी । मैं यह बताना चाहता हूं कि 50 फीसदी सीमेंट वहा पर लगा है और बाकी का 50 फीसदी सीमेंट ठेकेदार और अफसरों ने मिलकर खाया है । दूसरी बात यह है । मैं यह कहना चाहता हू कि इस वक्त हरियाणा में भ्रष्टाचार का बहुत बोलबाला है । तमाम. 90 के 90 एम०एल 0 एज ० जिनमें मैं भी शामिल हूं, पर लोग उगलिया उठा रहे है । इसलिये मेरा कहना यह है कि सब की प्रापर्टी का ब्यौरा, चाहे वह मिनिस्टर हो याँ एम ० एल ०ए ० हो, इस मुख्य मंत्री के अधीन मैली रहा हो या पहले कभी रहा हो, आना चाहिये ताकि जनता को यह पता लग सके कि सच्चाई क्या है । चेयरमैन साहब,

यहां पर गलत किस्म की बात हो रही है । यहां पर गलत तरीके से हाउस बिल्डिग लोन लिया गया है । इसलिये मेरा कहना यह है कि एक लोक आयुक्त नियुक्त कियौ जाये जो कि तमाम 90 के 90 एम०एल ०एज ० के असैट्स की तहकी– कात करे । (व्यवधान व शोर) मैंने सबसे पहले इस बारे में ब्यौरा दिया था । मै तो अब भी देने के लिये तैयार हूं । मेरा एक मकान है जो कि उस समय का है जब मै एम० एल ०ए ० भी नहीं था । इसके अलावा 13,000 रुपये की मैंने एक मिलीटरी कोटे से जीप ली है, वह भी लोन लेकर ली है । मैं अपना सारा हिसाब–किताब देने के लिये तैयार हूं । जिन लोगों ने मकान होते हुए हाउस बिल्डिग लोन लिया है, उन तमाम लोगों की तहकीकात होनी चाहिए ।

चौधरी उदय सिंह : दलाल चेयरमैन साहब, मैं आपकी मार्फत मंत्री जी से एक बात जानना चाहूंगा । इन्होंने यह जवाब दिया है कि दुकलधन और गोच्छी के पास एक एप्रोच ड्रेन बनाने की प्रोपोजल है । मेंरा कहना यह है कि वहां पर पहले ही एक नहर बनी हुई है । पहले वहां पर गलत मैटीरियल लगाया गया था । उसमें ही लीकेज हो रही है । अगर दूसरी ड्रेन बनायी गयी तो इससे किसानों की जमीन भी जायेगी और उसका फायदा भी नहीं होगा । इस लिये मेरा कहना यह है कि पहले उसी नहर को जो बनी हुई है, उसी पर ठीक मैटीरियल लगवा– कर पुख्ता बनवायें । इसके अलावा किन इंजीनियरों ने वहां पर गलतकाम किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करें ।

सरदार तारा सिंह : मैंने इस बारे में पहले भी कहा है कि जो भी आदमी 7, अफसर कसूरवार होगा, उसको हम बख्शेंगे नहीं, उसके खिलाफ हम सख्त एक्शन लेगे । जहां तक इनके यहां डेरन बनाने की प्रोपोजल का ताल्लुक है, हम उस बारे में इन्वैरटीगेट करवा रहे हैं ।

चौधरी संत कंवर : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, मैं आपसे रूलिंग चाहता हूं । कल जब यहां पर हाउस में बहस हो रही थी तो अपोजीशन की तरफ से अपनी स्पीचिज में सरकार के बारे में कुछ बातें कही गयीं थी ।

श्री सभापति : आप बैठ जाइये ।

चौधरी संत कंवर : बाहर एक आई ०ए ०एस ० आफिसर ....

मुख्य मत्री : ....

चौधरी संत कंवर : ....

Mr. Chairman : This is no point of order. Please sit down. Nothing will be recorded.

वाक–आउट

चौधरी संत कंवर : चेयरमैन साहब मुख्य–मंत्री जी हमें बोलते नहीं देना चाहते । यह मुख्य मत्री की. साजिश हैं' कि. हम किसी भीं मामले में न बोले – आप भी हमें बोलने नहीं देते। इसलियें चेयरमैन, साहब, आपके डिसिजन के खिलाफ मैं एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करता हू ।

(इस समय चौधरी संत कंवर वाक–आउट कर गये)

वक्तव्य (पुनरारम्भ)

सरदार तारा सिंह : चेयरमैन साहब, जो भी कसूरवार पाया जाहएगा, हम उसके खिलाफ एक्शन लगे । जब मैं वहां पर मौल देख रहा था तो यह बात भी समझ रहा था कि किसानों को कितनी दिक्कत होती है । ड्रेन अगर बनाती पड़ेगी तो वहां पर जमीनें तो किसानों की ही ली जायेगी । लेकिर मैं भी एक किसान हू । एक किसान होने के पीते मुझे इस बात का अहसास है । (व्यवधान व शोर)... हम वहां पर डीप और शैलों ट्यूबवैल लगाने की बात भी सोच रहे हैं । इस बारे में भी हम इन्वेस्टीगेशन करवा रहे हैं । मामला सिर्फ जे०एल०एन० कैनाल का ही नहीं है । जैसे हमारे साथी ने यह कहा कि झज्जर और रोहतक का वाटर लैवल बहुत तेजी से बइ रहा है, उसका भी हमें बन्दोबस्त करना पड़ेगा । यही नही, नीचे का जो स्ट्रैटा है, वह इतना मजबूत है कि पानी नीचे परकोलेट नहीं हो रहा है । उसके लिये हमें खासी तफतीश करनी है ।

(इस समय भी अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री कवल सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर आपसे पब्लिक अन्डरटेकिंग्ज कमेटी की रिपोर्ट जो अभी तक भी पेश नहीं हो रही है, के विषय में रूलिंग चाहता हूं । मैं इस बारे मे आपको कमेटी आन पब्लिक अन्दरटेकिंग – कम इन्ट्रोडक्टरी गाईड लोक सभा सैक्रेट्रीयेट नई दिल्ली जुलाई, 1977 में से कुछ कोट करना चाहता हूं । इस बारे में स्पीकर की डायरैक्शन नं ० 107 में यह लिखा हे ––

"107. The report of the Committee embodies the decision of the majority of the Members present at the sitting of the Committee at which the report is considered and adopted

आगे उन डायरेक्शज में डायरेक्शन नम्बर 108 में लिखा है––

"The reports of the Committee are unanimous. There are no minutes of dissent to the Report of the Committee."

मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी कमेटी तीन तारीख को बैठी थी, उसमें यूनानिमसली रिपोर्ट पास हो गई थी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : आपने जो प्वायंट आफ आर्डर रेज किया है, उस पर एक रूलिंग दे चुका हूं । I will consider it and if there is anything new in it, I will give a decision.

स्वामी अग्निवेश : उपाध्यक्ष महोदय, कल इसी समय मैंने एक व्यवस्था का प्रश्न उठाया था और आपके नोटिख में यह बात लाइए गई थी कि बजट के साथ हर साल स्टेटिस्टीकल ऐबस्ट्रेक्ट आफ हरियाणा की किताब सप्लाई की जाती है और उसमें एक चौप्टर होग है कि हरियाणा राज्य की नौकरियों में अनुसूचित जातियों के लोगों के क्लास वन, टू, थी और फोर के अन्दर कितनी नौकरियां दी गई लेकिन इस बार वह चौप्टर डैलीबेटली उड़ा दिया गया है । कस आपनें आश्वासन दिया था कि आप उसको ऐग्जामिन करेंगे । मेरी आपसे प्रार्थना है कि उसके बारे में मुझे बताया जाए कि कस चौप्टर को क्यों' नही लगाया गया है?

श्री उपाध्यक्षः उसको मैं ऐग्जामिन कर रहा हूं ।

स्वामी अग्निवेश : वह कब तक ऐग्जामिन हो जाएगी । कृपया उसके बारे में जल्दी ही फैसला कर दें ।

Mr. Deputy Speaker : This is under my consideration. I will try to give at the earliest.

चौधरी राम लाल वधवाः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने 17 तारीख को एक प्रिविलेज मोशन डबल टी ०ए ० लेने के बारे में दी थी और उसको दिए आज दस दिन हो गए हैं ।

Mr. Deputy Speaker : This is under my consideration. उस बारे में मैंने कुछ कमैंट्स मंगवाए हैं । I shall try to give my decision

at the earliest.

गैर सरकारी संकल्प–

राज्य में शिक्षा संस्थाओं में नैतिक शिक्षा संबधी (पुनरारम्भ)

श्री सभापति : अब श्री मूल चन्द जैन द्वारा 18 मार्च, 1982 को प्रस्तूत किये गये नान– आफीशियल रैज्योलूशन पर डिस्कशन शुरु होगी । उस दिन चौधरी हर स्वरूप बूरा जी ने बोलना शुरु किया हुआ था, इसलिये वे डिस्कशन रिज्यूम करेंगे ।

चौधरी हर स्वरूप बूरा (मेहम) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले नान–आफीशियल डे पर मैंने कहा था कि बगैर मौरल ऐजुकेशन के शिक्षा मीनिगलैस है और इसके लिए बहुत जरूरी है कि मौरल ऐजूकेशन होनी चाहिए । इस बारे मैं मैं एक बात क्हना चाहता हूं कि ऐजुकेशन की जो ऐजेन्सीज हैं, बनमें सबसे बड़ी ऐजेन्सी शिक्षक है, टीचर हैं, क्योंकि शिक्षा का नाम शिक्षक है न कि पुस्तक । इस बारे में मैं सरकार से गुजारिश करना चाहता हूं कि शिक्षकों की दी तीन मांगे हैं जिन्हें मारा जाना चाहिए । सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में अब तक जो कुछ किया है, वह सराहनीय है लेकिन शिक्षक दो तीन मांगे लगातार करते आ रहे हैं । प्राईवेट कालिजिज के और स्कूल के टीचर यह मांग करते आ रहे हैं कि उनको ट्रेजरी के थ्रू पे मिलनी चाहिए । मैं चाहता हूं

कि शिक्षा मंत्री इस बारे में ध्यान दे क्योकि जब तक शिक्षक की पे सुरक्षित नहीं होगी और उसके दिमाग में यह बात रहेगी कि जो कुछ मैं पडा रहाँ हूं उसकी पे मिलेगी भी या नहीं तो वह अपना ध्यान शिक्षा देने की ओर पूरी तरह से केन्द्रित नहीं कर पाएगा । उपा– ध्यक्ष महोदय, पी ०टी ०आइज० डी ०पी ०इज ०, लाइब्रेरियंज तथा डिमान्यट्रेटर्ज लगातार मांग कर रहे हैं कि उनके ग्रेड्ज रिवाइज किए जाएं । शिक्षा मंत्री जी से नएका एक डैपुटेशन भी मिला था और उनको बताया गया था कि नभका केस फाइनल करके फाइनैस डिपार्टमैंट को भेजें दिया गया है । अगर ऐसी बात है तो मैं शिक्षा मती जी से प्रार्थना करूंगा कि वे अपने लैवल– पर फाइनैसं डिपार्टमैंट को ऐप्रोच करें और इस बारे में फाइनैस डिपार्टमैंट से जल्दी फैसला कराएं । इसी प्रकार से लगभग दो सौ टीचर्ज डैड कैडर के हैं और इन्टर डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर की वजह से सिलेक्शन ग्रेड से महरूम रह गए है । इन डैड कैडर के टीचर्ज के लिए सिलैक्शन ग्रेड का कोई प्रोवीजन नहीं है । जब छ हजार टीचर्ज को सर्विस का बैनिफिट दिया है तो इन बेचारे दो सौ टीचर्ज ने क्या बिगाड़ा है इनकों भी बैनिफिट मिलना चाहिए । जब हमारे देश का शिक्षक संतुष्ट होगा सभी हमारी आने वाली जनरेशन ऊंची उठ सकेगी और तभी देश का भला होगा ।

कहने का मतलब यह है कि जो भारत का भविष्य है वह इन क्लास रूम्ज में ही तैयार किया जा रहा है और इस

डेस्टीनी को कौन सेव कर रहा है, हमारा जो शिक्षक है वही इसकी सेव कर रहा है । अगर हमारे शिक्षक की पे औरे सर्विस सुरक्षित होगी तो मैं उमडता हूं कि वे मन लगाकर बच्चो को शिक्षा देंगे और बच्चों में ऐकेडैमिक शिक्षा के साथ ही साथ मौरल शिस्त भी बढ़ेगी । उपाध्यक्ष महोदय आज देखने में आया हे कि हर आदमी एक बात कहने से गुरेज' नहीं करता । वह कहता है कि मेरे अकेले नैतिक कनने से क्या होगा, अगर मैं सुधर गया तो क्या हुआ जब सारे लोग ही अनैतिक हैं । उपाध्यक्ष महोदय, जब मैं मेरठ कालिज में पढ़ रहा था तो एक बार वहां पर श्री लाल बहादुर शास्त्री, जब वे प्रधान मन्डी थे, आए थे । उन्होंने पब्लिक एडैरस में कहा था कि आज इन्सान कहता है कि मेरे सुधरने से क्या होगा जब समाज का सारा ढांचा ही बिगड़ा हुआ है । ऐसा कहकर वह अपनी कमजोरी जाहिर करता है । मनुष्य को चाहिए कि बहे आपे को सुधारे दूसरों से उसे कोई मत–नब नहीं हए कि समाज में दूसरे लोग क्या करते हैं । उपाध्यक्ष महोदय, मेरा तो कहना यही है कि किसी को भी दूसरों की तरफ नहीं देखना चाहिए, सिर्फ अपने को सुधारना चाहिए । इसी सम्बन्ध में भरतरी जी ने कहा– है –

किसने देखा स्वर्ग भरतरी आपा मरे बिना ।

अपने मरे बिना तो स्वर्ग भी नहीं दीखता । इतना कह कर मैं समाप्त करता हूं ।

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल) : उपाध्यक्ष महोदय! जो प्रस्ताव बाबू मूल चन्द जैन ने नैतिक शिक्षा के बारे में रखा है उसको मैं तीन हिस्सों में बांटता हूं और मैं पहने एक के बारे में ही वर्णन करुंगा। मैं शिक्षा के बारे में इतना ही कहना चाहता हूं

कौम का मियार जिन्दगी बदल गया,

कौम का कौमी तराना बदल गया,

तू भी बदल ए जरियाए तालीम,

कि मैकाले का जेमाना बदल गया ।

उपाध्यक्ष महोदय मैं जैन साहब का धन्यवाद करना चाहता हूं कि इतना महत्वपूर्ण प्रस्ताव इस सदन में लेकर आए हैं । अगर आप शिक्षा पद्वति को बदलना चाहते हैं, नैतिकता के आधार पर शिक्षा पद्धति को लाना चाहते हैं तो हमें वह देखना पड़ेगा कि छोटी सी उमर से लेकर कालिज तक कौन शिक्षा देता है । छोटी उभर में जब बच्चा होता है तो पहले स्कूल का टीचर और बाद में कालिज का लैक्चरार शिक्षा देता है । बच्चे. मेम जीवन के अन्दर इनका सब से बद।' हाथ रहता है । लेकिन आज टीचर की क्या हालत है? आज उसे इसी बात की फिकर है कि वह अपना जीवन यापन कैसे करेगा? जब उसे इसकी चिन्ता होगी तो उसका पडाने में कैसे मन लगेगा । आज कालिज के टीचर स्ट्राईक पर बैठे हुए हैं । न की कुछ डिमांडज हैं लेकिन सरकार सुन नहीं रही है । जब टीचर का मियारे जिन्दगी ऊंचा होगा,

उसकें मन पर कोई बोझ नही होगा, उसका मन स्वस्थ होगा और दूसरी चीजों की तरफ से लापरवाह होगा, तभी वह शिक्षा देने की तरफ अपना मन लगा सकेगा । जब तक ये बातें नहीं होंगी, आप शिक्षा का चाहे कोई सिलेबस रख लें, कोई प्रौस्पक्टस रख ले तब तक ठीक ढंग से शिक्षा नहीं दी जा सकती । इसलिये मैं यह कहूंगा कि सब से पहले आप उस टीचर की हालत सुधारने की कोशिश कीजिए, उसका जीवन स्तर ऊंचा करने की कोशिश कीजिए । उसको गृहस्थ की किसी प्रकार की चिन्ता नहीं –द्हनी चाहिए, तभी अपने कन्धों पर अच्छी शिक्षा देने की जिम्मेदारी ले सकेगा । उपाध्यक्ष महोदय, इंग्लैड के बारे में बता–भा चाहता हूं । वहां पर टीचर्ज और डाक्टर्ज को हर तरह की सुविधायें दी जाती है । उन्हें घर की कोई चिन्ता नही रहती, उन्हें बच्चों की कोई चिन्ता नही रहती आरे यही कारण है कि ये लोग वहां पर मिशनरी के रुप में काम करते हैं । भारत–वर्ष में भी अगर ऐसा हो जाए तो हमारे देश की कया पलट सकती है । हमारे यहां तो टीचर को गुरु कहा है । गुरु के बारे में कहा गया है कि अगर भगवान की भी प्राप्ति करनी है तो उसके लिये भी रास्ता गुरु ही बताएगा । इसलिये आज के युग में टीचर की खराब हाल्त को सुधारने की तरफ सरकार को पूरा–पूरा ध्यान देना होगा और आज के नौजवान को नैतिक शिक्षा के आधार पर शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि नाजनीन आगे –फल–कर सुचारु रुप से अपने कर्त्तव्य को निं–माने में किसी प्रकार की कोताही न क्रें और सही रास्ते पर चलें ।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक दो बाते यहां आपके द्वारा सरकार से व इस सदन से कहना चाहता हू । मैं अपनी ओर से कुछ नही कहना चाहता । एक बहुत बड़े एजुकेशन निस्ट हैं जिन का भारतें वर्ष के अन्दर बड़ा ऊंचा स्थान है । श्रीमन नारायण से आप भली भान्ति परिचित होंगे । उन्होंने लिखा है –

"-We must realise that ultimately it is teacher who is pivot of the whole educational system. In order to achieve real success for any system of good educatiion, it is absolutely essential to have the fullest cooperation 'of good and well-meaning intelligent teacher,

I am also filly conscious of the fact that the economic Condition of tea the in India at the Primary, Secondary and university stages is far from satisfaction. I have no manner of doubt that the teacter is, in mote stases than one, the real hillier of nation. To have we entrust the fut ire destinies of the younger generation. A teacher frustrated and disgruntled is greatest menace to the health/development of the society. On other hand, a teacher,satisfied and free from daily cares, could be great assets to the growth of a sound democracy".

उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर टीचर्ज को अपनी हालत सुधारने के लिये स्ट्राकस करनी पड़ती है, भूख हडतालें करनी पडती हैं, सेक्रेटेरिएट के चक्कर लगाने पडते है इसलिये मैं आशा करता हूं कि सरकार इस ओर ध्यान देगी ।

उपाध्यक्ष महोदय । इसी तरह से जैन साहब ने अपने प्रस्ताव के आखिर में तीन बातों का वर्णन है । उसमें लिखा है कि टीचर्ज की हालत को सुधार पर, बच्चों के लिए ठीक सिलेबस औरे

किताबों का चयन करना और शिक्षा प्रणाली की प्रणाली को और अधिक लाभकारी बनाना इत्यादि इत्यादि । पर आज इस देश मे ऐसी तालीम की जरुरत है कि भारत के युवक का चरित्र ऊंचा हो ताकि वे आगे चल कर अपना भविष्य उज्जवल बना सकें परन्तु आज के युग को मौजूदा इस तरह की शिक्षा की बजाय ऐसी शिक्षा दी जा रही है जिससे मगरबीयत, राष्ट्र भावना का वभाव, चलि हीनता को बढ़ावा मिल रहा है ।

बेरोजगारी सिर्फ निकाली है मगरब की ऐ दोस्त–,

अमल में कोई मशकरीयत ही नहीं

आदमी के पास सब कुछ है,

मगर एक तनहा आदमीयत ही नहीं ।

आज दिन प्रति दिन लोगों में स्वार्थ की भावना बढ़ रही है । नौजवान गल्त दिशा की ओर जा रहा है । वह कालेज स्कूल से निकल कर किस मोड़ पर जाए, यह समझ नही पडता । (शोर–) आप देखिए, आज देश के कं–दर एजुकेशन की क्या हालत है? आस– रोज अखबारों में पड़ते हैं कि नौजवान रोजाना किसी न किसी केस में पकड़े जा रहे हैं, डकतियां डाल रहे हैं और लडाई झगड़े कर रहे हैं । यह सारन इस लिये हो रहा है कि उन्हें नैतिक शिक्षा नहीं दी गई । अच्छी शिक्षाप्रणाली की व्यवस्था नहीं है । आज के नौजवानों में निजी स्वार्थ की भाप–पर है क्योंकि उन के पास जीवनयापन के कोई साधन नहीं हैं । श्री

राजेन्द्र गडकर भी बड़े भारी एजुकेशनिस्ट हुए हैं । मैं उनकी लिखी हुई पुस्तक की दों–चार लाईनें इस सदन के अन्दर रखना चाहता हूं । उन्होंने लिखा है :––

"With few doubtful exceptions, Indian universities are untouched by the ideals which have moved educationists and philosophers of education. Their teaching programmes leave, at best, a faintly visible effect on the minds of the alumni; they have even failed to equip the Student with a degree which will help him to earn his living decently. In short, the Indian university has failed to di charge its responsibilities; it has failed its providing leadership to our society."

उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी ओर से कोई बात यहां पर ही कह रहा हूं । मैं केवल उन लोगों की बातों कौ यहां पर कह रहा हूं जो बहुत बड़े एजुकेशनिस्ट है । मैं दों–चार बातों का आगे चल–कर उल्लेख करुंगा चाहे उन बातों का इस सदन के अन्दर उल्लेख हो या न हो लेकिन वे लोग तो देश भक्त थे । सन्त जीवन ऐसे लोगों ने इस देश की स्वतन्त्रता के लिये ला गया । क्या ऐसी शिक्षा प्रणाली हम अपने नौजवानों के लिए नही अपना सकते ताकि हमारा नौजवान सारे भारत वर्ष का सिर सारे संसार में ऊंचा कर सके । सही शिक्षा प्रणाली से ही नौजवान सही रास्ते पर चल सकते है । सवाल पैदा होता है कि शिक्षा प्रणाली कैसी हो? हमारी शिक्षा प्रणाली को बदलने के लिए भाषा का बदलना बडा ही जरुरी है । 35 सालों की आजादी के बादमी यो जी आज हमारे जीवन से नहीं गई । जब तक अग्रेजी इस देश से बाहर नही जाती तब तक हमारी भाषाओं को प्रोत्साहन नही मिल सकता

और न ही नौजवानों में अपने देश के प्रति कोई नैतिकता की भावना पैदा हो सकती है । लेकिन आज क्या हो रहा है, जिन्होंने मारबीयत की शिक्षा प्राप्त की है, जो लोग लन्दन के अन्दर आती शिक्षा को प्राप्त करते रहे हैं वे आज इस मुल्क पर पूरी तह से छाये हुए हैं । आज वे इस देश से अंग्रेजी को जाने नहीं देते । उपाध्यक्ष महोदय, मुझे यह इसलिये कहना पडा कि भाषा अपनी परम्पराओं को उजागर करती है । हमारा सात इतिहास संस्कृत और हिन्दी में लिखा हुआ है । अगर हम नैतिक शिक्षा की बात करते हैं तो देश से अंग्रेजी को निकालना होगा और हिन्दी को लागू करना होरा और शिक्षा प्रणाली से अग्रेजी को बिल्कुल समाप्त करना होगा ।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं श्री एम० सी० छगला जोकि हमारे भारत के शिक्षा मन्त्री भी रह चुके हैं और सफीर भी रहे हैं, उन्होंने कश्मीर का केस भी यू० एन० ओ० में लड़ा था । वे मुस्लिम कम्युनिटी से सम्बन्ध रखते थे । उसकी किताब एजुकेशन एण्ड नेशन के बारे में जिकर करना चाहता हूं । उन्होंने अपनी इस किताब में जो लिखा है, उसकी दो लाईनें आप–कें सामने पढ़ना चाहता हूं । उन्होंने कहा है –

"There are two broad approaches to education prevalent in the world today. The first emphasises the worthwhileness of the individual-it holds that every individual is unique and the must he permitted and assisted to develop to the best that is possible for him."

उपाध्यक्ष महोदय, श्रीमन– नारायण जी अरनी एक थी, सोसायटी एण्ड ऐजुकेशन पुस्तक में लिखते हैं –

"It is no use producing students who have gathered some information and knowledge in certain subjects but who are not fit to undertake any definite responsibilities in life."

He further says —

"The existing Arts Colleges have outlived their utility and an Arts graduate today is good for nothing. It is said that Lori Macaulay planned lucation for obtaining clerks to run the British administration in India. But a B.A. is not fit for even clerkship because he does not nything anything of accountancy and office rutine. The so-called parely liberal education has had its day; it should no v ceMase to be. All the Arts Colleges, therefore, should be gradually converted into technical Colleges and nobody need shed a single tear far suh a change."

उपाध्यक्ष महोदय, वह वाले बिल्कुल दीखी है कि जब तक युवकों में राष्ट्रीय भावना पैदा ही होगी तब तक उनमें भारतीय संस्कृति और भारतीय परम्पराओं का जान नहीं होगा । सही मायनों में समाज मे भी ऊपर नही उठ पाएंगे और न ही अपने निजी जीवन को ऊपर उठा पाएंगे । उपाध्यक्ष महोदय, इसी सम्बन्ध में भा–रस सरकार ने एक कमिशन बनाया था, उसकी नोटिफिकेशन नम्बर 55/5/47–डी (3) दिनांक 4– 11– 48 जारी की गयी थी । यह नोटिफिकेशन भारत सरकार की मिनिस्टरी आफ एजुकेशन की तरफ से थी । इस काम–शन में जो–जो मेम्बर थे उन के बारे में मैं कर्का देता हूं । डा ० राधाकृ

ष्णन, जो कि हमारे देख के राष्ट्रपति भी रहे थे, जिन पर सारे देश को गर्व है, डा ० ताप चन्द जी एक बहुत बड़े एजुकेशनिस्ट थे, डाक्टर जाकिर हुसैन वे भी भारत के राष्ट्रपति रह चुके हैं । इसी तरह से दूसरे लोग भी इस कमिशन के सदस्य थे । इन्होंने जो रिपोर्ट दी थी, उसकी दो–दो लाईन आपके सम्मुख रखना चाहूंगा । इस कमिशन ने कहा है ––

"The need for Religion in a Secular State—The fundamental principles of our Constitution call for spiritual training. There is no State religion. The State must not be partial to any one religion. All the different forms are given equal place, provided they do not lead to corrupt practices. Each one is at liberty to approach the Un-seen as it suits his capacity and inclination

Further; on page 302, it is stated—

"Philosophy of Religion—When the students get acquainted with the great thoughts of great souls, they should be introduced to the problems of philosophy of religion. What is the message of philosophy to the new world ? We are trained in modern science and thought and our views must be able to satisfy the reflective and inquiring minds. We must do for our generation what the great thinkers of the past did for theirs. We must reckon with the intellectual doubts to which the modern world is prone and formulate views regarding the meaning and nature of the universe."

उपाध्यक्ष महोदय, मैं देश की दशा वर्णन करना चाहूंगा कि क्या है? इस देश को स्वतन्त्र हुए आज 35 साल' हो गए । हिन्दुस्तान के युवक 1947 में एक नये मोड़ पर खड़े थे । उस

समय अंग्रेजों को यहां से भगा दिया गया था उनको भगाने के लिये हमारे देश भक्तों ने फांसी के रस्से चूमे । क्या हमने आजादी इसलिये ली थी कि इस देश के अन्दर शिक्षा प्रणाली वही रहेगी? उस समय हमें सब से पहले शिक्षा प्रणाली को बदलना चाहिए था, उसके–सिलेबस को बदलना चाहिए था, बुक्स को बदल–था चाहिए था, शिक्षा देने का तरीका बदलना चाहिए था और इम्तहान लेंने का तरीका बदलना चाहिए था । मैं' श्री मान नारायण जी का एक और सैनटैस पढना चाहता हूं

"Besides text, books by Indian authors importance should be given to the study of ancrent books like the Mahabharat, Bhagwat-gita Ramayan, Kautilya's Arth-Shastra, etc."

जिन दिनों हम पढा करते थे उस समर बी ० ए ० की पोएटरी के अन्दर सब से पहले शैक्सपियर की नजम थी । उसके अन्दर आया था ।

"Oh Twenty come and kiss me"

डिप्टी स्पाकर साहेब, आप इसका मतलब समझ गये होंगे । दह शिक्षा प्रणाली भारत वर्ष के अन्दर रही । यह शैक्सपियर की कर हो सकती है, यह इंग्लैण्ड की सभ्यता हो सकती है यानी उस देश के अन्दर शिक्षा प्रणाली ऐसी हो सकती है, यह उनकी परम्परा हो सकती है परन्तु हमारे देश के अन्दर इस प्रकार की परम्परा नहीं है । हेम अश्वनी भारतीय संस्कृति के मुताबिक इस बारेय के अन्दर विश्वास रखते हैं कि अगर व्यक्ति का

जीवन ऊंचा होगा तो सभाज का जीवन ऊंचा होगा । लेकिन उपाध्यक्ष महोदय मुझे बड़ा दुख हुआ । इस समय मन्त्री महोदय जी यहां बैठे नही हैं । लगभग दो महीने पहले रिवाडी के अन्दर श्री गजराज बहादुर नागर गये थे । वे सर शादी लाल के बुत बा अभावरण करने गये थे । सर शादी लाल अन्नने समय मे पंजाब होई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे । उनको सर का खिताब अंगेजों की तरफ से मिला था । भारत सरकार की तरफ से या देश भक्तों की तरफ से नहीं मिला था । वे बहुत अमीर आदमी थे । उनके दो शूगर मिल चलते थे यानी बनको किसी प्रकार– की कोई कमी नहीं थी । लेकिन आज स्वतन्त्र भारत के अन्दर और स्वतन्त्र हरियाणा प्रान्त के अन्दर उनके बुत का अनावरण करने के लिये एक मन्त्री जाते हैं । उसने .... जिसने इस देश को आजाद करोने के लिये फांसी के रस्से को चूमा था और ....

आप रिकार्ड निकल–वर कर देखिए अगर यह बात गलत होगी तो मुझे ये शब्द वापिस लेने में कोई एतराज नही होगा । (शोर) मेरी जानकारी के मुताबिक उन्होंने उस वक्त के ..... क्या इस प्रकार की नैतिक शिक्षा हम देना चाहते हैं और उन लोगों के कुत यहां पर लगाना चाहते हैं जिन्होंने इस प्रकार के काम किये हों? उपाध्यक्ष महोदय, आज क्या हालत है – (शोर)

राव राम नारायण : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । यह जो इनका स्टेटमैंट है कि सर शादी लाल ने

..... यह बिल्कुल गलत है । उसके लिये तो एक अलग ट्रिब्यूनल बना था जिसका प्रैजीडैट एक अंग्रेज था ।

चौधरी राम लाल वधवा : मैं तो यह कहता हूं कि जो देश भक्त उनकी अदालत में हाजिर हुए, उनको उसने फांसी दी । (शोर)

राव राम नारायण : यह दस्तखतों के बारे में आपकी स्टेटमैंट गलत है ।

चौधरी राम लाल वधवा : मैंने यह कहा है कि उन जैसे .... (शोर) यह बिल्कुल गलत नहीं है । आप रिकार्ड निकाल कर देखिए । (शोर)वरना मुझे भी हाई कोर्ट के फैसलों का रिकार्ड निकलवाना पड़ेगा । (शोर)

स्थानीय शासन मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । जिस वक्त सर शादी लाल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे, उस समय अंग्रेज सरकार की तरफ से जो पंजाब का कागर्वर बना कर भेजा गया था, वह अंग्रेज या उन्होंने यह बात कही थी कि चूंकि हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एक हिन्दुस्तानी हैं इसलिये मैं हिन्दुस्तानी चीफ जस्टिस से ओय नहीं लूंगा । उस वक्त सा शादी लाल ने चीफ जस्टिस के पद से रिजाइन किया और कहा कि जो सरकार एक हिन्दुस्तानी चीफ जस्टिफ की इतनी बे–इज्जती कर सकती है, मै उस की कुरसी पर नहीं रह सकता वे पहले हिन्दुसतानी थे जिन्होने अग्रेज सरकार की

कुरसी को ठुकराया था। अंग्रेज सरकार ने मजबूर होकर उस गर्वनर को बापिस बुलाया और उसकी जगह दूसरी को भेजा गया तथा हिदायत की कि सर शादी लाल ही चीफ जस्टिस रहेंगे । जो अंग्रेज गर्वनर आएगा वह इस चीफ जस्टिस द्वारा ही ओंप लेगा । ऐसे आदमी के बारे में जो ये बात कह रहे है यह बिल्कुल गलत कह रहे हैं । इसको अपने शब्द वापिस लेने चाहिए ।

श्री उपाध्यक्षः यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है । प्वायंट आफ आकर इस तरह से हो सकता था यदि यह पूछा जाता कि माननीय सदस्य ने अपने भाषण में जों यह कहा कि भगत सिंह के डैथ वारन्ट पर या और शहीदों के डैथ वारन्टों पर उन्होंने दस्त–बस किए, इत्र बात को वैरिफाई कर लीजिए कि क्या यह बात सही है ।

चौधरी राम लाल वधवा : अगर दस्तखत नहीं किर तो ठीक है । मुझे कोई आपति नहों । मैं नैतिंकता की बात कर रहा हूं । मन्त्री महोदय ऐसे लोग जिन्होंने अंग्रेजो से सर का खिताब लिया.....,. (शोर)

Mr. Deputy Speaker : Let it be verified.

श्री बलदेव तायल. उपाधयक्ष महोदय, मेरा खयाल है कि इन्होंने रेसे ख्याल से नही कहा कि सर शादी लाल को उसने मैलाइन करना हो । इनका कहने का मतलब यह हो सकता है कि

उत वक्त ऐसे जज हुआ करते थे । मेरे ख्याल में उसका जो नाम आया है वह प्रोतीडिंग्ज ये से काट दिया जाए तो अच्छा होगा ।

Mr. Deputy Speaker : Let the Government verify it.

श्री मांगे राम गुप्ता : इन्होंने यह कहा हे कि उस वक्त ऐसे जज हुआ करते थे

Mr. Deputy Speaker : I would repuest the Goverament to kindly verify and if it is found incorrect, it will be expunged.

चौधरी राम लाल वधबा : जो मैंने शहीद भगत सिंह के बारे में कहा है, अगर ये उसके बारे में सर्टेन हों तो उसको कार्यवाही से निकाल दीजिए ।

राव राम नारायण : मैं उस वक्त लाहौर में था जब भगत सिंह की ट्रायल हो रही थी । एह ट्रिब्यूनल सैपरेट बता था । हाई कोर्ट में ट्रायल नही हुई थी । उस ट्रिब्यूनल का प्रेजीडैंट एक अंग्रेज था । इसलिये क्वैश्चन अंराइज नहीं होता कि ....

Chaudhri Ram Lal Wadhwa : It is not a matter of discussion. मैंने तो यह कहा है कि अगर किसी के नाम की खास बात है तो उसको निकाल दो । इस बात पइं मेरा अपना व्यू हो सकता है कि जो आदमी अंग्रेजों से सर का खिताब लेता है क्या आज उनके बुत यहां पर लगने ठीक है और उनके बुक– का अनावरण मन्त्रीजी करें? उपाध्यक्ष महोदय, सवाल अंह पैदा होता है

कि विस प्रकार की नैतिक शिक्षा दी जाये? मैं अपनी तरफ से. कुछ कहूंगा तो ये मेंरे भाई ज्यादा शोर मचाना शुरु कर देंगे । मैं एक उदा– हरण प्रस्तुत करना चाहता हूं कि आज किस प्रकार की नैतिक शिक्षा दी जा रही है । उपा– ध्यक्ष महोदय, आज क्या हो रहा है कि सिनेमा हाल के अन्दर किस प्रकार की पिक्चरें दिखाई जा रही है? उन पर किसी प्रकार का कोई प्रतिबन्ध नहीं है । यदि मैं किसी पिक्चर का नाम लेकर बता दूं तो सिर शर्म से झुक जाता है । पिक्चर देखने के लिए बाप बेटी को ले कर जाता है या पति पत्नी को लेकर जाता है और दूसरे नौजवान भी हाल के अन्दर बैठे होते हैं । जब पिक्चर में कोई लव सीन आता है तो उस समय नौजवानों में हूटिंग शुरु हो जाती है । क्या ऐसी पिक्चरें नौजवानों को नैतिक कनाने और एजुकेशन देने का जरिया है? क्या पिक्चरों के जरिए सरकार नौजवानों को सुधार रही है?

शिक्षा मंत्री (चौधरी देस राज): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य फिल्मों की बात कर रहे हैं । इनकों स्कूलों के सिलेबस के बारे में बोलना चाहिए । इस समय फिल्मों की बात अंडर डिस्कशन नहीं है । बच्चों को नैतिक शिक्षा देने की बात अंडर–डिस्कशन है ।

चौधरी राम लाल वधवा: उपाध्यक्ष महोदय, आप मंत्री जो को बता दें कि मैं नैतिक शिक्षा के बारे में ही बोल रहा हू । यदि हमें बच्चों में नैतिकता जानी है तो पिक्चरों पर जो सैसंरशिप है उसे वक्त करना होगा । पिक्चरों के जरिए एजुकेशन देने का

एक बेहतरीन तरीका है । इसलिए पिक्चरों पर सैसरशिप को सक्त–करना बहुत ही जरूरी है । उपाध्यक्ष महोदय, आपका जीवन भी बहुत ऊंचा है और हमारा जीवन भी बहुत ऊंचा है आपने पुराने वक्त में देखा होगा कि किस प्रकार की पिक्चरें होती थीं । पुराने जमाने में बडी बडी पिक्चरें बनाई जाती थी तो उन के अन्दर आपने देखा होगा कि यदि पिक्चर में किसी प्रकार का कोई लव सीन होता था उसमें हीरो हीरोइन की आपस में उंगलियां टच नहीं होती थीं । लेकिन आज कल की पिक्चरों में क्या होता है कि यदि पिक्चर में कोई रेप केस नहीं दिखाएंगे तो सीन में ओरिजनिल्टी नही आती । उपाध्यक्ष महोदय । यदि देश के अन्दर इस प्रकार की शिक्षा दी जाएगी तो बच्चों के अन्दर कभी भी नैतिकता नही आ सकती । हम देश के सबसे बड़े देशभक्त लाला लाजपतराय का नाम बड़े गौरव से लेते है और इनका नाम सुनते ही आदमी नतमस्तक हो जाता है । उपाध्यक्ष महोदय, यूनाइटिड पंजाब की धरती पर उन्होंने हमारा सिर ऊंचा किया और अंग्रेजों को हमारे देश से भगाया । उन्होंने देश की स्वतंतता के लिए अपने सीने पर अंग्रेजों की लाठियां सहीं । अरने सीने पर अंग्रेजों की लाठियां सहते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया । उपाध्यक्ष महोदय, लाला लाजपतराय ने एक किताब लिखी है ''दि प्रोब्लम आफ नैशनल एजुकेशन इन इंडिया ।'' उन्होंने इस किताब के पेज 20 पर लिखा है––

"There are certain principles and facts which must receive due recognition from those who engage themselves in formulating a

scheme of national education for I will suggest a few. The first thing to be noted is that educa tion is a vital basic problem. It is not a side issue. It is a fundamental fact of life, individual as well as social. Speaking scientifically, all life is by communication. In whichever way you think of education, whether in relation to the individual or to society, the fact, the process, the aim and the substance of education are social. It is a social fine ion. Individuals and society are interdependent; what is good for the one implies the good of the other."

उपाध्यक्ष महोदय, आज किस प्रकार की नैतिक शिक्षा होती चाहिए उस बारे में मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं । वह इतिहास के अन्दर भी है । एक मान धाता राजा होता था । वह चरित्रवान, तेजस्वी, तेजस्वी और सज्जन 'राजा था । उस राजा ने अधो खजाने से अपना जीवन यापन करने के लिए पैसा मुकर्रर कर रखा था कि मैं इतना पैसा खजाने से लेकर अपना जीवन यापन करूंगा । परन्तु उसके मंत्रियों और सेनापतियो की पत्नियां बहुत अच्छे कपड़े और आभूषग पहनती थों । एक दिन राजा की पत्नी ने राजा से कहा कि मेरे कपड़े बहुत सादे है और मेरे पास आभूषण भी एक आध ही है इसलिए आप पुसे भी अच्छे कपड़े और आभूषण बनवा कर दो । राजा मानताका ने अपने मंत्रियो को बुलाया और कहा कि मेरे सामने यह समस्या पैदा हो गएँ है, उसे आप हल करें । मंत्रियों ने राजा से कहा कि आपकी रकम मुकर्रर है इसलिए आप इससे ज्यादा पैसा खजाने से नही ले सकते । इसके लिए हम आपको एक तरीका बता देते हैं । जो जुल्मी और अन्यायी राजा हो औंर वह चाहे किसी भी देश में रहता हो आप

उससे 100 मोहरें कर के रूप में मंगवा लें और उनको इस्तेमाल कर लें । लेकिन खजाने से पैसा आपको नहीं मिल सकता । राजा ने मत्रियों से कहा कि ऐसा राजा कौन है? मंडियों ने कहा कि लंका में अन्यायी और जुल्मी राजा रावण है । राजा मानधाता ने अपना दूत राजा रावण के पास भेजा । उन्होंने दूत को कहा कि आप राजा रावण से कहो कि मैं राजा मानधाता का दूत हूं और मैं आपसे 100 मोहरें कर के रूप में लेने आया हूं । राजा मानधाता का दूत राजा रावण के पास गया । उसने 100 मोहरें कर के रुप में मांगी । राजा रावण ने दूत से कहा कि राजा मानधाता मेरे से कर लेने वाला कौन होता है और मोहरें देने से इन्कार कर दिया । वह दूत राजा रावन के दरबार से निकल कर बाहर मैदान में बैठ गया । बाहर मैदान में जमीन पर बैठ कर उसने अपने हाथ से सोने की लंका का नक्ला बनाना शुरु कर दिया और नक्शा बना कर जो महल का दक्षिणी बुर्ज था उसको अपने हाथ से मिटा दिया । महल के दक्षिणी बुर्ज को मिटाते ही लंका के सोने के महल का दक्षिणी बुर्ज गिर गया । राजा रावण को इस बात की खबर दी गई और बताया गया कि राजा मानधाता का दूत आया था उसने बाहर मैदान में ऐसा–ऐसा किया जिसके कारण महल का बुर्ज गिर गया है । राजा रावण ने उस दूत को वापिस दरबार में बुलवाया और कहा कि यह कैसे हुआ है । दूत ने राजा रावण को बताया कि मैं तेजस्वी, तपस्वी, चरित्रवान और नैतिकता वाले राजा का दूत हूं इसलिए यह बुर्ज गिर गया । राजा रावण ने कहा किं यह कैसे हो सकता है? दूत ने कहा कि आपने 100 मोहरें कर के

रूप में देने से इन्कार कर दिया इसलिए मैंने माप–बापा राजा के उप के जोर पर आपको वह दिखा दिया । राजा रावण ने कहा किं वह नही हो सकता । राजा मान–धाता का दूत राजा रावण से कहने लगा कि यहां पर कबूतर बैठे हैं यदि ये आभके कहने से दाना चुग जाएं तो मैं वापस चला जाऊंगा । करूप रों के सामने दाने डाले गए । राजा रावण ने कबूतरों को दाने चुगने के लिए कहा लेकिन पापी 'राजा के कह रे से कबूतरों ने बिखरे हुए दानों को नहीं चुगा । लेकिन जब उस दूत ने कबूतरों को पीने चुगने के लिए कहा तो तुरन्त दाने चुरा लिए । जब राजा रावण उसकी इस बात को समझ गया तो उसने कहा कि आप बेशक 100 मोहरें ले जाए । जब वह दूत अपने राजा के पास, 100 मोहरें लेकर गदा तो उसने कहा कि ये मोहरे कहीं से जाए हैं तो उतने कहा कि मैं ये 100 मोहरें राजा रावण से पाया हूं । राजा ने अपने मंत्रियों से कहा कि इन मोहरों को रानी को दे दो और उसके आभूषण आदि ले आओ । जब वे 'रानी के पास शर तो रानी ने पूछा कि ये कहा से लाए हैं तो उन्होंने कहा कि ये राजा रावण के पास से आई है । रानी ने कहा कि उस पापी राजा के पास से आई हैं तो मैं एक दाना केंक भी नही लूगी । राजा चक्र में पड गया । उसने आने मंत्रियों से कहा कि अब क्या करना चाहिए? मंत्री कहने लगे कि इन मोहरों को दान कर देश चाहिए । राजा ने ब्राह्मणों को बुलाया । ब्राह्मण कहने लगे कि आप ये कहा से लाए है । राजा ने कहा कि यह राजा रावण से जाये है । तब ब्राह्मण कहते जाए कि हम पापा राजा रावण की कोई भी चीज नहीं लेगे । एक उस

समय की बात है और एक आज के समय की बात है । आज ये कैसी शिक्षा दे रहे है? आज यहां पर शिक्षा शराब पीने की दे रहे हैं दूसरें गात कामों की दे रहे हैं । अनैतिकता का प्रचार दिन ब दिन बढता जा रहा है । मेरा कहना यह है कि अप री पुरानी परम्पाओ और प्राचीन संस्कृति के आधार पर नैतिक शिक्षा देनी चाहिए । आज इस ढंग से शिक्षा दी जीये कि बेरोजगारों को रोजगार मिल सके । (घंटी) इसलिए मैं ज्यादा न कहते हुए अपना स्थान लेता हूं क्योंकि आप मुझे बोलने के लिए पूरा समय ही दे रहे ।

(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री हरस्वरूप बूरा पदासीन हुए)

श्रीमती सुषमा स्वराज (अम्बाला छावनी) : सभापति महोदय, बाबू मूलचन्द जैन जी ने जो प्रस्ताव नैतिक शिक्षा के संबंध में सदन में चर्चा के लिए रखा है और जिस भावना से वे उसे सदन में जाए हैं उस भाव पा की कद करते हुए मैं उन–कों बधाई देती हूं लेकिन साथ ही उनके भोलेपन पर हैरान हूं कि वे किस मुंह से इस सरकार से नैतिक शिक्षा की मांग कर रहे हैं? सभापति महोदय, जो सर हार स्वयं अपने आप में अनैतिक हो उस सरकार से नैतिंक शिक्षा की मांग करना कहां तक लाभप्रद है? यह बात मेरी समझ से बाहर है । (शोर) बाबू जी इस प्रस्ताव के जरिए अगर यह जानना चाहते कि थोक के भाव दलबदल कैसे किया जाता है, हेराफेरी से पैसा कैसे बटोरा जाता हे और

राजनीति कैसे चलाई जाती है तो शायद ये इसकी जानकारी अच्छी प्रकार से दे देते । इनको इस काम के लिए विशेषज्ञ बाहर से जाने की आवश्यक्ता नहीं है । ये सभी मंत्री इस विषय में माहिर हैं । इन सनी मंत्रियों को शामिल कर एक विशेषज्ञ समिति उच्च स्तर की बन सकती है । इसके लिए कहीं बाहर से ट्रेनिंग लेने की कोई आवश्यकता नही है । अध्यापकों को प्रशिक्षण देने के लिए बाहर से टेर लिंग लेने की और इन्स्टीच्यूट खोलने की जरुरत नहीं है । ये अपने फालतू समय में इस काम को बड़ी आसानी के साथ कर सकते हैं यानि बनको अच्छा प्रशिक्षण दे सकते हैं । नैतिक शिक्षा का पाठ ये कैसे पढ़ा सकते है? आज अपने पाठ्य क्रम में सुधार एर–नें की आवश्यकता है । सभापति महोदय! यह सरकार क्या कर रही है, इससे बहस करने से कोई फायदा नही? जिस ढंग से व है सरकारे काम– कर रही है उस ढंग से यह सरकार अपने मिशन में कभी कामयाब नहीं हो सकेगी । जो प्रस्ताव बाबू मुलचन्द जैन जी हाउस में लाए है उसके ऊपर अपनी चन्द एक बातें कहना चाहती हूं । सभा– पति महोदय । इस सरकार का समय करफी कम रह गय है । हो उचटता है अगली आने वाली सरकार नैत्तिकता पर खड़ी हुई सरकार हो । जो मैं सदन में आज कहना चाहती हूं हो सकता है कि वह आगे आने वाली सरकार के लिए बहुत ही लाभदायक साबित हो ।

सभापति महोदय, जहां तक शिक्षा का ताल्लुक है किसी भी व्यक्ति के व्यक्ति लग– के विकास मैं पूर्व संस्कारों का होना

बहुत बडा महत्व हुआ करता है । आप जानते हैं कि ये संस्कार केवल दो ही स्थानों से मिला करते हैं । एक तो मां–बाप से और दूसरे विद्यालय से । इन दोनों सरकारों का जन्म–जात संबंध होत है लेकिन आज के समय में आप– अच्छी त रह से जानते हैं कि इन संस्कारों का क्या संबंध है? मैं एक बात आपके सामने रखना चाहती हूं । जो बात मैं आपके सामने रखने जा रही हूं वह कोई गलत बात नहीं है । इस संबंध में मुझे एक बात याद आ गई––

तिफ्ल में बू आए क्यों मां बाप की एतबार का ।

दूध तो डिब्बे का है । तालीम है सरकार की । ।

सभापति महोदय, इस सरकार के दिल में शिक्षा का कोई महत्व नहीं है । आज की शिक्षा से सिर्फ अक्षर ज्ञान ही मिलता है और कुछ नही । सभापति महोदय, अंग्रेजी में दो लफ्ज हैं । एक शब्द लिटैरसी होत है और दूसरा एजूकेशन होता है । लिट्रेसी का मतलब होता है कुछ जानना और कुछ समझना । एजूकेशन का मतलब होता है कुछ शिक्षा ग्रहण करना । आज मुझे यह बात कहंने में जरा सा भी संकोच नही है कि यह सरकार जिस शिक्षा का प्रसार कर रही है वह सिर्फ अक्षर शान का कर रही है । अक्षर ज्ञान से आगे कुछ नहीं कर रही । आज के बच्चे लिटरेट तो कन रहे है लेकिन एजुकेटिड नहीं बन रहे । सभापति महोदय । इसी विषय पर मुझे एक संस्कृत की सुक्ति बाद आ गई सा विद्या या विमुक्तये अब आप विचार करें कि विद्या किससे मुक्ति

कराती है? यह मुक्ति कराती है अजान से, यह मुक्ति कराती है जातीय सकीर्णता से, और य ह मुक्ति कराती है आपसी भेदभाव से । जिस अज्ञान के भंडार में बालक जन्म लेत है उससे मुक्ति कराने का नाम विद्या है । आपने देखा होगा कि शिक्षा संस्थानों में एक श्लोक लिखा होता है कि '' तमसो मा ज्योर्ति गमय '' इसका मतलब होता है कि मुझे अंधेरे से प्रकाश की ओर ले चलो । शिक्षा बालक के अज्ञान के अंधेरे को दूर करती है और उसको प्रकाश की ओर ले जाती है । तो चेयरमैन साहब, कहां शिक्षा का वह स्तर था और कहा आज का स्तर है । आप भी स्कूल और कालेज में पढ़े हैं । आप स्वयं जानते हैं हि शिक्षा के आज के सतर में हाकी गिरावट आ चुकी है । क्या हमे यह कहने में लज्जा नही आती कि आज विद्या हो मुक्त कराने की सकीर्णता के अन्दर भेजते पर मनबूर करती है क्योकि आज की शिक्षा केवल मात्र अक्षर जा है। आज हमे अक्षरों का ज्ञान करा दिया जाता है, फिर कुछ व्याकरण सिखा दिया जाता है, हमे वाक्य बनाने आ जाते हैं और अर्जी लिखनी आ जाती है लेकिन शिक्षा का जो असली उद्देश्य है उस उद्देश्य लग से हम कहीं दूर चले गए हैं । चेयरमैन साहब, समान को बदाने बचाने के तीन अदायरें हुआ करते हैं धर्म, शिक्षा और राजनीति लेकिन आज इन तीनों में ही आदर्श विहीनता है । आज कौन ऐसा व्यक्ति है जो धर्म के अन्दर हमारा आदर्श है? जिस देश में राम और कृष्ण, गुरू नानक और बाल्मीकि हुए हों, जिस देश में ईसा और हजरत मुहम्मद की बाते पढाई जाती रही हो उस देश में आज धर्म क्षेत्र में आदर्श कौ है? क्या भगवान

रजनीश और बाल योगिचर? मां अपने बच्चे को पहने कहा करती थी कि बेटा बड़े होकर गांधी बनो, नेहरू बनो सरदार वल्लभभाई पटेल बनो वह मां आज अपनी गोद में आने लाल को लेकर क्या कहेगी कि बेटा बडे होकर भजन लाल बनो ? जिस राजनीति के आदर्श गांधी जी, सुझाव और भगत सिंह हुआ करते थे उसका स्तर गिर कर आज जर इतना नीचे आ गया है तो समाज कहां से बन पाएगा? धर्म, शिक्षा और राजनिति इन तीरों अदायरों में हमे कोई आदर्श नजर नहीं आता । सभापति महोदय, एक बहुत बडा प्रश्न चिन्ह आज हमारे सामने लगा हुआ है कि अगर इसी साह की शिक्षा दी जाती रही तो क्या होगा देश और समाज का? बहुत अच्छे समय पर एक चेतावनी देकर बाबू मूल चन्द जैन जी इस प्रस्ताव को सदन में जाए हैं बशर्ते यह सरकार इसके ऊपर अमल कर सके । इसके बारे में सभापति महोदय मैं अपने शिक्षा मंत्री चौधरी देस राज जी को एक सुझाव दूंगी। अगर यह सरकार स्कूलो में सही मायनों में नैतिक शिक्षा देना चाहती है तो जिस तरह से प्रति दिन गई बी० टी० का पीरियड मुकर्रर होता है खेलो का पीरियड मुकर्रर होता है उसी तरफ से धर्मशिक्षा का पीरियड मुकर्रर होना चाहिए रोज एक पीरीयड पौने घंटे या आधे घंटे का हो जिसमें धर्म शिक्षा, नैतिक शिक्षा दी जा सके । सभापति महोदय, केवल पीरियड मुकर्रर करने से भी कुछ नहीं होगा । उससे ज्यादा अहम बात यह है कि नैत्तिक शिक्षा देने वाले टीचर्ज का अपना नैतिक चरित्र कैसा हो? कहीं दीपक तले अधेंरे वाली बात न हो । दिन में पचास बार स्वयं झूठ बोलने के बाद वह कहे

कि सच बोला करो । इसलिए जरूरी है कि नैतिक शिक्षा देने वाले अध्यापकों का अलग केडर बने जिस तरह से सोशल स्टडीज पडाने वालों का या हिन्दी पड़ाने वालों का अलग केडर होता है । यह न हो कि साईस या हिसाब आदि पड़ाने वाले अन्धयापक नैतिक शिक्षा पगुरा शुरु कर दें सिर्फ यह समझ कर कि यह फिजूल का पीरियड है । इन अध्यापकों का जैसा मैंने पहले कहा अलग केडर बनना चाहिए और उस केडर को बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि नैतिक शिक्षा पढाने वाले अध्यापकों का अरना पास्ट करैक्टर कैसा रहा है । क्या वे वास्तब में इस काबिल हैं कि वे बच्चों को नैतिक शिक्षा दे सके । हमें यह देखना हो कि वे वास्तव चोरी न करते हों, खुद झूठ न बोलते हों, बेईमानी न करो हों और हेराफेरी न कर रें हों क्योंकि समागत महोदय बालक का हृदय बड़ा कोमल होता है । बालक के हृदय पर सीखी हुई बात की अमिट छाप होती है । पता नहीं जिन्दगी के किस मोड़ कर वह उमर कर आगे आ जाए । अगर बालक देखेगा कि अध्यापक केवल माल किताबी शिक्षा देते हैं तो लाम नहीं होंगे वाला ।

फिंर सभापति महोदय बाबू जी ने यह प्रश्न उठाया है कि नैतिक शिक्षा को कैसे प्रभावधान शाली और फलदायक बनाया जाए? उसमें उसक पाठ्यक्रम क्या हो, इसमें कफी बहस की गुंजाइश है । चर्चा के बाद यह राज किया जाना चाहिंए। आप जानते हैं कि हमारा इतिहास इस तरह को कयाओं से भरा पड़ा है

। उसमें वीर और वीरांगनाओं की बहुत सी जीवनियां हैं, उसमें बहुत से महापुरुषों की कथाए है लेकिन यहां क्या होता है? उनकी जीवनियों को न पढ़ा करके मुख्य मंत्रीली की जीवनियां पढाई जती हैं । इस बात पर मुझे बड़ा एतराज है । राजतीतक एतराज भी है । मुख्य मंत्री का पर स्थाई पद नहीं होता । अपनी सरकार में ही हम देखे पिछले चार पांच साल के अर्से में दो मुख्य मंत्री बदल चुके हैं । केरल में किने ही मुख्य मंत्री बदल चुके हैं । इसी राह से आसाम में कितने ही मुख्य मंत्री बदल चुके है । कोई मुख्य मंत्री पूरे पाच साल तक बना रहेगा यह कहना बड़ा मुश्किल होता है लेकिन पाठ्यक्रम पूरे साल के लिए निर्धारित हो जाता है । मान लो पाठ्यक्रम प्रारम्भ होने के वक्त कोई मुख्य मंत्री है उसकी जीवनी बच्चों को पढ़ाई जा रही हो लेकिन 6 महीने के बाद यदि वह बदल जाए तो दूसरा मुख्य मंत्री पौलिटिकल वन्देटा के कारण चाहेगा कि उसकी जीवनी पाठ्यक्रम से निकाल दी जाए और अपनी जीवनी पाठ्यक्रम में डाल दी जाए । यह बात ठीक ही होगी । वैसे भी मैं तो इस राय की हू कि जीवित लोगों की जीवनिया पाठ्यक्रम में आनी ही नही चाहिएं क्योंकिं उसके चीज के बारे में प्रश्न चिन्ह मौत के कगार तक लगा रहता है । आज कोई व्यक्ति बहुत अच्छा हो सकता है लेकिन यह कहना मुश्किल है कि वह अंत तक अच्छा रहे । पता नही फिसलन का समय आते वक्त वह अच्छा व्यक्ति किस रुप में हमारे सामने आ जाए । इसलिए मैं कहती हू कि कोई व्यक्ति अच्छा है या बुत है इस बात का पता उस व्यक्ति की मृत्यु के बाद ही लगता है । (घंटी) तभी हम कह सकते है कि

वह व्यक्ति पूरा जीवन भर कैसा रहा । इस बात को ध्यान में –रखते हुए मैं एक बार फिर कहती हू कि जीवित व्यक्ति की जीवनी स्कूलों में पडाई ही नही जानी चाहिए । सभापति महोदय, हमारे पुराने इतिहास और धार्मिक ग्रन्थों में जो अच्छी शिक्षा हैं, नैतिक शिक्षा के सूत्र हैं, वे बहुत सहजता से बच्चों के दिमाग में चले जाते हैं । उन्हें बच्चों को पढाया जाना चाहिए । इतना कहकर आपकी घंटी का ध्यान रखते हुए मैं अपना स्थान लेती हूं ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू (पाई) : चेयरमैन साहब, नैतिक शिक्षा का सवाल बड़ा पेचीदा और बड़ा कंप्लीकेटिड है । सारे हाउस की तरफ से यह बात आई है कि एजूकेशन में सुधार हो । चेयरमैन साहब, कहा जाता है कि "Teacher are the builder of the nation and education in preparation for life".लेकिन अफसोस इस बात का है कि आज देश को आजाद हुए 35 वर्ष हो चुके हैं परन्तु एजूकेशन में कोई सुधार नहीं हुआ है । आप चाहे पार्लियामैंट में दिए राष्ट्रपति के अभिभाषण को देख लें, चाहे किसी स्टेट के गर्वपर ऐडैरस को देख लें, सबमें यह लिखा होता है कि गरीबों की गरीबी को दूर करने की कोशिश की जा रही है । (शोर) चेयरमैन साहब, पेट की आग बुझे वगैर कोई आदमी कुछ नही कर सकता । आज गरीब और अमीर के बीच बडा फर्क पर चुका है । देश को आजादी मिलनें के बाद भी आम लोगों की

लेती खराब है क्योंकि अमीर आदमी ज्यादा अमीर हो गया है और गरीब आदमी ज्यादा गरीब हो गय है । (विध्न)

श्री सभापति : आप लोग जरा शान्त रहिए हर आदमी अपनी समझ के अनुसार बोलता हैं । जो बात आपके दिमाग में नही है वह ऊनके दिमाग में है । (विध्न एवं शोर)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : मै सब से पहली बात व ही अर्ज करना चाहता हूं अगर एजुकेशन में तरक्की लानी है, लोगों में नैतिकता लानी है तो संब से पहले गरीब आदमी की गरीबी दूर करनी पड़ेगी । चेयरमैन साहब, गरीबी आसानी से दूर नही हो सकती है । कोड यह कहे कि कांग्रेस (आई) के मैम्बरान का कसूर है या किसी अक्सर का कसूर है यह गलत है । यह सारे देश का मामला है । जब तक सभी भाई आगे नही आयेगे तंव तक देश का कल्याण नही ही हो सकता । जहा तक पावर मे आने का सवाल है वह तो कोई भी आ सकता है । आज ये हैं कल को मैं भी मुख्य मंत्री आ सकता हूं । गरीबी को ईमानदारी से दूर नही या जा सकता है । हम चाहे कितने ही बीस सूत्रीय अन्य प्रोग्राम बना लें लेकिन गरीबी दूर नही हो सकती ।

श्री सभापति : पोहलू साहब आप रैज्योलूशन पर ही बोले ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : चेंयरमैन साहब! आज आम आदमी को जीने के लिए चीजों की आवश्यकता है । रोटी,

कपड़ा, मकान, दवाई और पढाई सब के लिए प्र बन्ध हो जीये तो गरीबी अपने आप ही दूर हो जायेगी । किसी हम ०एल– ०ए ०, वजीर या अफसर का कसूर नही है कि वह रिश्वत लेता है । वह इसलिए रिश्वत लेता है कि उसका खर्चा पू रा नही होता । आज कल ..... लेते सब को पता है । अगर सारे एम ० एल ०ए ० और वजीरों की अदि–दाद पर सीलिंग लग जाये तो गरीबी द्र हो सकती है । आप देखते है कि अभि जो लोग वकालत करते हैं वे बेचारे मारे मारे फिर रहे है, उन्हें कोई पूछने वाला नही है । इस लिए ऐसे लोगों को भी कुछ राहत दी जाये । एक बहिन एजूकेशन डिपार्टमैट में एडी० पी०आई ० लगी हुई है । उसके खिलाफ कुछ मुलाजमों ने जो कि उसके अन्डर आते है गन्दे गन्दे इश्तहार निकाले है । उसके फोटो भी छपे हैं । इस बारे मे इन्कवायरी की जाये कि कौन कसूरवार है । जिन लोगों ने उस पर इल्जाम लगाया है वे ठीक हैं तो उस लेडी के खिलाफ एक्शन लें । अगर इल्जाम गलत है तो उन लोगों को गिरफ्तार किय जाये जो एक लेडी को इतना परेशान कर रहे हैं ।

श्री सभापति : इस इशु को आप बार बा र न उठाये । यह आ पके ही इन्टैरस्ट में है ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : चेयरमैन साहब, अब मैं एजूकेशन के विषय में कुछ अर्थ करना चाहत हु । सभी लोगों को बराबर की एजूकेशन मिलनी चाहिए । एक जैसी एजूकेशन होनी चाहिए । गांवों के लड़के तो सरकारी स्कूलों में पढ़ते है । मजदूर

और किसान का लडका तो आम स्कुल मे पढता है और अमीर का बच्चा मनसूरी स्कुल में पढता है । गरीब और किसानों के बच्चों को कोई सुविधा नही किताबे तक मिलती नही (शोर एवं व्यवधान) आपकों और मुझे भी पता है कि चौधरी भजन लाल ने सच न बोलने का प्रण कर रखा है । मेरे से चौधरी भजन लाल जी ने मदद मांगी । मैंने इनकी जनता राज में मदद की । इन्हेंने मेरी कास्टीच्यूसी कैथल में जा कर एलान किया था कि कैथल की जिला बना दूंगा लेकिन आज तक नही कमाया । इसी प्रकार शूगर मिल के मिल लिए वायदा किया था वह भी नही बना । इन्होने आज तक कोई भी अपना वायदा पूरा नही किया । मेरी कांस्टीच्युंसी में आज तक कोई काम नही किया । आज हुस सरकार में चौधरी भजन लाल जी ने कितने ही वजीर बना रखे है और कितंने ही एम०एज० एज० को वजीरों के बराबर पद दिये हुए है । स्वामी आदित्यवेश, ईश्वर सिंह आदि को बजीसे के समान पद दिये हुए है । आज हरियाणा से डेमोक्रेसी खत्म है । मुझे भी मिनिस्टर का लालच दिया था लेकिन वह वायदा भी पूरा नही किया । ये लोगों को लालच देकर काग्रेस (आई) में शामिल कर लेते हैं । काग्रेस ये कोई भी ईमानदार नही है । चीफ मिनिस्टर साहब कैथल में एलान करते है लेकिन फिर मुकर जाते है । जिन लोगों के खिलाफ इल्जाम है सब को निकाल दो । ये यहां तो वायदा कर लेंगे लेकिन् जब यमुनानगर के गेस्टहाउस में लोगे तो फिर वही बाते करने लगते है । ....

....

श्री सभापति : वजीर और एम ० एल ० एज ० के बारे में चम्बल घाटी वाली बात को एक्स– पंज कर दिया जाये ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : इन सब लोगों की इन्कवायरी करायी जाये । दूसरी बात मैं यह भी कहना चाहता हु कि जब से हरियाणा जनता गवर्नमैंट और कांग्रेस का राज आय है सभी जाट अफसरों को एक कोने में खुड में लगा दिया है । नवकी कोई बात नही सुनता, कोई ऐडिशनल नही, कोई पर मोशन नही, कोई बोलने की इजाजत नही । चौधरी भूप सिंह जो एडिशनल एडवोकेट जनरल हुआ करते थे उन्हें निकाल कर बाहर फैक दिया और श्री बतरा को सीनियर एडवोकेट जनरल लगा दिया गया है । यह बहुत ही जूनियर वकीलें है । इतना नही हर जगह पर इन्टरफीएरैन्स की जा रही है । एडवोकेट जनरल के स्टाफ के भारे में सब को पता है कि यहा पर कानून जानने वाले लोग होते हैं । यह आफिस लीगल। ओपी– नियन का हैड है । ऐडवोकेट जनरल ने चीज मिनीस्टर साहब की इन्टरफीएरेन्स के कारण ही इस्तीफा दिया । जब एडवोकेट जनरल ने इस्तीफा दे दिया तो चीफ मिनिस्टर साहब को भी इस्तीफा दे देना चाहिए था । एडवोकेट जनरल की गवर्नमैंट में बड़ी भौरी पोजीशन होती है लेकिन आज देश का ला एण्ड आर्डर बिल्कुल खराब है । कोई कानून को पूछने वाला नहीं है । जाटो के साथ बहुत ज्यादा ज्यादती हो रही है। जो जाट सीनियर अफसर हैं उन्हें इग्नोर करकें कोन में लगा रखा है । चौधरी धर्म सिंह जो उन पुलिस के

बहुत ही सीनियर अफसर है । उन्हें आई० जी० जेल लगा दिया गया है । अगर जाति–पाति की की बात नही होती तो उन्हें हरियाणा में पुलिस में दूसरी पोस्ट आई ० जी ० की बना कर वही लगा दिया जाता । हरियाणा में यू०पी० राजस्थान के लोग लगाये जा रहे हैं लेकिन हरियाणा के लोगों को अच्छी पोस्टस पर नही लगाया जा रहा है । आप– बेशक हाई कोर्ट का फेर बैठा करें इन्कवायरी करवा लें, उसमें जनता पार्टी, काग्रेस आई और लोकदल के एम ०एल– ०एज ० को शामिल कर लो । कांग्रेस पार्टी की ओर से चौधरी शमशेर सिंह को बैठा लो । हरियाणा में फोटो के साथ ज्यादती हो रही है । नौकरियों मै जाए–पात का बोल–बाला है । चीफ मिनिस्टर साहब खुद जात–पात फैला रहे है । आदमपुर के लोग ही ज्यादातर नौकरियों में लिए जा रहे है । (घंटी) चेयरमैन साहब, हमारे यहा कैथल में इस सरकार ने कोई काम नही करवाया है, न कोई पानी की टंकी बनायी न कोई सडक बनायी और न ही कोई और काम करवाया । सी०एम ० साहब हमारे साथ जुल्म कर रहे है । हमारे व हा भी कोई एकाध काम तो होना चाहिए ।

चेयरमैन साहब, पिछली 15 फरवरी को मैं भिवानी गय हुआ था । वहां मै सैर करने के बाद आ रहा था । रास्ते मे कुछ लोग एक मरे हुए बच्चे को ले जा रहे थे । मैने उनसे पूछा कि भाई यह बच्चा कैसे मरा है । उन्होने कह । कि सर्दी से मर– गया! दवाई दे नही पाये उस बच्चे पर उन मजदूरों ने कफन भी

अच्छी तरह से नही डाला हुआ था उसकें पेंर तक नंगे थे । ऐसी हालत देख कर मेरी आंखों में आसू आ गये । आज यहां हरियाणा में पैसे वाले लोग अच्छी से अच्छी साड़ी खरीद कर औरतों को पहना रहे है और गरीब बच्चों को तन पर कपड़ा पहन ने को नही, दवाई नही । चेयरमैन साहब, इस बार ये एम ०एल०एज० जब गावो में वोट भागने के लिए जायेंगे तो लोगों से पिटेगे । आप तो चेयरमैन सहिब समझदार है लेकिन जो सदस्य लोगों की कोई सुनायी नही कर रहे, वे अवश्य पिटेगे । चेयरमैन इन सभी लोगों की– इन्कवायरी कराओ । (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी यही गुजारिश है कि नौकरी मे किसी किस्म की जाए–पात नही होनी चाहिए जाटों के साथ जो ज्यादती हो रही है उसे दूर किया –जाये । नून शब्दों के साथ अर्ज करूंगा कि नैतिक शिक्षा का रेजोल्यूशन पास किया जाये ।

स्थानीय शासन मंत्री (श्री मांगे राम गुप्त) : डिप्टी स्पीकर स्पीकर बाबू मूल चन्द जैन जी ने मौरल एजूकेशन के बारे में जो रैज्योलूशन पेश किया हुआ है, मैं उस पर अपने विचार रखने के लिये खड़ा हुआ हूं । यह जो प्रस्ताव है यह देश की जरुरत के मुताबिक आदरणीय बाबू मूल चन्द जैन ने बड़ी सोच–समझ कर रखा है । बहिन सुषमा स्वराज ने इसके समर्थन में बोलते हुए एक बात कही कि आप किस सरकार से कह रहे हो, किस सरकार के सामने जड रैज्योलुशन जो रहे हो? डिप्टी स्पीकर सा हब, आप खुद महसूस करेंगे और यह देखेंगे कि किस बात की

आज सख्त जरुरत है । मैं यह कहना चाहता हू कि ऐसे मामलों मे सरकार और अपोजीशन का अगर साथ नही है तो अच्छी बात नही है । ऐसी समस्या पर भी विचार प्रकट करते समय एक दूसरे की नुक्ताचीनी करना और इल्जाम लगाना यह कोई शोभा नही देता । गबन –द– एडैरस बजट डिस्कशन और दूसरे ऐसे मौकों पर आपको अ पनी ऐसी बाते कहने का पूरा मौका मिलत है लेकिन आज जो रेजोल्यूशन डिस्क्स हो रहा है इस पर ऐसी बात करना कोई अच्छी बात नहीं है ।

डिप्टी स्पीकर साहब. इसके बाद मैं एक बात कहना चाहता हू कि necessity is hte mother of invention. जरुरत ईजाद की मां है । आज बुद्धिजीवी यह महसूस करते हैं कि देश के भविष्य को किस तरह से सुधारा जाये । यहां पर इस बारे मैं बहुत सी बातें आयी । बात यह भी आयी कि हमारा शिक्षक वर्ग यानी अध्यापक कैसे होने चाहियें । यह तो वही बात हो गयी कि मुर्गी पहले पैदा हुई थी या अडा पहले पैदा हुआ था । अगर हम यह कहें कि जब तक अध्यापक का आचरण अच्छा नही होगा तब त्क बच्चे का आचरण ठीक नही हो सकता । अगर बच्चे का आचरण ठीक नही होगा तो अध्यापक कैसे उसको सुधारेगा, यह समस्या बड़ी ही गंभीर समस्या है । सस्कृत का एक श्लोक है ––

''तावद भयेसे भयेतवयम

यावद भय अनागतम, क्य'

अनागतम तू भयं, विक्षानरे

करो उच्चतम । ''

जब तक भय पास नहीं आता तब तक भय से आदमी को डरनें की जरुरत नहीं है और जब भय पास आ जाये तो जो बुद्धिजीवी हैं, वे अपनी बुद्धि के अनुसार अपने कर्त्तव्य का पालन करते हैं । मेंग कहने कहने मतलब यह है कि जब समस्या सामने आती है और कोई डर दिखाई देता है तो किसी भी समाज का या देश का बुद्धिजीवी वर्ग उसके अनुसार अपने कर्तव्य का पालन करे चाहे वह रूलिंग पार्टी में बैठा हो या विरोधी पक्ष में बैठा हो चाहे वह एजूकेशनल लाईन में हो या इंजीनियर हो या डाक्टर हो, उसको अपनी समझ के मुताबिक सोच–समझ कर चलना चाहिये ।

इस सब के लिये नैतिक शिक्षा की बड़ी भारी आवश्यकता है । आज इस बात को अकेले लीडर आफ दि हाउस या लीडर आफ दि अपोजीशन ही नही, बल्कि चाहे विद्यार्थी है, चाहे कोई अफसर हैं, या छोटे से छोटा कर्मचारी है, वह इस बात को महमूस करते है कि जनता को इस वात की शिक्षा दी जानी चाहिये । छोटे से छोटे कर्मचारी से लेकर बडे से बड़े अफसर तक इस बात की जरुरत महसूस कर रहे है । इसलिये बाबू मूल चन्द जैन जी ने जो प्रस्ताव पेश किया है, इसका पुरजोर समर्थन करता हूं । यह सरकार के सामने कोई नाग की बात नही है । जैसे दूसरी मांगे आयी है कि हरियाणा के अन्दर ओने पड़ने की वजह

से किसानों की फसलों का नुकसान हो गया है । (व्यवधान व शोर) अपोजीशन की तरफ से यह मांग आयी है कि किसानों की फसलों का नुकसान हो गया है इसलिये ऊनको कम्पनसेशन दिया जाये । बहिन सुषमा स्वराज अगर यह बात कहे कि आप किस सरकार के सामने यह माग रख रहे हो, तो यह कोई अच्छी बात नही है । यह सरकार लोगों की नुमायन्दगी करती है, यह सरकार कोई नौमिनेटिड सरकार नही है, बकायदा चुनकर आयी हुई है । जो भी समस्या प्रदेश के अन्दर या देश के अन्दर होती है, वह सरकार के ही सामने रखी जाती है और सरकार ही उसका इलाज करने की कोशिश करती है । मेरे साथी शिक्षा मंत्री जी यहा पर बैठे हुए हैं । मैं उनसे यह निवेदन करुंगा कि वह इस बात को बिल्कुल भी न सोचे कि यह रज्योलूशन अपोजीशन की तरफ से आया है, इसलिये हम डस बात को नही मानते । बाबू मूल चन्द जैन ने यह रैज्योल्शन क्यो किय है इसी–नये इस पर ध्यान न दिया जाये । मैं तो यह कहुंगा कि सिलेबस के अन्दर या दूसरी जगहों पर जहा पर सुधार की जरुरत हो, वहां पर सुधार करें । जहा तक नैतिक शिक्षा की बात है बहिन सुषमा जी ने राक वात और कही । उन्होंने जो धार्मिक शिक्षा की बात कही मै उससे सहमत हु । धार्मिक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा जुड़ी हुई है । जब तक किसी बच्चे को धार्मिक शिक्षा नही होगी तब तक वह नैतिक शिला ग्रहण नहीं कर सकता । जिस बच्चे के अन्दर धार्मिक शिक्षा होगी आटोमैटीकली वह नैतिक शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेगा । डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात मर्यादा पुरुषोतम

राम के बारे में आप सब को पता होगी । जब भगवान राम के गुरु विश्वामित्र उनको राक्षसों का हनन करने के लिये ने गये तो कोई यह नही कह सकता कि उन्होंने यह गलत काम किया । उस समय कोई नैतिक शिक्षा का सवाल नही था । उन्होंने उनके अन्दर एक विश्वास पैदा किया कि जो लोग दूसरे लोगों को जीने नही देते, उनका हनन करन उचित है । तभी उनको हनन करने के लिये तैयार किय । उन्होंने कोई स्कूल या कालेज में शिक्षा प्राप्त नही की थी । एक बात मुझे भगवान राम के बारे में और बाद आती है । हमारे साथी चौधरी राम लाल वधवा जी ने एक तरफ तो अंग्रेजी शिक्षा का विरोध किया लेकिन दूसरी तरफ शिक्षा के बारे में उन्होंने अंग्रेजी में कुटेशन्ज दी । अगर हम रामायण से शिक्षा ग्रहन करने की कोशिश करें तो बहुत शिक्षा ली जा सकती है । उसका हमारे बच्चों पर अच्छा असर भी हो सकल है । डिप्टी स्पीकर साहब, जब मर्यादा पुरुषोतम राम को 14 वर्ष का बनवास हो गया तब सीता जी भी उनके साथ गयीं । आपको पता ही है कि वनवास के दौरान रावण ने सीता का छल से हरण कर लिया और काफी समय तक सीता जी रावण के पास लंका में रही । बाद मे भगवान राम ने सीता जी की तलाश की । राम ने लंका पर चढ़ाई की और रावण को मारा, तब सीता को प्राप्त किया । बनवास काटने के पश्चात् भगवान राम वापिस अयोध्या में आये, उनका राज–तिलक हुआ और राजपाट करने लगे । जब वह राज कर रहे थे तो एक दिन धोबी का अपनी धोबिन से किसी बात पर झगड़ा हो राय । डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता होगा कि उस

धोबी ने चौराहे पर खड़ा होकर यह कह दिया कि मैं राम जैसा नही हूं जिसने सीता को जो रावण के पास इतनी देर रही, फिर भी उसका वरण कर लिया । फैलते–फैलते यह बात भगवान राम तक पहुंची । हालाकि भगवान राम को इस बात का पता था कि सीता पवित्र है क्योंकि उसकी अग्नि परीक्षा हो चुकी थी और उस पर कोई लाछन नहीं था लेकिन फिर भी उन्होंने सीता का त्याग करने का फैसला किया । (व्यवधान में शोर)

चौधरी राम लाल वधवा : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । मती महोदय भगवान राम की मिसाल दे रहे है । मैं निवेदन करूंगा कि इसी कर अमल कर लें । भगवान राम ने तो धोबी के कहने पर सीता को त्याग दिया था लेकिन यह दल–बदल कर जो गये है, उसी को ठीक कर लें । यह भगवान राम की मिसाल देते हैं । कमाल की बात करते हैं

श्री मांगे राम गुप्ता : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि मैं न तो काँग्रेस पार्टी के टिकट पर बना था और न ही जनता पार्टी के टिकट पर बना था । मैं तो आजाद टिकट पर बना था । मुझे इस बात का हक है कि मैं कोई भी पार्टी ज्वाइन करूं । मै यह बता रहा था कि भगवान राम ने सीता को त्याग करने का फैसला किया । उन्होंने लक्ष्मण को हुक्म दिया कि सीता का त्याग कर दो । लक्ष्मण ने सीता को रथ में बैठाया और बियावान जंगल में चला गया । उसको वहा पर छोड कर कहने लगा कि मैं जानता हु कि आपके साथ बड़ा अनर्थ हो रहा

है लेकिन मै किसी भी प्रकार से राम के हुक्म को नही टाल सकता । मैं उनके हुक्म को मानकर ही आपकों यहा पर छोड़ कर जा रहां हूं । यदि राम को आप कोई संदेश देना चाहती है तो दे दे । उपाध्य क्ष महोदय, मै नए लोगों को कहना चाहता हू जो नैतिकता की बात कर रहे है । सीता ने लक्ष्मण को कहा कि एक धोबी के क्हन से 'राम ने मुझे घर से निकाला है मुझे इसका दुख नही है क्योंकि मैं तो जंगलों में रहकर उसी तरह से लक्का जीवन व्यतीत कर लुंगी जिस तरह से मै चौदह साल तक वनों में रही हू या रावण की कैद में रही हुं और अपने ऊपर किसी प्रकार का लाछन ही लगने दिया । उसी तरह से अब भी राम की याद में मैं जीवन व्यतीत कर दूंगी तेकिन राम को कहना कि फिर तरह से लोगों की चर्चा सुनार सीता को छोड़ दिया इस तरह किसी के कहने से अपना धर्म न छोड़ देना । उपाध्यक्ष महोदय जहा पर देवता रहते है वहा राक्षस भी निवास करते है । आज सब से बड़ा खतरा यही है कि कही इस देश के लोग अपना धर्म न छोड दे । अगर लोग अपना धर्म छोड़ देंगे तो कोई आदमी नही बचेगा । अगर किसी व्यक्ति में धर्म की भावना है, धर्म की 'शिक्षा उसे मिलती है तो उसमें नैतिकका आटोमेटिक आ जाएगी । धर्म के साथ नैतिकता जुड़ी हुई है । मेरा शिक्षा मन्त्री को सुझाव है कि एक पीरियड बच्चों के लिए धर्म शिक्षा. का होना चाहिए । अगर हमारे बच्चों के अन्दर धार्मिक शिक्षा' आ गई तों नैतिकता कममें बहुत जल्दी आ जाएगी । धार्मिक शिक्षा के बगैर नैतिकता किसी भी हालत में नही आएगी । हमें इस प्रस्ताव पर बहुत अच्छी तरह

से गौर करना चाहिए और अगर शिक्षा का स्तर ऊंचा करना हो तो बच्चो को धार्मिक शिक्षा अवश्य देनी चाहिए । उपाध्यक्ष महोदय मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जब तक हमारे देश के साधु संत और राजनैतिक लोगो का बीवर स्तर ऊचा नही होगा, तब तक इनका करैक्टर नही बनेगा, चरित्र नही सुधरेगा तब तक यह देश ही सुधरेगा । इनको अपने जीवन में कोई ऐसी बात नही करनी चाहिए जिससे समाज के आम लोगों पर और बच्चों पर बुरा असर पडे । इतना कहकर मैं अपना स्थान लेता हू ।

श्री हीरा नन्द आर्य (लोहारू) : उपाध्यक्ष महोदय बाबू मूल चन्द जैन ने नैतिक शिक्षा के बारे में जो प्रस्ताव सदन के सामने रखा' है उस पर चर्चा चल रही है । अब तक इस बारे में काफी चर्चा हो चुकी है कि बच्चों के सिलेबस मे किसी प्रकार का परिवर्तन किया जाए । यह भी यहां पर विचार व्यक्त किए गए किं नैतिकता केवल सिलेबस को बदलने से रही आ सकती, नेतिकता तो तब आ सकती है जब सन्यासियों और राजनैतिक लोगों में सुधार आ जाए ।

श्री उपाध्यक्ष : दो किन से इस रेजोल्यूशन पर चर्चा चल रही है । मैं आपका थोड़ा सा ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि बाबू मूल चन्द का जो प्रस्ताव है उसमें यह दिया है

''राज्य में शिक्षा संस्थानों में नैतिक शिक्षा की असंतोषजनक प्रगति के दृष्टिगत यहसदन राज्य सरकार से आज

तक किए गए कार्य का मूल्यांकन करने तथा टीचरों की योग–लागू तथा अनुभव, मुनासिब पाठ्यक्रम तथा उचित एवं विस्तार में उपाय सुझावित करने, कर्यक्रम को वास्तव में प्रभावशाली तथा फलदायक बनाने के लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने की सिफारिश करता है । ''

इस प्रस्ताव की जो मशा है आप उसको ध्यान में रखकर ही बोलें ।

श्री हीरा नन्द आर्य : उपाध्याक्ष महोदय । जैन साहब ने जो प्रस्ताव पेश किय है वह बिल्कुल ठीक है लेकिन जो हाई पावर्ड कमेटी बनाने की बात की गई है और इस बारे मे बहन सुषमा जी ने जो कुछ क्हा कि किन लोगों को उस कमेंटी में रखा जाएगा क्य उन लोगों को उस कमेटी में रखा जाएगा जिनका अपना कुछ चरित्र नही है । क्या ऐसे साधु सतों या राजनैतिक लोगों को रखा जाएगा जिनका अपना चरित्र नही है? (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker : You can suggest the name of the educationists but no suggestion has so far come in this House.

श्री हीरा नन्द आर्य : उपाध्यक्ष महोदय मेंरा कहना तो यह है कि जब तक हमारी सामाजिक, आर्थिक उन्नति नही होगी और हमारे जो अगुवा हैं नएका नैतिक आचरण ठीक नही होगा तब तक हम चाहे कितना ही सिलेबस चेज कर दे, कुछ नही होने वाला है । उपाध्यक्ष महोदय । एक दफा महात्मा गाधी के पास एक

आदमी गय और उस आदमी ने गाधी जी को कहा कि मुझे यह बी मारी है मुझे उसका इलाज बताइए । महात्मा जी ने कहा कि एक हफ्ते बाद आना । वह आदमी हुक हफ्ते बाद गाय तो गाधी जी ने फिर कहा कि एक हफ्ते बाद आना । वह आदमी तीसरे हफ्ते बाद फिर गय तो महरिया जी ने कहा कि इस बीमारी का इलाज यह है कि तुम गुड़ छोड दो । उस आदमी ने कहा कि यह तो बडी साधारण सी बात थी आपने पहरने हफ्ते में ही क्यों नही कता दिय कि गुड छोड़ना है । महात्मा गाधी ने कहा कि जब तुम पहली दफा आए तो मैं भी गुड खाने का आदी था । जब तक मैं गुड खाऊं और दूसरे को कहूं कि गुड़ खाना छोड दीजिए यह ठीक नही जंचता । आज इस देश में और हरियाणा में लोग खूब शराब पीते है । करोड़ों रुपय इस शराब की बिक्री से टैक्स के रूप में हमारी सरकार इकट्ठा करती है । उपाध्यक्ष महोदय पैसा किस लिए इकट्ठा किय जाता है पैसा इस लिए इकट्ठा किटा जाता है जिससे कि लोगों का स्तर ऊचा हो । आज गरीब लोग और मेहनतकश लोग खूब शराब पीते हैं इससे उनके बच्चों पर क्या अच्छा असर पड़ेगा । वे लोग शराब पीकर अगने स्वास्थ्य का नाश कर रहे हैं । एक तरफ तो यह सरकार शराब पीने का प्रचार कर रही है, जगह–जगह शराब की दुकाने खोली जा रही है और करोडो रुपया शराब के बेचने से वसूले किया जा रहा है, ऐसी हालत मै सरकार नेंतिक शिक्षा की बात केंसे कर सकती है । ऐसा करना संभव नही है । सरकार को शराब के ठेकों से साठ सत्तर करोड की आम–दनी होती है और कम से कम सौ करोड़ रुपय की अवैध

शराब भी निकलती है । जनता इस्को थाली है और गन्दे काम करती है । आज हमारे कितने ही विधायक और मंत्री शराब पीते हैं । इनको शराब की लत पड हुई है । हाउस में भी इसकी काफि चर्चा होती है । इसी प्रकार बलात्कार के बारे में यहां पर काफी चर्चा हुई है । जब ऐसी हालत हो तो ये लोग कैसे नैतिक शिक्षा देंगे (ई? अगर इस तरह के विधायकों की और मन्त्रियों की कोई ऐक्सपर्ट कमेटी बनाई जाएगी तो बनसे कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वे लोग बच्चों को नैतिक शिक्षा के बारे में सुझाव दे सकेंगे । इनका असर तो तभी पडेगा जब रनका अपना जीवन बहुत स्वच्छ होगा । मेरा विचार यह है कि जो लोग शराब पीते है वे अपने बच्चो का खून पीते है । जो अपने बच्चों का खून चूसते हैं वे कैसे नैतिक शिक्षा के बारे में सुझाव दे सकते हैं । आज हमारे समाज में अमीर औंर गरीब का अन्तर बहुत ज्यादा बढ़ गया है और अमीर बहुत ज्यादा अमीर हो गया है और गरीब बहुत ज्यादा गरीब हो गया दैर । कहा भी गया है कि भूखे पेट तो भगवान का भजन भी नही होत । जब तक समाज से डिस्पैरिटी खत्म । नही होगी तब तक समाज का सुधार नही हो सकता । पिछले दिनों 1980– 81 के आकडे हाउस में आए थे । हरियाणा में एक साल से चौदह साल लाख के बच्चो की संख्या साठ लाख है । उपाध्यक्ष महोदय, इनमे आधे बच्चे यानी 6 लाख मे से 3 लाख स्कूलों में जाने के योग्य हैं । (विध्न) हमारे कालेजों और स्कूलो में जो शिक्षा दी जाती है, वह केवल अक्षर ज्ञान की शिक्षा दी जाती है । दूसरे जब तक कि हमारे समाज के अन्दर महिलाओं

को अच्छी तरह से शिक्षित नही किया जाएगा, तब तक हमारा देश तरक्की नही कर सकेगा क्योंकि यह अमूमन कहा जाता है कि अगर घर में तुक लडका पढ़ता है तो उससे केवल उसी घर को ही शिक्षित । बनाया जा सकता है लेकिन एक परिवार में एक लडकी को शिक्षित किया जाए तो उससे दो परिवारों को शिक्षित बनाया जा सकेगा । एक उसका पहला घर और फिर दूसरा घर जहा पर वह शादी के बाद जाती है । इसलिये मेरी आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना है कि महिलाओं की उच्च शिक्षा पर खास ध्यान दिया जाना चाहिये । सरकारी आंकड़ों के मुताबिक केवल स्कूलों और कालेजों में महिलाओं की शिक्षा 22 परसेन्ट है और पुरुपों की 35 परंसेन्ट है ।

आवाजे : उपाध्यक्ष महोदय पता नही यह गलत आकडे कहां से लेकर आये है । (शोर)

श्री हीरानन्द आर्य : उपाध्यक्ष महोदय मैं तो सरकारी आंकड़ों की बात कर रहा हू ।

श्री उपाध्यक्ष आर्य : साहब, अगर सदन में आप इन बातों की ओर जाएंगे तो अपिका ही समय खराब होगा । आप केवल राज्य में शिक्षा संस्थाओं में नैतिक शिक्षा की । असंतोषजनक प्रगति के दृष्टिगत यह सदन राजन सरकार से आज तक किए गए कार्य का मूल्यांकन करने तथा टीचरों की योग्यताए तथा अनुभव, मुनासिब पाठ्यक्रम तथा उचित एवं विस्तार से उपाय

सुझावित करने कार्यक्रम को वास्तव में प्रभावशाली तथा फलदायक बनाने के लिये एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने की बात पर ही बोल सकते ऐं ।

श्री हीरा नन्द आर्य : उपाध्यक्ष महोदय क्या लडके के सिलेबस बनाने के लिये यह जरूरी है कि जो ऐजुकेशन बोर्ड के ओं परों की लीकेज होती हैं पेपर नक्ल करवाने के लिये मन्त्री स्वयं जाते है । (शोर एवं व्यवधान) तो क्या ऐसा करके यह सरकार नैतिक शिक्षा दे सकती है

Mr. Deputy Speaker : It has no relevancy at all. Kindly wind up. (Interruptions)...It has no relevancy with the subject under discussion. (Interruption)

श्री हीरा नन्द आर्य : उपाध्यक्ष महोदय अपि को भली प्रकार यह पता है कि यथा राजा तथा प्रजा । जिस प्रकार राजा होगा, उसी प्रकार प्रजा होगी । ड्सतिह यह सरकार अपने कर्त्तव्य को निभाने में बिल्कुल असफल रही है और रहेगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : आर्य साहब, आप जल्दी वाइड–अप कीजिए । आपका समय हो गया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्य : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस सरकार की कारगुजारियों के बारे में बताना चाहता हूं.... (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिए। अब श्री जयनारायण वर्मा जी बोलेंगे ।

श्री जय नारायण वर्मा (बरवाला) : उपाध्यक्ष महोदय इस गरिमामय सदन में हमारे माननीय नेता बाबू मूलचन्द जैन जो नैतिक शिक्षा के स्तर को ऊपर लाने के लिये उसको उपयोगी बनाने के लिये और उसको प्रभावी बनाने के लिये प्रस्ताव लाए है, इसके लिये मैं उनको बधाई देता हूं । इसके साथ साथ मैं उन माननीय सदस्यों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने यहां हाउस में इस प्रस्ताव पर बोलने का साहस किया है । उपाध्यक्ष महोदय मुझे बड़ी खुशी है कि हम लोग अपनी टैन्योर यानी अपना पाच वर्ष का समय पूरा करने वाले है (शोर एवं विध्न)

श्री सुरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, रेज्योलूशन इधर से पेश हो या उधर से पेश हों, नैतिकता पर तो सब का हिस्सा है (शोर एवं व्यवधान) वर्मा साहब किस प्वायंट पर बोरन रहे हैं? (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : भाई सुरेन्द्र सिंह जी, समस्या एक ही है सदन में प्रस्ताव विचार विमर्श के लिये आया है वर्मा साहब, किसी प्वायंट आफ आर्डर पर नही है. ये अपने विचार रख रहे है ।

श्री जय नारायण वर्मा : उपाध्यक्ष महोदय आज हमे अपना पांच साल का टैन्योर पूरा करते हुए हर्ष होता है । हमें इस दलगत राजनीति से ऊपर उठकर यहां पर विचार विमर्श करना

चाहिए ताकि लोगों मै हमारी बातों का सही प्रभाव हो औन् जिसका असर हमारे बच्चों पर भी पड़े । इसलिये मैं बाबू मुलचन्द जैन जी के इस प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिये खडा हुआ, हूं । उपाध्यक्ष महोदय, मैं केवल दो चार बातें ही कहूंगा अधिक समय नही लूंगा । सब से पहले तो मै यह कहूगा कि जो कुछ मैं सुझाव दूगा, वे निषपक्ष भाव से होंगे, किसी अधिकारीगण, किसी पक्ष व विपक्ष किसी व्यक्ति विशेष या किसी अध्यापक के बारे में अपमान की भावना से ही होंगे । उध्याप–गण का हमारे दिल में बड़ा सत्कार है, इज्जत है । मैं केक? टापने सुझाव देने के लिये खडा हुआ हूं ताकि सरकार उन सुझावों पर विचार कर सके और प्रदेश के वच्चों का भला हो सके । अध्यापक वर्ग के लिये हमारे दिल में बड़ा मान है, इसीलिए मैं यह कहना चाहता हु कि आज हमारी शिक्षा पद्धति का उल्टा पेरामिड है । जब हमारा बच्चा 6 साल की आयु में स्कुल में जाता है, जहां से उसने अपनी जीवन की शुरुआत करनी है, उसका जीवन कच्ची धातु के समान होत है इसलिये वहां के स्तर को देखना चाहिये कि वहा हमारे शिक्षक का स्तर क्या है मै शिक्षक पर किसी तरह का इल्जाम नही लगाना चाहता । हमारा सारा ढाचा ही खराब है । हमें डुल बात को देखना है कि स्कूलों ये बच्चों को सबक क्या मिल रहा है? अगर किसी बच्चे ने कोई बुरी नजर है और उसकी शिकायत अध्यापक को की जाती है तो देखना है कि अध्यापक गल्त बातों में बच्चे से ज्यादा संलिप्त है या कम है । अगर ज्यादा संलिप्त है तो फिर ऐसे अधयापक के सामने शिकायत करने का कोई मतलब नही रह

जाता । अगर ऐसे अध्यापक के बारे में गाव के लोग यह समझते हैं कि वह ठीक नही हैं तो फिर शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के पास शिकायत की जाती है । जहा शिकायत की जाती है, अगर वहा का अधिकरी उससे भी ज्यादा भ्रष्ट हो तो फिर उसके बात बात राज नेता पर आ जाती है । पर राज नेताओं का नैतिक स्तर तो भगवान ही जानता है । इस बारे में हम क्या कहें, इसमें हम सब शामिल है । हमारे लोगों का यानि राजनीतिज्ञों का स्तर सब से पहले गिरा हुआ है । इस तरह से आप देखें कि फिर उस बच्चे का किस प्रकार से क्या हो सकता है जहां पर नीचे से ऊपर सर यही हाल हो । अब देखने वाली बात यह है कि प्राइमरी स्कूलों के अन्दर अध्यापक का स्तर क्या है, उसकी क्वालिफिकेशन क्या है?

पहले एक कहावत थी कि जिसको कहीं पर जगह न मिले वह जाकर प्राइमरी स्कूल का मास्टर बन जाए । पहले मैं प्राईमरी स्कूलों में मास्टरों की क्वालिफिकेशन का जिक्र कर रहा था । प्राइमरी स्कूलों के बच्चे कच्ची धातु के समान होते है । जिसे अध्यापक बनाते हैं और बच्चे की जिन्दगी की शुरुआत वहीं से होती है । दूसरी तरफ यूनिवर्सिटीज के लेवल पर हाईली क्वालिफाइड प्रोफेसर्ज होते हैं जहां फर बच्चा बी ० ए ० वगैरह पास करने के बाद पहुचता है । वहा के प्रोफेसर्ज के पास बडी बड़ी डिग्रियां हैं हालांकि यहा पर बच्चे को जो कुछ बनकर आना होता है, वह बन चुका होता है । केवल गाइड के तौर पर काम

होता है । लेकिन जहा से बच्चा अपने जीवन की शुरुआत करता है, चरित्र बनना होता है, वहां हमारे अध्यापकों का स्तर नीचे गिरा हुआ है इस प्राइमरी अध्यापकों के पास प्रर्यापत साधन बन नही हैं और न ही वेतन मान अच्छे हैं । कालेज में पहुंचने तक बच्चे के चरित्र के निर्णय की दिशा तय हो चुकी होती है । इसीलिए सरकार को शुरु से ही इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि प्राइमरी स्कूलों के अध्यापक वैल क्वालिफाईड हो चरित्र दान हो । उसके ऊपर वह केवल गाइड है, वह कहता है वह क्या करे ? नीचे का स्तर जहा से बनना है वह स्तर दिखाई नही दे ता । सब से पहरने हमारे समाज को यह महसूस होना चाहिए कि यह परिवर्तन करना होगा । जब नीचे का स्तर ऊंचा होगा तब जाकर हम नैतिकत्ता की बात कर सकेंगे । डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अपने समाज की तरफ जाता हूं । हम अश्वने बच्चे को कहते है कि बच्चे झूठ बोलना नहीं चाहिए । हम एम ० एल ० ए ० हैं और अपने सर में बेठे है । । हम आराम करना चाहते है । जब लोग आकर हमारे बारे में पूछते है कि क्या एम ० एल ० ए ० साहब घर में है तो हम अपने बच्चे को कहते है कि उनको बोल दो कि वे घर ये नही है । एक तरफ तो अपने बच्चे को कह रहे है कि झूठ नही बोलना चाहिए और दूसरी तरफ बच्चे को खुद झूठ बोलना सिखा रहे है । इससे हमारा 8 साल का बच्चा यह महसूस करेगा कि मेरे पिता मुझे झूठ बोलना सिखा रहे है । मै एक छोटी सी मिसाल देना चाहता हूं जिससे यह पता लग जाएगा कि हम सब लोगों के आचरण का स्तर आज कहा है । यह बात 8– 10 वर्ष

पहले की है और मैं किसी आदमी का नाम नही लेना चाहता । एक व्यक्ति के साथ मुझे रेले मे सफर करने का मौका मिला । वह अपने पोते के साथ दिल्ली से नागपुर जा रहा था । उन्होने दिल्ली से फर्स्ट क्लास का टिकट लिया । वे रात को 12 बजे मुझे जगाते है और कहते हैं कि कडंकटर को बुलाओ । मैं सोच रहा था

सरदार सुखदेव सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । मै यह कलरिफिकेशन चाहता हूं कि नैतिकता का उपदेश देने वाले खुद पिलानी में नकल करते पकड़ गये । (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है, आप कृपा बैठे ।

श्री जय नारायण वर्मा : डिप्टी स्पीकर साहब, रात को 12 बजे कंडक्टर को बुला कर कहा जाता है कि मेरा बच्चा जब दिल्ली से चला था तब वह आधे टिकट के योग्य था । अव इसकी ऊमर 12 साल एक दिन की हो गई है इसलिये मेरे बच्चे का पूरा टिकट बना दिया जाए । असली नैतिकता का सबूत तो यह है । अब शुरुआत किस बात की होती है? नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये हम साधारण तौर पर केवल स्कूलों के माध्यम से कोशिश करना चाहते हैं । मान लिया आज तक यह नही हुआ और उसको औज करने भी रहे है तो इस बात के लिये जो भी प्रयास किये

जाए उसके लिये बधाई देनी चाहिए । जो शुरुआत जहां से हो जाए उतनी ही अच्छा है? बड़े अफसोस के साथ कहता हूं लेकिन मैं किसी अधिकारी का नाम नही लूंगा । जब इस नैतिक के शिक्षा सिलेबस के मामले को लेकर पुस्तक निर्धारण करने की शुरुआत हुई तो उस समय की कार्यवाही ही अनियमित अनैतिक हुई, जहा इस नैतिक शिक्षा के पाठ्यक्रम तय करने की शुरुआत हो रही थी । शुरुआत ही अनैतिकता से हो तो उससे कैसी शिक्षा मिलेगी । अभी जो बात बहन सुषमा और स्वामी अग्निवेश जी ने कही थी मैं उनको रिपीट नही करुंगा । लेकिन जहा हम एक बात देखते है कि हमारे बच्चे को एक साधु या सज्जन पुरुष यह कहत है कि सुबह उठते ही अपने मां बाप के चरण छुआ करो और उनके कहने के मुताबिक हमारा बच्चा ऐसा करता है । लेकिन कुछ देर बाद जब वह बच्चा शहर के चौक पर निकलता है तो वहां पर कोई बाप और बेटा एक जगह बैठ कर शराब पीते है । उसके बाद बाप बेटे का आपस में झगड़ा होता है बात सुनता है और बेटा बाप का सिर बोस न से तोड़ दे ता है । वही बेटा सुबह तो अंधने बाप के पैर छुने की बात सुनता है और बाद में एक बेटा अपने बाप का सिर तोड़ देता है । ते । इस प्रकार से एक सन्यासी की 8 महीने की शिक्षा एक मिनट में खत्म हो जाती है । वच्चों को बाहर अश्लील साहित्य मिलता है । हमारी सरकार के नोटिस में भी है कि हमारे घरों के अन्दर किस किस्म के नावल पड़े जाते है और उन पर किसी लेखक या प्रकाशक का नाम नहीं हे । इस तरह के अशलील साहित्य के आज हरियाणा के अन्दर ढेरों के ढेर पड़े हैं

। घर घर के अन्दर हमारे बच्चों को उस अश्लील साहित्य के माहौल के अन्दर डुबोया जा रहा है नैतिक शिक्षा देने के लिये जरुरी है कि हम अश्लील साहित्य, अश्लील सिनेमा और अश्लील पोस्टरों को बन्द करे । यह काम केवल– मात्र स्कूलों के पाठ्यक्रम को सुधारने से नही होगा । हमें चाहिए कि हम अपने सामाजिक जीवन और नैतिकता कं चरित्र को ऊंचा बनाने की कोशिश करे । आखिर जितने हम बिगड चुके है, वह तो बिगड चुके लेकिन आने वाली पीढी के बच्चों को नैतिकता मे लाने के लिये नैतिक शिक्षा पढाना आवश्यक है । यह सब बिगड़ा हुआ माहौल है । हमें स्कूलों में नैतिक शिक्षा दें ने के साथ साथ इस माहौल को भी ठीक करना चाहिए । हमे यह भी देखना होगा कि जो हम पाठ्य–क्रम निर्धारित करगा चाहते हैं उसमें अगर 7 घटिया हिसाब की चले और एक घंटी नैतिक आचरण की चले तो उस पाठ्यक्रम में क्या होगा, उसके बारे में कम से कम हमें सोचना पडेगा । उस पुस्तक में केवल भगवान कृष्ण का नाम पढने से या भगत सिह की तस्वीर देखने से पाठ्यक्रम का काम नही चल पाएगा या जितने हमारे सन्त महा पुरुष हुए है केवल उनके नाम और फोटो छाप कर काम ही होगा बल्कि उन द्वारा जो मूल्य– दिये गये हैं, उनको सीखना होगा । इस बारे में जहां बच्चो के । रुकावट पड़ती हो तो उनसे पूछा जाए कि तुम्हें इन मूल्यों में क्य मजाक फिर आता है । अगर एक बच्चा किताबों में तो शहीद भगत सिंह के वारे में पढता है और अपने मां बाप और भाई को धन के नाजायज संग्रह में लिप्त पाता है तो बच्चा अपने मास्टर जी को कहेगा कि मुझे तो

आप ये बातें पढाते है लेकिन मेरे पिता जी ने लाखों मजदूरों का शोषण करके और गरीब लोगों की रोटी छीन कर अपनी कोठी बनाई है। अगर नैत्तिक शिक्षा दे ने वाले अध्यापक का भी आचरण वैसा ही होगा तो वह बच्चे को कुछ भी समझा नहीं पाएगा । आखिर में बच्चा समझेगा कि जिस प्रकार से क्लास में आर्यमैटिक की घंटी लगती है उसी प्रकार से नैतिक शिक्षा की है । इसके बाद शराब की बात है । शराब बन्दी के मामले में कोई प्रयास नही किया जा रहा है । इसके बाद मालूम है कि जो देश शराब के नशे में डूब जाए उसकी क्या हालत होती है । इस बात के लिये हम जानते हैं कि कोई मां नही चाहती कि मेरा बच्चा खराद पीए, कोई बाप नहीं चाहता कि मेरा बेटा शराब पिए और कोई वहन नहीं चाहती कि उसका भाई शराब पीए लेकिन 60 करोड़ रु ० के राजस्व के लोभ में यह सरकारें चाहती है कि हरियाणा के एक एक बच्चे को शराब पीने दो । मैं यह इसलिये कहना चाहता हूं कि जब हमारे बच्चे कन्धों से दस्ते लटका करं स्कूलों में जाते हैं तो 'रास्ते में शराब का ठेका मिलता है जबकि स्कूल के रास्ते में शराब का ठेका नही हे सकता । इसीलिये बच्चो को नैतिक शिक्षा ये गन्दे काम नही देने देंगे । इसके बाद नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये जो विशेषज्ञों की समिति बनाने का सुझाव है उसमे एक्सपर्टस के साथ साथ अच्छे मौर– लिस्टस भी हों । लेकिन मौरिलिस्टस कहा से आएंगे । पाठ्यक्रम को निर्धारित करने के लिये टैक्नीकल एक्सपर्टस तो मिल जाएगे लेकिन मौरिलिस्टस कहा से मिलेंगे । हमे जिस श्रेणी से मौरल की उम्मीद थी वह

इममौरल हेती जाती है । इस मामले को प्रभावी बनाने के लिये आवश्यक है कि हम आने आचरण को ठीक करें, देश के नेताओं को ठीक करे चाहे कोई अधिकारी हो, चाहे जज नेता हो या समाज के किसी भी वर्ग का कोई व्यक्ति हो जब तक हम अपने नाप को ठीक नही करेंगे तब तक नैतिकता नहीं आ सकती । डिप्टी स्पीकर साहब इतना ही कह कर मैं समाप्त करता हुं और इस प्रस्ताव का समर्थन करता हू ।

13.00 बजे

चौधरी ईश्वर सिंह (गुहला–अनुसूचित जाति) : डिप्टी स्पीकर साहब, बाबू मूल चन्द जैन जी. ने नैतिक शिक्षा दे ने के बारे में जो प्रस्ताव हमारे सामने रखा रखा है मैं उससे बिल्कुल सहमत है । डिप्टी स्पीकर साहब, यदि बच्चे को अध्यात्मिक धार्मिक और भौतिक शिक्षा दे कर डिवेल्प किया जाए तो मही मायनों में वच्चे को शिक्षा देना है । सबसे पहले बच्चे को अध्यात्मिक शिक्षा दी जाती छैं जो घर से आरम्भ होती है । बच्चे कौ शिक्षा देने के लिये दो केन्द्र हैं । एक कर और दूसरा स्कूल । स्कूल में जाने मे पहले बच्चे का मन बहुत कोमल और कोरी स्लेट की तरह होता है । इसलिये बच्चे को उसके माता पिता अपने घर में जैसी शिक्षा देंगे बच्चा वही सीख जाएगा । माता पिता बच्चे को जिस प्रकार से पढाने की कोशिश करेंगे उसी प्रकार से पढेगा और जैसा उनका विचार और व्यवहार होगा उसका असर बच्चे पर पड़ेगा । डिप्टी स्पीकर साहब, यदि बच्चे को स्कूल में जाने से पहले धार्मिक और

भौतिक शिक्षा की तरफ लेहहराये तो सवाल ही पैदा नही होता कि बच्चे के अन्दर नैतिक शिक्षा न जाए । इसलिए सबसे पहले बच्चे को अध्यात्मिक शिक्षा दी जानी चाहिए इसके अलावा बच्चे पर संगत का भी बहुत असर पडता है । बच्चा जैसी संगत में बैठेगा उस पर वैसा ही असर होगा । बच्चे के जिसे आसपास का जैसा माहौल होगा और उसके साथ खेलने वाले वच्चों का जैसा माहौल हलो उसका असर बच्चे पर बहुत पड़ता है । डिप्टी स्पीकर साहब, नैतिक के मेन कारण हैं संगति और सत्य इन के बारे ने बच्चे को जिस प्रकार से शिक्षा देंगे उसी प्रकार से बच्चे का जीवन बनेगा । बच्चे के मन में नेतिकता की शिक्षा बाहर से मेही दी जीपी बल्कि मां के अन्दर से पैदा की जाती है । बच्चे का जीवन अध्यात्मिक शिक्षा देने से बदलता है डिप्टी स्पीकर साहब, अध्यापक भी तुक आदर्श है । टीचर इज ए कैडल । जिस प्रकार से मोमबत्ती जल जाती है और दूसरों को रोशनी देती है उसी प्रकार से अध्यापक बच्चे को शिक्षा दे कर अपना जीवन बलिदान कर देता है । अगर अध्यापक अध्यात्मिक और आदर्श नहीं होगा तो बच्चों पर नैतिक शिक्षा का असर नही पड़ सकता । डिप्टी स्पीकर साहब, पुराने 10वीं तक के पाठ्यक्रम में सबसे पहले पाठ में प्रार्थना का पाठ होता था । पहली कक्षा से लेकर 5 वी कक्षा तक के बच्चों की उमर बहुत कोमल– और कुदरत के नजदीक रहने वाली उमर है । उस उमर में बच्चे का मन साफ और कोमल होता है । छठी कक्षा के बाद बच्चे के संस्कार बदलने शुरु होते हैं और वह जातिपाति के चक्कर में और धार्मिक भावना के चक्कर में 5वी कक्षा के बाद

ही आता है । बच्चे पर जातिपाति और धार्मिक भावना का अरर हमारे समाज द्वारा ही पडता है । जैसा समाज होगा बच्चा भी वैसी ही शिक्षा लेगा । समाज सरकार से बहुत बडा है । यदि समाज का सुधार किया जाए तो बच्चा आटोमैटिक सुधर जाएगा । समाज को सुधारने के लिये सबसे बड़ी जिम्मेदारी स्कूल के अध्यापक की है और बच्चे के बचपन पर माता पिता का असर पडता है । डिप्टी स्पीकर साहब स्कूल शिक्षा का सबसे बड़ा मन्दिर है, सबसे बड़ा गुरुद्वारा है और सबसे बड़ी मस्जिद है । वहां पर हर प्रकार के श्लोक बोले जाते हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, स्कूलों और विद्यालयों में नैतिकता की बातें सिखाई जाती हैं अगर वह पर शराब का अखाड़ा और सिगरेट के राख का ढेर बच्चों के सामने लग रहे हों तो मैं समझता हूं कि डुल प्रकार से बच्चों के जीवन का नाश करना सबसे ज्यादा टीचर पर और स्कूल के जीवन पर डिपैड करता हूं । लेकिन आज अगर हम सारी बातें स्कूल के अध्यापक पर ही थोप कर चलें तो यह मुनासिब नही है । अध्यापक भी समाज का अग है । वे भी चाहते है कि उनकी कद्र हो लेकिन खेद की बात यह है कि अगर अध्यापक बच्चों का जीवन सुधारने के लिए उन पर थोड़ी बहुत डांट मार देते है या अकल दिशा में ले जाने की कोशिश करते है तो उनके माता पिता क्लास में जाकर अध्यापकों से कहते है कि हमारा बच्चा. पढे या न पढ़े हमारे बच्चे को हाथ लगाने की जरुरत नही है । यदि अध्यापक बच्चे को सही दिशा में ले जाने की कोशिश करता है और उसका जीवन सुधारने की कोशिश करता ऐं तो बच्चे के माता पिता का

यह फर्ज बनता है कि वह उसका पूरा साथ दे । यदि बच्चे के माता पिता बच्चे की क्लास में जा कर अध्यापक से यह कहते है कि हमारा बच्चा पढ़े या न पढ़े इसको हाथ लगाने की जरुरत नही है, तो इस बात का बच्चे पर बहुत असर पड़ता है और अध्यापक की बच्चे को पड़ाने की जो अच्छी भावना है ऐसा करने से उसका मन टूट जाता है । अध्यापक का यह विषय नही है कि वह पढ़ाई के बदले नौकरी लेता है । अध्यापक जो तनखाह लेता है वह अन्यने बच्चों के पालन पोषण के लिए और अच्छे ढंग से रहन–सहन के लिए लेता है । इसलिए यदि बच्चों के माता पिता अध्यापकों के पास जा कर यह कहे कि हमारे बच्चो को हाथ लगाने की जरुरत नही है तो यह अध्यापक का काम नही है कि बच्चे को डरा धमका कर असली शिक्षा दी जाए और बच्चे के विचारों को बदल दे । डिप्टी स्पीकर साहब । इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि शराब और सिनेमा ये दोनों आदतें बहुत सें बुरी है । जो गावों का बच्चा है वह कुदरत के नजदीक अब भी है लेकिन जो शहर का बच्चा है वह यदि सिनेमा देख कर आएगा तो उसके मन में डायरेक्ट असर पड़ेगा । सेरा कहने का मतलब यह है कि बच्चे को कोई बात कहने से कम असर पड़ता है और प्रत्याशित रूप में देखने से ज्यादा असर पड़ता है । डिप्टी स्पीकर साहब, अभी थोड़ी देर पहले बोलते हुए श्री जय नारायण वर्मा ने शराब के बारे में जो बाते कही मैं उनकी बातों से सहकत हूं । गांवों में स्कूल की वाऊंडरी के नजदीक शराब का ठेका नही होना चहिए । जब बच्चों को जब पता लग

जातै है कि हमारी उमर से बड़ी उमर के लोग शराब पीने हैं तो उनके मन में यह विचार पैदा होगा कि बड़ी उमर के लोग शराब इस–लिये पीते है कि इसके अन्दर कोई न कोई गुण है तो वे भी बड़े हुए कर शराब पीना चाहेंगे । यदि शाब के ठेके गांवों में हैं तो मैं सरकार से प्रार्थना करुंगा कि वे गावों की बाऊंडरी में दूर' होने चाहिए स्कूलों की वाउडरी के नजदीक तो शराब का ठेका होना ही नही चाहिए । डिप्टी स्पीकर साहब, इस काम में हमे यह नही देखना चाहिए कि यह विरोधी भाई हैं यौ रुलिंग पार्टी का सदस्य है । हमने सभी के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस काम को जल्दी से जल्दी करना चाहिए । जितनी जल्दी हम अपने बच्चों को नैतिक शिक्षा दे पाएंगे उतना ही लाभप्रद रहेगा । जिस प्रकार की शिक्षा हम बच्चों को देंगे वैसा ही असर हमारे बच्चों पर पड़ेगा । आज गांव का बच्चा दूध बेचने के लिए शहर जाता है। वह दूध को बेच कर शराब पीता है । दूध न पी कर शराब पीना कहा तक उचित है? यह सब बच्चा इसलिये करने पर मजबूर हो जाता है, क्योंकि उसे आरम्भ में नैतिक शिक्षा नही मिली उसे अच्छी सोसायटी नही मिली । इसी वजह से क्च्चा गलत काम करने पर मजबूर हो जाता है डिप्टी स्पीकर साहब, नैतिक शिक्षा अकेले स्कूल से ही नहीं दी जा सकती, बल्कि स्कूलों के अलावा मन्दिरों, गुरुद्वरों और मस्जिदों से भी दी जा सकती है । हमें बच्चों के अन्दर धार्मिक भावना को भी जगाना होगा । जब तक बच्चों के मन में धार्मिक भावना ––ही जागेगी उस समय तक बच्चा नैतिक शिक्षा भी ग्रहण नही कर सकेगा । डिप्टी स्पीकर

साहब, संगत और सत्य ये दो शब्द जो हैं, इनका जब तक मेल नही होगा तब तक कोई काम ठीक प्रकार से नही हो पायेगा । डिप्टी स्पीकर साहब, पहले हम पहले ही पाठ के अन्दर बच्चों को प्रार्थना का पाठ पढाते थे । जब तक हम उस प्रार्थना में धार्मिक भावना को नही लाएंगे तब लड बच्चों के अन्दर भी धार्मिक चेतना जागृत नही हो सकेगी । जैसा बच्चा हमारा आज का होगा, वैसा ही हया–द्ग कल का राष्ट्र होगा । डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहली हमारी ड्यूटी यही है कि हम अपने बच्चों को अच्छा बनाएं । बच्चे अच्छे होंगे तो देश का निर्माण भी अपने आप अच्छा हो जायेगा । जब तक देश के बच्चों में अपने राष्ट्र की भावना नही जागेगी तब तक देश की वे सच्चे मन से सेवा नहीं कर पायेंगे । इसलिए मैं ज्यादा कुछ न कहते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

श्री मूल चन्द मंगला (पल–वल) : डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहले मैं इस प्रस्ताव का जो बाबू मूलचन्द जैन जी ने रखा है उसका समर्थन कच्छ हूं । इन्होंने बड़ा ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया है । इसलिए मैं भी अपनी कुछेक बातें आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं । डिप्टी स्री उर नाहर, नौति ह शिप्रा के वारे हमारे कई साथी बोल चुके हैं औरे उन्होंने काफी अच्छे अच्छे सुमाव दिए हैं । मैं आशा करता हु कि इन सभी सुझावों को ध्यान मे रखते हुए सरकार नैतिक शिक्षा को अधिक से अधिक बढ़ाने की कोशिश करेगी । डिप्टी स्पीकर साहब, बच्चे की शिक्षा के लिए जितना कर्तव्य उसके मां बाप का है उस से

बढ़कर टीचरों का है, क्योकि टीचरो के पास बच्चा अधिक समय व्यतीत करता है । आज हमारे बच्चों को ठीक प्रकार की शिक्षा. नही मिल पा रही । आज का बच्चा परेशान है इसलिए उसको अच्छी शिक्षा की आवश्यकत है । इस सबंध में मेंरे एक दो सुझाव हैं, जिनका मैं आपके सामने रखूंगा । डिप्टी स्पीकर साहब बच्चों को स्कूल में भेजने से शिक्षा नही दी जा सकती । यदि उनको शिक्षा देनी है तो उसे अच्छी अच्छी बातों का ज्ञान कराना पडेगा । यदि हमने अपने देश का निर्माण करना है तो अपने बच्चों को भी ठीक बनाना होगा । हमारे देश का निर्माण तभी अच्छा हौं सकता है जब हमारें बच्चे अच्छे होंगे और उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी । डिप्टी स्पीकर साहब, आप देख रहे हैं कि टीचरो का ट्रासफर कर दिया जाता है । उनका ट्रांस्फर उसके घर से 'काफी दूर कर दिया जाता है । जब उसका तबादला काफी दूर हो जाता है तो वह बच्चों को पढ़ाने में बहुत कम ध्यान देता है । इस संबंध में मेरी सरकार से गुजारिश है कि टीचरों का ट्रासफर उनके घर से काफी दूर नें किया जाये और उन्हें उनके नजदीक ही रखा जाये । आपको भी मालूम होगा कि वे अपना तबादला कराने के लिए चण्डीगढ में आए रहते है और उनकी यहा पर एक प्रकार से बाढ़ सी लगी रहती है । वे अपनी मजबूरी के कारण यहां पर आते है और अपने 200– 300 रुपये खराब करके चले जाते हैं लेकिन उनका काम फिर भी नही हो पाता । जब वे इस काम के लिए यहां पर भागते रहेंगे तो वे बच्चों को क्या शिक्षा यौ नैतिक शिक्षा दे पाएगे । सरकार को उनकी इस समस्या की ओर भी ध्यान देना

होगा । सरकार ने टीचरों को खुश रखना होगा, उनको संतुष्ट रकना होगा और उनकी कठिनाइयो को दूर करना होगा । डिप्टी स्पीकर साहब! मैं एक बात और आपके नोटिस में लाना चाहता हू आज हमारे किसी भी अध्यापक का जी ०पी० एफ० का एकाउंट ठीक नही है । 98 प्रति शत टीचरों का जो पैसा कटता है! वह सही सही खाते में जमा नही होता ए०जी ० आफिस से उनके पैसे का ठीक ठीक हिसाब–किताब नही जात । इसके कारण भी हमारे टीचर परेशा न रहते क्यैंए । वे अपना एकाउंट ठीक कराने के लिए ए ०जी ० आफिस, चण्डीगढ को लैटर लिखते रहते हैं लेकिन उनका कोई जवाब नही दिया जात । जब हमारे अध्यापको को पूरी सुविधाए नही मिलेगी तब तक वे मन लगा कर बच्चों को कैसे शिक्षा देगे । यदि इसी प्रकार की गल– रियों और कठिनाइयों को उन्हें सहना पड़ेगा तो आप ही बताए कि वे क्य पढा पायेंगे? जो टीचर बच्चों को ठीक प्रकार से पढ़ाते है, जिल अध्यापकों का परिणाम अच्छा निकलता है ता उनको अच्छी सुविधाएं दी जाए और ऊनको परमोशन आदि दी जाये । सरकार को ऐसे अध्यापको की तारीफ करनी चाहिए । ट्रांसफर करते समय भी पूरा पूरा ध्यान रखना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : मंगला जी आप रैज्योलूशन पर ही बोलें ।

श्री मूलचन्द मंगला : डिप्टी स्पीकर साहब, जो बात यहा पर शराब के बारे में बही गई है वह बहुत ठीक है । बच्चे स्कूल– जाते हुए शराब के ठेकों को देखेगे तो उन पर क्य असर पड़ेगा?

(घंटी) यह बहुत ही महत्वपूर्ण बात है । सरकार को इस बात की तरफ ध्यान देना चाहिए और शराब के ठेके वगैरा स्कूल के रास्ते में न ही होने चाहिए । यदि शराब के ठेके स्कूल के रास्ते में पड़ते हैं तो इससे बढ़कर दुर्भाग्यपूर्ण बात और क्या हो सकती है? मेरे से पूर्व बोलने वाले वक्ताओं ने ठीक क्हा है कि शराब के ठेके स्कूल के आसपास या स्कूल जाने वाले रास्ते में नहीं होने चाहिए । शराब के ठेके जो स्कूल के रास्ते में होते हैं या पास में होते हैं तो बच्चों का उस पर बुरा प्रभाव पडता है । बच्चे दुकान को सजी हुई देख कर खुश होते है लेकिन उन्हें क्या मालूम कि इसमें क्या चीज है । जब वे बार बार आते जगते है तो उनको शराब के बारे में ज्ञान हो जाता है और नम पर उसका उल्टा असर पड़ता है । यह ठीक बात हे कि शराब से हमें अधिक राजस्व प्राप्त होता है । इस राजस्व से हम अपने दूसरे आर्थिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देते हैं । इससे हमारी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है लेकिन यह भी जरुरी है कि हमें शराब का बाईकाट करना चाहिए । हमनें अपने देश के बच्चों को अच्छी से अच्छी नैतिक शिक्षा देनी चाहिए । (शोर) हमारी यह पूरी कोशिश होनी चाहिए कि हमारे बच्चे अच्छे बने । यदि बच्चे अच्छे होंगे तो देश का निर्माण भी अच्छा कर सकेगे । (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, हमनें अपने बच्चों को यदि अच्छा बनाना है या उनको देश की सेवा के लिए आगे जाना है तो बच्चों को अच्छे से अच्छा ज्ञान देना होगा । (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, बातें तो बहुत सारी हैं लेकिन आप समय नही दे रहे इसलिए मैं दुबारा फिर बाबू मूलचन्द

जैन जी द्वारा रखे गए प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

चौधरी गया लाल (हसनपुर–अनुसूचित जाति) : उपाध्यक्ष महोदय । सदन में आज दूसरे दिन नैतिक शिक्षा के बारे में विचार हो रहा है । (विध्न) सरकार ने शिक्षा का बहुत प्रसार किया है । चौधरी देवीलाल के समय में तीन सौ स्कूल अपग्रेड हुए थे लेकिन चौधरी भजन लाल जी ने 718 स्कूल अप–ग्रेड करके शिक्षा का काफी प्रसार किया है । जहां तक नैतिक शिक्षा की बात है, उपाध्यक्ष महोदय, यह एक अनुकरण क्रिया है । बच्चा स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने के लिए 5– 6 घंटे पढ़ता है । उसके बाद वह घर एवं परिवार की शिक्षा में रहता है । बच्चा जहां रहता है उसी परिस्थिति की, उसी माहौल की वह शिक्षा लेता है । जिस परिवार में पढ़े–लिखे माता पिता होते है उस परिवार का बच्चा भी बुद्धिमान बनता है । उसको बोलने का, पढ़ने का, कपडे पहनने का और हर तरीके का ज्ञान मिल जाता है । इसलिए मैं समझता हूं कि माता का पढ़ना अति आवश्यक है । हमारे प्रदेश में अभी तक कन्याओं की शिक्षा का बहुत कम इन्तजाम है । जड़को की अपेक्षा लड़कियों की शिक्षा यहां बहुत कम है । जब तक लड़कियों को जड़को के बराबर नही पढाया जाएगा तब तक मैं समझता हू नैतिक शिक्षा का प्रसार नही हो सकता । बच्चों की शिक्षा में सबसे बडा कार्य माता का होता है । जब माता ही अनपढ़ होगी तो उसके बच्चे भी नैतिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते । इसलिए मैं

प्रार्थना करूंगा कि जहां लड़कों के मिडल और हाई स्कूल हों वहां लड़कियों के भी मिडल और हाई स्कूल होने चाहिए ताकि हमारी बहिन बेटियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए जो दूसरी जगह जाना पक्त है वह न जाना पडे । हर मा बाप इस बात का ख्याल करता है कि अपनी सियानी बेटी को वह शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूसरे गांव में नें भेजे । यह सुविधा अपने गांव में न होने की वजह से मां–बाप अपनी लड़की को पडाने में हिचकिचाते हैं । इसलिए मैं शिक्षा मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि जहां लड़कों के मिडल और हाई स्कूल हों वहां लड़कियों के मिडल और हाई स्कूल भी अवश्य होने चाहिए । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, नैतिक शिक्षा की बात अध्यापकों के ऊपर निर्भर करती है । जहां अध्यापक अच्छा चरित्रवान होता है, वहां बच्चों की शिक्षा भी अच्छी होती है । जो अध्यापक शराब पीता है, बीडी–सिगरेट पीता है, झूठ बोल–सा है, उसका प्रभाव बच्चों के ऊपर अच्छा ––ही हो सकता चाहे पाठ्यक्रम कितना ही अच्छा क्यों न हो । ऐसे वातावरण में बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते । (विध्न)

Mr. Deputy Speaker : Order Please.

चौधरी गया लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि अगर अध्यापक अच्छा चरित्रवान हो, अच्छा बुद्धिमान हो तो वह शिक्षा अच्छी देता है । कई बार ऐसी शिकायतें हमारे पास आती हैं कि मास्टर शराब पीता है, जुआ खेलता है और अन्य

किस्म के दुराचार करता है । कई बार ऐसे अध्यापकों के खिलाफ केस तो बनते हैं लेकिन मैं चाहता हूं कि ऐसे अध्यापकों के विरुद्ध सरकार को सक्त से सक्त एक्शन लेना चाहिए । जो अह–पपक स्कूल के समय में दुराचार करता हुआ मित्ने उसको नौकरी से तुरन्त निकाल देना चाहिए, उसको डिस– मिस कर देना चाहिए । शिक्षा प्रणाली में अध्यापक का दर्जा गुरु का दर्जा होता है । गुरु जिस तरीके की शिक्षा देता है उसी तरीके से शिष्य अपने जीवन में काम करता है । अगर शिक्षक महान होगा तो शिष्य भी महान कार्य करेगा । अगर शिक्षा गलत होगी तो वह गलत काम करेगा ।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक पाठ्यक्रम का संबंध है, इसके बारे में भी मैं एक सुझाव दूंगा । प्राचीन काल में बड़े बड़े महर्षि और दूसरे महापुरुष गुरुकुल– में पढ़ाया करते थे । 6 साल– की उमर में बच्चा गुरुकुल में दाखिल हो जाता था और जब तक शिक्षा समाप्त नही होती थी तब तक वह वही रहता था । उसे दुनिया से कोई मतलब नहीं होता था । आजकल भी कुछेक गुरुकुलों में इसी तरह की पढ़ाई होती है । वहां बच्चों का ठीक पालन पोषण किया जाता है, उसे दूसरी जगह जाने नहीं दिया जाता । अच्छे विचार उन्हें बताये जाते हैं । व्या– यान आदि की शिक्षा भी उन्हें दी जाती है । इसलिए मैं समझता हूं कि नैतिक शिक्षा के लिए गुरुकुल शिक्षा का पाठ्यक्रम ही लाभदायक हो सकता है ।

श्री उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सदन कल प्रातः काल साढ़े नौ बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है ।

13.30 बजे

(तत्पश्चात सदन शुक्रवार दिनांक 26–3–1982 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थागित हुआ)